@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 26 अक्टूबर 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 351 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

एनएसए अजीत डोभाल ने बताई सोशल मीडिया की कमियां

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। एनएसए अजीत डोभाल ने शुक्रवार को एक पुस्तक लॉन्च कार्यक्रम के दौरान सोशल मीडिया की खामियां बताईं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की विश्वसनीयता धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। सोशल मीडिया के उपयोग के साथ इसकी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करने की जरूरत है। एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि सोशल मीडिया पर पूरी तरह से झूठ फैलाने वाली कहानियों खोजकर उनका सच उजागर करने की जरूरत है। कुछ तस्वीरों को पेश करके यह किया जा सकता है। कुछ लोग सोशल मीडिया पर भारतीय सेना के बारे में कुछ भी पोस्ट करके रक्षा बलों का मनोबल कम करने की कोशिश करते हैं। कभी-कभी वे ऐसी बातें लिख देते हैं जिससे हमारे जवानों का अपने नेतृत्व पर से भरोसा उठ जाता है। इसका पुरजोर विरोध करने की जरूरत है। यदि रक्षा बलों के लोग ऐसा कर सकते हैं, तो यह अच्छा है। उन्होंने कहा कि कोई भी घटना होने पर आपको सोशल मीडिया पर पहला उत्तरदाता बनना चाहिए। कई बार ऐसा देखा गया है कि जब कोई घटना घटती है तो उसके चार घंटे के भीतर जो कचरा शुरू होता है, वह असलियत पर हावी हो जाता है। कुछ घंटों के भीतर सोशल मीडिया पर सही नजरिया आ जाए तो काम आता है। देश में देशभक्तों और राष्ट्रवादियों की कोई कमी नहीं है। एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि लंबे समय से जिन प्रमुख कार्यों की उपेक्षा की गई उनमें से एक था राष्ट्रीय इच्छाशक्ति का निर्माण करना और उसे मजबूत करना। लगभग 100 साल पहले एक व्यक्ति स्वामी विवेकानंद ऐसा करने के लिए आगे बढ़े थे। उन्होंने कहा कि हम युद्ध क्यों लड़ते हैं? क्या यह प्रतिद्वंद्वी के मानव संसाधनों को मारने में मिलने वाली खुशी के लिए है? हमारे सैन्य उद्देश्य क्या हैं और हम उन्हें कैसे प्राप्त करते हैं? हम इसे राष्ट्र की इच्छा को तोड़कर हासिल करते हैं और उनकी सेना को हराकर राष्ट्र की इच्छा को तोड़ते हैं। जब आप उन्हें युद्ध के मैदान में हरा देते हैं तो राष्ट्र आपकी शर्तों पर आपके साथ शांति स्थापित करने के लिए तैयार हो जाता है। चाहे वो यूक्रेन हो, रूस हो या कोई युद्ध हो।

जर्मन चांसलर-पीएम मोदी के बीच अहम मुद्दों पर चर्चा

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज के भारत दौरे पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि यह एक बहुपक्षीय दौरा है। इस दौरे का पहला भाग भारत और जर्मनी के बीच सातवा अंतर-सरकारी परामर्श है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चांसलर शोल्ज ने एशिया-पैसिफिक कॉन्फ्रेंस ऑफ जर्मन बिजनेस को संबोधित किया। यह सम्मेलन 12 साल बाद भारत में हो रहा है। अपनी यात्रा के तीसरे भाग में चांसलर गोवा पहुंचेंगे, जहां वह दो जर्मन नौसैनिक जहाजों का दौरा करेंगे। विदेश सचिव ने बताया कि यह चांसलर शोल्ज का तीसरा भारत दौरा है। उन्होंने पांच बार पीएम मोदी से मुलाकात की है। इस दौरे के दौरान दोनों नेताओ की एक सीमित द्विपक्षीय बैठक हुई, जिसमें रूस-यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा की गई। मिस्री ने कहा, पीएम मोदी और चांसलर शोल्ज ने व्यापार और निवेश सहित विभिन्न क्षेत्रो में हुई प्रगति पर संतोष जताया। उन्होंने बताया कि 2023 में हमारा द्विपक्षीय व्यापार 33 अरब डॉलर पहुंच गया। जर्मनी का भारत में कुल निवेश 13 मिलियन डॉलर है। दोनों नेताओं के बीच चर्चा के दौरान आतंकवाद रोधी अभियानों में सहयोग पर भी चर्चा की गई। अरिहा शाह के मामले में विदेश सचिव ने कहा, हम इस मामले को विभिन्न स्तरों पर करीब से देख रहे हैं। हमारे दूतावास ने इस मुद्दे को जर्मन पक्ष के सामने उठाया है। जब विदेश मंत्री जर्मनी में थे, उन्होंने इस मुद्दे को अपने समकक्ष के साथ मजबूती से उठाया था। मैं इसकी पुष्टि कर सकता हूं कि आज की बैठक में भी इस मुद्दे को उठाया गया है। हमने जर्मन पक्ष को इस बात से अवगत कराया है कि एक भारतीय बच्चे का ऐसे माहौल में बड़ा होना स्वाभाविक नहीं है। यह उसका धार्मिक, सांस्कृतिक और भाषाई वातावरण नहीं है। चांसलर ने पीएम को आश्वासन दिया कि वह इस मुद्दे पर करीब से नजर रख रहे हैं। बता दें कि माता-पिता की ओर से शारीरिक शोषण के आरोपों के बाद अरिहा पिछले 36 महीनों से जर्मनी में केयरटेकर की देखभाल में है। अरिहा के माता-पिता भावेश और धारा शाह ठाणे जिले के मीरा भयंदर के निवासी हैं। जो अपनी बेटी को वापस लाने के लिए लड़ रहे हैं। अगस्त में ठाणे के सांसद नरेश म्हास्के ने कहा था कि विदेश मंत्रालय ठाणे जिले की रहने वाली अरिहा की जल्द वापसी के लिए प्रयास कर रहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या पीएम मोदी और जर्मन चांसलर के बीच

बैठक में रूस-यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई, मिस्री ने कहा, चर्चा के दौरान दोनों मुद्दों पर काफी विस्तार से चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ने चांसलर के साथ रूस और यूक्रेन दोनों देशों के नेताओं के साथ हुई बैठकों और भारत द्वारा उठाए जा रहे कदमों के बारे में अपने विचार साझा किए और बताया कि भारत किस तरह शांति के पक्ष में है, तटस्थ नहीं। पश्चिम एशिया की स्थिति पर दोनों पक्षों ने चिंता जताई। विदेश सचिव मिस्री के नेतृत्व में विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को एक संसदीय समिति को बताया कि लगभग 30,000 भारतीय नागरिकों के अभी इस्राइल में होने का अनुमान है। सूत्रों के अनुसार विदेश मामले से संबंधित स्थायी समिति को बताया गया कि पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने से पहले दोनों देशों के बीच हुए एक समझौते के तहत निर्माण क्षेत्र के लगभग 9,000 श्रमिक और 700 कृषि श्रमिक वहां गए हैं।

मुझे बारामती के लोगों पर पूरा भरोसा है: अजित पवार

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 25 अक्टूबर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार अपने भतीजे युगेंद्र पवार के खिलाफ बारामती के पारिवारिक मैदान पर चुनाव लड़ेंगे। इसे लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें इस निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं पर पूरा भरोसा है, जिन्होंने हमेशा उनका समर्थन किया है। बता दें कि शरद पवार के नेतृत्व वाली प्रतिद्वंद्वी एनसीपी (एसपी) ने गुरुवार को अजित पवार के छोटे भाई श्रीनिवास पवार के बेटे युगेंद्र पवार को बारामती विधानसभा से उम्मीदवार बनाने की घोषणा की, जिससे इस सीट पर हाई-प्रोफाइल मुकाबले की स्थिति बन गई। इंदापुर में एनसीपी के स्थानीय उम्मीदवार दत्तात्रेय भारने का नामांकन दाखिल कराने पहुंचे अजित पवार ने उनके भतीजे को उनके खिलाफ खड़ा किए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि चुनावी राजनीति में इस तरह की लड़ाईयां आम बात हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, कोई भी नामांकन दाखिल कर सकता है। बारामती के लोग समझदार हैं और मुझे उन पर भरोसा है। अजित पवार ने आगे कहा कि, 23 नवंबर (मतगणना के दिन) तक तस्वीर साफ हो जाएगी। पिछले सात-आठ चुनावों से बारामती के लोगों ने लगातार मेरा समर्थन किया है, पहले सांसद के तौर पर और बाद में विधायक के तौर पर, मैंने एक जनप्रतिनिधि के तौर पर अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन किया है। इस दौरान क्षेत्र में किए

गए अपने विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने लोगों से बारामती से अन्य निर्वाचन क्षेत्रों की तुलना करने को कहा। अजित ने कहा, जो भी संभव था, मैंने किया है। जब भी मैं चुनाव में खड़ा हुआ, बारामती के लोगों ने मेरा समर्थन किया। पिछले चुनाव में मैं 1.65 लाख वोटों के रिकॉर्ड अंतर से जीता था। मुझे बारामती के लोगों पर भरोसा है और उन्हें मुझ पर भरोसा है। यह मेरा घर, परिवार है। मैं 28 अक्तूबर को अपना नामांकन पत्र दाखिल करूंगा। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति सहयोगी अभी भी 288 विधानसभा सीटों में से 11 के बंटवारे पर चर्चा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अल्पसंख्यक समुदायों के उम्मीदवारों के लिए आवंटित सीटों का दस प्रतिशत निर्धारित करेगी। अजित पवार ने कहा, मैंने पहले ही कुछ नामों की घोषणा कर दी है। 11 सीटों के लिए चर्चा चल रही है। हम सभी को खुश नहीं कर सकते। बता दें कि एक दिन पहले ही अजित पवार ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा करने के लिए दिल्ली का दौरा किया था। राज्य में भाजपा ने अब तक 99 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की है, जबकि राकांपा ने कुल 45 उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए दो सूचियां जारी की हैं। वहीं शिवसेना ने भी 45 उम्मीदवारों की घोषणा की है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होंगे और 23 नवंबर को इस चुनाव के नतीजे आएंगे।

भाजपा में अंतर्कलह के कारण कई नेता असंतुष्ट: गौरव गोगोई

दिसपुर, 25 अक्टूबर। असम में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई का एक बड़ा दावा सामने आया है। जिसमें उन्होंने कहा कि एक तरफ लोग कांग्रेस उम्मीदवारों के नाम देखकर खुश हैं तो दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी के अंदर ही मतभेद देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि खुद भाजपा के लोग अपने नेतृत्व से नाराज हैं और कांग्रेस में शामिल होना चाहते है। कांग्रेस नेता गोगोई ने कहा कि कई लोग अब भाजपा नेतृत्व से नाराज हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने भाजपा में शामिल होने के बाद कई सालों से काम कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं की अनदेखी की है और यही वजह है कि अब कई लोग भाजपा छोड़कर हमारी पार्टी में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अब भाजपा के लोग ही अपने नेतृत्व से नाराज हैं। बता दें कि असम की पांच विधानसभा सीट बेहाली, बोंगाईगांव, सिदली, धोलाई और समागुरी के लिए उपचुनाव 13 नवंबर को होने है। असम के पूर्व मंत्री और लोकसभा सांसद रकीबुल हुसैन के बेटे तंजील हुसैन समागुरी सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेंगे। वहीं ध्रुबज्योति पुरकायस्थ धोलाई सीट से चुनाव लड़ेंगे। इसके अलावा, कांग्रेस ने सिदली सीट से संजीव वारले और बोंगाईगांव सीट से ब्रजेंजीत सिन्हा को मैदान में उतारा है। पार्टी ने असम की बेहाली सीट से पूर्व भाजपा नेता जयंत बोरा को मैदान में उतारा है। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली असम सरकार की सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) ने सोमवार को लोकसभा सांसद फणी भूषण चौधरी की पत्नी दीप्तिमोई चौधरी को असम उपचुनाव के लिए बोंगाईगांव सीट से पार्टी उम्मीदवार बनाया। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के एक वर्ग के विरोध के बावजूद, एजीपी ने इस सीट के लिए दीप्तिमयी चौधरी को पार्टी उम्मीदवार बनाया है। इसके साथ ही बेहाली में भाजपा ने दिगंत घाटोवार को अपना पार्टी उम्मीदवार बनाया है, जबकि डिप्लू रंजन सरमा समागुरी से और निहार रंजन दास धोलाई से चुनाव लड़ेंगे। वहीं भाजपा की एक अन्य सहयोगी यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल ने सिदली सीट पर उपचुनाव के लिए निर्मल कुमार ब्रह्मा को पार्टी उम्मीदवार बनाया है। जहां भारतीय जनता पार्टी ने बेहाली, धोलाई और समागुरी सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं।

लालू और उनके परिजनों को उपलब्ध कराई गई आरोपपत्र की प्रतियां

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को दिल्ली की एक अदालत को बताया कि उसने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों को उनके खिलाफ दर्ज नौकरी के बदले जमीन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपने पूरक आरोप पत्र की प्रतियां उपलब्ध कराई हैं। लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और बेटियों मीसा भारती और हेमा यादव की ओर से अदालत में पेश वकील ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने को बताया कि उन्हें अतिरिक्त शिकायत की सॉफ्ट कॉपी (जो कि ईडी के आरोपपत्र के समान है) प्राप्त हुई है। न्यायाधीश ने आरोपियों को निर्देश दिया कि अगर जरूरी हो तो वे पेन ड्राइव में मौजूद दस्तावेजों की जांच करें। अदालतों की फाइलों से मूल दस्तावेजों की भी जांच करें। उन्हें अदालत को सुनवाई की अगली तारीख 16 नवंबर तक इसकी सूचना देने का आदेश दिया गया। न्यायाधीश ने सात अक्तूबर को लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और अन्य को इस मामले में जमानत दी थी। आरोपियों को एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर राहत दी गई थी। आरोपी उन समन पर अदालत में हाजिर हुए थे, जो पहले अदालत की ओर से जारी किए गए थे। न्यायाधीश ने आरोपियों के खिलाफ अतिरिक्त आरोपपत्र स्वीकार करने के बाद समन जारी किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने छह अगस्त को अदालत में अंतिम रिपोर्ट पेश की थी। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की गई प्राथमिकी के आधार पर दर्ज किया गया था। यह मामला 2004 से 2009 के बीच लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री के रूप में कार्यकाल के दौरान मध्य प्रदेश के जबलपुर में पश्चिम-मध्य रेलवे के ग्रुप-डी पदों की नियुक्तियों से संबंधित है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा-शांति कायम करने की उनकी नीतियां फेल: राहुल गांधी

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर एनडीए सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि एनडीए सरकार की नीतियां सुरक्षा और शांति कायम करने में पूरी तरह फेल हैं। सरकार की इस पर जवाबदेही तय करनी चाहिए। इसके साथ ही सेना के जवानों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। एक्स पर पोस्ट में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में सेना के वाहन पर कायरतापूर्ण हमले में हमारे बहादुर सैनिकों की शहादत की खबर बेहद दुखद है। हमले में दो पोर्टर की भी जान चली गई। मैं शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की नीतियां जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और शांति स्थापित करने में पूरी तरह से फेल रही हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वास्तविकता यह है कि

राज्य लगातार आतंकवादी गतिविधियों और हमारे सैनिकों पर हमलों और नागरिकों की हत्याओं के कारण खतरे में है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसकी तुरंत जवाबदेही लेनी चाहिए और घाटी में जल्द से जल्द शांति बहाल करनी चाहिए। इसके साथ ही सेना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी आतंकी हमले में जान-माल के नुकसान पर कहा कि आतंकी कृत्यों के लिए जितनी भी निंदा की जाए वह पर्याप्त नहीं है। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में आतंकी हमले में दो जवानों की शहादत की खबर बेहद दुखद है। हमले में दो पोर्टरों की भी जान चली गई है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज में हिंसा और आतंकवाद अस्वीकार्य है। उत्तरी कश्मीर में उड़ी सेक्टर के अंतर्गत गुलमर्ग में गुरुवार को आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला कर दिया था। सेना के दो जवान बलिदान हो गए थे। जबकि दो पोर्टर भी मारे गए थे। तीन अन्य जवान घायल हुए थे। हमले के बाद पूरे इलाके को घेरकर सुरक्षा बलों ने दहशतगर्दों की तलाश शुरू कर दी गई।

आदित्य ठाकरे के खिलाफ मिलिंद देवड़ा लड़ेंगे चुनाव

कौमी संवाददाता

मुंबई, 25 अक्टूबर। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने वर्ली विधानसभा सीट से मिलिंद देवड़ा को टिकट दिया है। अब मिलिंद देवड़ा का वर्ली सीट पर शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे से मुकाबला होगा। मिलिंद देवड़ा वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं और दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट से दो बार सांसद रह चुके हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान मिलिंद देवड़ा को ही वर्ली की कमान दी गई थी। वर्ली सीट शिवसेना यूबीटी के प्रभाव वाली मानी जाती है और इसके बावजूद वर्ली से शिवसेना यूबीटी को महज 6500 वोट की ही बढ़त हासिल हुई थी। शिवसेना एकनाथ शिंदे से टिकट मिलने के बाद मिलिंद देवड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का मानना है कि वर्ली और वर्लीकरों के लिए न्याय में बहुत देर हो चुकी है। हम साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे और जल्द ही अपना दृष्टिकोण साझा करेंगे। मिलिंद देवड़ा ने जनवरी में ही कांग्रेस छोड़कर एकनाथ शिंदे की शिवसेना का दामन थामा था। मिलिंद देवड़ा को राजनीति विरासत में मिली है और उनके पिता मुरली देवड़ा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे और कांग्रेस सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे। वह दो बार लोकसभा सांसद रह चुके है और अभी राज्यसभा सदस्य हैं। जून में उन्होंने शिवसेना सांसद के तौर पर संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर पहला भाषण दिया। उन्होंने राज्यसभा में कहा था कि मुझे पिता ने पार्टी के प्रति वफादारी से पहले देश के प्रति वफादारी सिखाया है। वर्ली सीट से राज ठाकरे के नेतृत्व वाली मनसे ने संदीप देशपांडे को टिकट दिया है। शिवसेना ने मिलिंद देवड़ा के नाम पर मुहर लगाई है अब वर्ली सीट पर मुकाबला रोचक हो गया। आदित्य ठाकरे ने गुरुवार वर्ली सीट से नामांकन भर दिया। इस दौरान उन्होंने रोड शो कर अपनी ताकत दिखाई। आदित्य ठाकरे ने इस दौरान कहा कि मुझे विश्वास है कि जनता मुझे अपना आशीर्वाद जरूर देगी क्योंकि इस बार महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी की सरकार बनने जा रही है। शिवसेना यूबीटी के नेता अरविंद सावंत ने भी विश्वास जताया कि वर्ली सीट पर जनता आदित्य ठाकरे को ही चुनेगी।

महा विकास अघाड़ी पर बरसे सपा नेता अबू आजमी

मुंबई, 25 अक्टूबर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव को लेकर विपक्षी गठबंधन इंडिया की प्रमुख दलों के बीच खींचतान अब साफ दिखने लगी है। दरअसल विपक्षी गठबंधन इंडिया की प्रमुख दल समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी का दावा है कि, उनकी पार्टी ने जो 5 उम्मीदवार घोषित किए हैं, वे जीतने वाले हैं। उन्होंने आगे कहा कि, मैं उतना इंतजार नहीं कर सकता जितना ये (महा विकास अघाड़ी) लोग कर रहे हैं। सिर्फ 2 दिन बचे हैं। इस मौके पर अबू आजमी ने कहा कि, दुख की बात है कि जो लोग सरकार बनाने की बात कर रहे हैं, वे टिकट नहीं बांट रहे हैं। इतना विलंब करना महा विकास अघाड़ी की बहुत बड़ी भूल है। मैंने पवार साहब (शरद पवार) से अपना दुख व्यक्त किया। मैंने उनसे कहा कि मैंने 5 उम्मीदवार घोषित किए हैं। अगर आप मुझे जवाब दे दें तो ठीक है, नहीं तो मेरे पास 25 उम्मीदवार तैयार हैं। मैं डरा हुआ हूं क्योंकि कांग्रेस ने मुझे दो बार धोखा दिया है। उन्होंने मुझे कल तक इंतजार करने को कहा, कांग्रेस इसलिए हारती है क्योंकि वे दिल्ली जाते रहते हैं और यहां फैसले नहीं लेते। वहीं महा विकास अघाड़ी के साथ सीट बंटवारे पर समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी ने कहा, मैं ज्यादा सीटें मांग रहा हूं, लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ है। (शरद) पवार साहब ने कहा कि कांग्रेस के लोग दिल्ली भागते रहते हैं और कल तक वे मुझे अंतिम जवाब देंगे।

योगी, राहुल, अखिलेश, उपचुनाव में सबकी इज्जत दांव पर

तेजिन्दर कौर बब्बर

लखनऊ, 25 अक्टूबर। ज्यादातर मामलों में उपचुनाव बहुत कम ही गंभीरता से लिए जाते हैं। यह सत्ताधारी पार्टी का एकतरफा खेल माना जाता है। लेकिन यूपी उप चुनाव को लेकर इस बार राजनीतिक दलों में जो सक्रियता दिखाई दे रही है, उसे देखकर लगता है कि यह उप चुनाव अपने आप में विशेष है। इस उपचुनाव में योगी आदित्यनाथ, राहुल गांधी, अखिलेश यादव और मायावती सबकी प्रतिष्ठा दांव पर है। 2027 का यूपी विधानसभा चुनाव अभी दूर है, लेकिन अभी से इस उपचुनाव को विधानसभा के सेमीफाइनल की तरह देखा जा रहा है। यही कारण है कि इसे जीतने के लिए सबने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा की यूपी में सीटें कम हो गई, लेकिन इसका ठीकरा योगी आदित्यनाथ के सिर नहीं फोड़ा जा सका। इसका सीधा कारण था कि उपचुनाव में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने पूरी तरह अपने हिसाब से कैंडिडेट उतारे। अपने हिसाब से रणनीति बनाई। ऐसे में परिणाम की जिम्मेदारी भी केंद्रीय नेतृत्व पर आई। लेकिन इस उपचुनाव में पूरा दारोमदार योगी आदित्यनाथ के हाथों में है। उम्मीदवारों के चयन से लेकर चुनाव प्रचार की आक्रामक रणनीति हर जगह पूरी तरह उनकी चल रही

है। ऐसे में उपचुनाव में जीत से इतर वे कुछ भी स्वीकार नहीं कर सकते। इस उपचुनाव के परिणाम को सीधे योगी आदित्यनाथ की यूपी और प्रदेश भाजपा संगठन पर पकड़ के तौर पर देखा जाएगा। 2027 के विधानसभा चुनाव के पहले वे इस उपचुनाव में मजबूत दावेदारी पेश करना चाहेंगे। लोकसभा चुनाव 2024 में सपा-कांग्रेस गठबंधन को बड़ी जीत मिली। लेकिन इस जीत का नायक कौन था, इसको लेकर कांग्रेस-सपा दोनों में मतभेद है। कांग्रेस को लगता है कि यह विजय राहुल गांधी के द्वारा संविधान और आरक्षण का मुद्दा पुरजोर तरीके से उठाए जाने के कारण मिली, वहीं सपा का कहना है कि अखिलेश यादव ने पीडीए का मुद्दा जिस तरह पुरजोर तरीके से उठाया, उसके कारण गठबंधन को जीत मिली। उपचुनाव में सीटों पर जिस तरह की लड़ाई दोनों दलों में देखने को मिली, उसकी जड़ में यह भ्रम ही है। सपा जीत में अपनी भूमिका ज्यादा महत्त्वपूर्ण देखते हुए ज्यादा सीटों पर लड़ना चाहती थी, जबकि कांग्रेस अपने लिए ज्यादा सीटों पर दावेदारी ठोंक रही थी। अब कांग्रेस ने सपा के लिए मैदान खुला छोड़ दिया है। अब यदि इस उपचुनाव में सपा ज्यादा सीटें जीतने में सफल हो जाती है तो अखिलेश यादव इसे अपने पीडीए फॉर्मूले की जीत बता सकेंगे। लेकिन यदि सपा सफल नहीं होती है तो कांग्रेस यह बताने से नहीं चूकेगी कि लोकसभा चुनाव की सफलता राहुल गांधी की जीत थी। कांग्रेस बता सकेगी कि राहुल गांधी के कारण दलित-मुसलमान समाजवादी पार्टी के साथ खड़ा हुआ, जबकि उपचुनाव में ऐसा नहीं होने के कारण सपा की हार हुई। यानी 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में किसकी दावेदारी कितनी मजबूत होने वाली है, यह बहुत कुछ इस उप चुनाव से तय होने वाला है। पिछले कुछ चुनावों में बहुजन समाज पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। 2014, 2019 और 2014 के लोकसभा चुनावों और 2012, 2017 और 2022 के यूपी विधानसभा चुनावों में पार्टी बहुत कुछ नहीं कर पाई है। गैर जाटव वोट बैंक उससे पहले ही छिटक रहा था, अब उसका कोर जाटव वोट बैंक भी खिसकता दिख रहा है। भाजपा के खिलाफ लड़ने के मामले में मुसलमानों के मन में मायावती की प्रतिबद्धता को लेकर संदेह पैदा हुआ है। उन्हें इसका भी नुकसान हुआ है। अब इस उपचुनाव में वे अपने लिए कुछ बेहतर कर यह दिखाने की कोशिश कर सकती हैं कि उनकी धार अभी कमजोर नहीं हुई है।

दक्षिण पश्चिम यमन में स्कूल पर हूती समूह के ड्रोन हमले में चार छात्र घायल

एजेंसी

अदन। यमन के दक्षिण-पश्चिमी शहर ताइज़ में एक स्कूल पर हूती समूह ने ड्रोन हमला किया, जिसमें चार छात्र घायल हो गए। यहां के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, ड्रोन हमले में ताइज़ शहर के पश्चिमी बाहरी इलाके में अल-हिनायाह स्कूल को निशाना बनाया गया, जिसमें चार छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए। इस बीच सरकारी समाचार एजेंसी सबा ने बताया कि सरकारी बलों ने ताइज़ में सरकार-नियंत्रित क्षेत्रों में हूती घुसपैठ के दो प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। हूती समूह ने इन घटनाओं को लेकर कोई बयान जारी नहीं किया है। गौरतलब है कि यमन 2014 के अंत से एक विनाशकारी गृहयुद्ध में उलझा हुआ है, जिसमें हूती विद्रोही यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं।

रूस-यूक्रेन कैदी अदला-बदली में सहायता कर रहा है बेलारूसः लुकाशेंको

एजेंसी

कज़ान। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने कहा है कि उनका देश रूस और यूक्रेन के बीच कैदियों की अदला-बदली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। श्री लुकाशेंको ने रूसी शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर एक साक्षात्कार में कहा, वे अक्सर कहते हैं कि अमीरात आदान-प्रदान में योगदान दे रहा है। ये सभी आदान-प्रदान मेरे माध्यम से होते हैं, बंदी, युद्ध के कैदी की अदला बदली यह सब बेलारूस में होता है राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें खुशी है कि मिन्स्क ने मॉस्को और कीव दोनों का विश्वास जीत लिया है, जिससे अदला-बदली के लिए अनुकूल माहौल तैयार हो गया है। गौरतलब है कि संयुक्त अरब अमीरात की मध्यस्थता में हुए एक समझौते के तहत 18 अक्टूबर को रूस और यूक्रेन ने कैदियों का आदान-प्रदान किया। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 95 रूसी सैनिकों को यूक्रेन-नियंत्रित क्षेत्रों से घर लाया गया है।

इजरायली सेना ने लेबनान में 20 आतंकवादियों को मार गिराया

यरूशलम। इजराइल ने पिछले 24 घंटों में लेबनान में लगभग 20 आतंकवादियों को मार गिराया है और लेबनानी आंदोलन हिजबुल्लाह के 160 से अधिक ठिकानों पर हमला किया है। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने यह जानकारी दी। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर कहा, ÷पिछले दिन सैनिकों ने दर्जनों आतंकवादियों को मार गिराया और आईडीएफ ने पूरे लेबनान में आतंकवादी बुनियादी ढांचों सहित 160 से अधिक हिजबुल्लाह आतंकी ठिकानों पर हमला किया जिसमें लगभग 20 आतंकवादी मारे गए ।'इज़रायली सेना ने कथित तौर पर एंटी-टैंक मिसाइलों, मोर्टार गोले, रॉकेट लॉन्चर और विस्फोटकों वाले हथियार डिपो पर भी हमला किया।

लेबनान में इजरायली हवाई हमला, बहुमंजिला आवासीय ब्लॉक क्षतिग्रस्त

बेरूत। लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी उपनगर ज्नाह में एक बहुमंजिला आवासीय ब्लॉक इजरायली हवाई हमले में पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। एक चश्मदीद ने बताया कि इजरायल ने ज्नाह के एक आवासीय ब्लॉक में एक आवास को निशाना बनाया। इस हमले से पूरा फ्लोर क्षतिग्रस्त हो गया। हमले में किसी के हताहत होने के बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं मिली है। लेबनानी मीडिया ने बताया कि एक इजरायली जेट ने संभवतः इस्लामिक रेजिस्टेंस के कमांडर के ठिकाने पर हमला किया। गौरतलब है कि एक अक्टूबर से, इजरायल दक्षिणी लेबनान में हिज़्बुल्लाह बलों के खिलाफ जमीनी कार्रवाई कर रहा है और हवाई हमले भी जारी रखे हुए है। नुकसान के बावजूद, हिजबुल्लाह जमीन पर इजरायली सैनिकों से लड़ रहा है और सीमा पार से रॉकेट दाग रहा है। इजरायल का कहना है कि उसका मुख्य उद्देश्य उत्तर में गोलाबारी से भागे करीब 60 हजार निवासियों की वापसी के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनाना है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी अदियाला जेल से रिहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) से पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को आज रिहा कर दिया गया। वह लगभग नौ माह बाद जेल की सलाखों से बाहर आईं। पाकिस्तान के समाचार पत्र डॉन की खबर के अनुसार, तोशाखाना केस में इस्लामाबाद हाई कोर्ट के जमानत मंजूर करने के एक दिन बाद उन्हें आज अदियाला जेल से रिहा किया गया। इस्लामाबाद जवाबदेही अदालत ने इसी साल 31 जनवरी को इमरान खान और बुशरा बीबी को तोशाखाना केस में 14 साल जेल की सजा सुनाई थी। इसके तत्काल बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया था। संघीय जांच एजेंसी ने दंपति पर एक विदेशी नेता के उपहार में दिए गए महंगे आभूषण सेट (एक हार, झुमके, कंगन और अंगूठियां) को कम कीमत पर अपने पास रखने का आरोप लगाया था।

नेपाल को आपदा प्रबंधन के लिए विश्व बैंक देगा 150 मिलियन डॉलर का सहयोग

एजेंसी

काठमांडू। सितंबर के अंतिम सप्ताह में नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से हुए भारी तबाही से उबरने के लिए विश्व बैंक ने नेपाल को 150 मिलियन डॉलर का आर्थिक सहयोग देने के एक समझौते पर हस्ताक्षर किये हैं। इससे नेपाल में प्राकृतिक आपदा से बर्बाद भौतिक संरचना के पुनर्निर्माण में खर्च किया जाएगा। विश्व बैंक और अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष के वार्षिक अंतराष्ट्रीय बैठक में शामिल होने के लिए अमेरिका पहुंचे नेपाल के वित्त मंत्री विष्णु पौडेल की उपस्थिति में नेपाल के वित्त सचिव डॉ. राम प्रसाद घिमिरे और विश्व बैंक के दक्षिण एशिया कंट्री डायरेक्टर डेविड सीसलॉन ने बुधवार की शाम एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि विश्व बैंक की ओर से नेपाल को सहूलियत ऋण के रूप में 150

मिलियन डॉलर की सहायता दी जाएगी। बयान के मुताबिक यह सहायता नेपाल के हाल ही में आए प्राकृतिक आपदा से तबाह हुए भौतिक संरचना के पुनर्निर्माण के साथ ही प्रभावित लोगों के पुनर्वास में खर्च किया जाएगा। विश्व बैंक, अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष और एशियाई विकास बैंक के अधिकारियों से मुलाकात के दौरान नेपाल के वित्त मंत्री पौडेल ने देश की शिक्षा, रोजगार, यातायात, ऊर्जा सहित भौतिक संरचना एवं सामाजिक क्षेत्र के विकास के लिए दिए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए आने वाले दिनों में इस सहयोग की निरंतरता के लिए आग्रह भी किया।

सदर्न ऑस्ट्रेलिया में एक किशोर पर चाक़ू से हमला करने के आरोप में तीन किशोर गिरफ्तार

कैनबरा। सदर्न ऑस्ट्रेलिया (एसए) के एक शॉपिंग सेंटर में एक किशोर को चाकू मारने के आरोप में तीन किशोरों को गिरफ्तार किया गया है। एसए पुलिस ने कहा कि 17, 16 और 14 साल की उम्र के तीन किशोरों को बुधवार को एक शॉपिंग सेंटर में एक किशोर पर हुए हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को राज्य की राजधानी एडिलेड के उत्तरी उपनगरीय इलाके में स्थित शॉपिंग सेंटर में बुधवार को लगभग 2ः30 फूड कोर्ट में युवाओं के एक समूह के बीच झड़प की रिपोर्ट मिली। झड़प की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पहुंच कर पुलिस ने पाया कि एक 18 वर्षीय किशोर पर चाकू से हमला किया गया था। गंभीर चोटों के कारण उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। स्थानीय समाचार पत्र द एडवरटाइजर ने बताया कि किशोर पर से कम तीन बार चाकू से हमला किया गया था, लेकिन आपातकालीन सर्जरी के बाद उसकी हालत में सुधार हो रहा है।

एसए पुलिस ने एक बयान में कहा कि तीन कथित हमलावरों को हिरासत में ले लिया गया। तीनों को जमानत देने से इनकार कर दिया गया

और उन्हें एडिलेड यूथ कोर्ट के सामने पेश किया जायेगा।एसए में आपराधिक जिम्मेदारी की उम्र 10 वर्ष है।

एसए यूथ कोर्ट 18 वर्ष से कम उम्र के अपराधियों को दोषी पाए जाने पर अधिकतम तीन साल की कैद की सजा देता है।एसए पुलिस ने बताया कि जांच अधिकारी घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा करेंगे।

भारत पर झूठा आरोप मढ़कर मुसीबत में फंसे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो, पार्टी सांसदों ने मांगा इस्तीफा

एजेंसी

ओटावा। भारत पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का झूठा आरोप मढ़कर विवादों में घिरे कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को अब अपनी ही पार्टी 'लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा' के सांसदों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार को पार्टी सांसदों की बंद कमरे में हुई बैठक में जस्टिन ट्रूडो के लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा नेता के रूप में इस्तीफे की मांग उठी। इस बैठक में ट्रूडो भी मौजूद रहे।कनाडा के अंग्रेजी समाचार पत्र नेशनल पोस्ट की खबर के अनुसार, बैठक शुरू होते ही सभी के बीच एक पत्र बांटा गया। इसमें जस्टिन ट्रूडो से शीघ्र पद छोड़ने और नए नेतृत्व की प्रक्रिया शुरू करने का आह्वान किया गया। इसकी दो सांसदों ने पुष्टि भी की। हालांकि बैठक में ट्रूडो की उपलब्धियों की प्रशंसा भी कई। मगर कहा गया कि यह मांग मजबूरी में की गई है। वह पद छोड़ने के आह्वान पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दें। इस पत्र पर हस्ताक्षर नहीं करने वाले एक सांसद ने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनमें ऐसा करने की हिम्मत है। वे मजबूत इरादे वाले हैं। अखबार ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि ट्रूडो बैठक के दौरान कम ही बोले। बैठक के बाद कमरे से बाहर निकलते ही

उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी मजबूत और एकजुट है। बैठक से बाहर आए कई सांसदों ने कहा कि रचनात्मक चर्चा की गई। वह इस बारे में अधिक विवरण साझा नहीं करेंगे। नेशनल पोस्ट की खबर के अनुसार, न्यू ब्रंसविक सांसद वेन लॉन्ग ने खुलेतौर पर प्रधानमंत्री से इस्तीफा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बैठक में अच्छी चर्चा हुई। उन्होंने कहा, 'मैंने नौ वर्षों में ट्रूडो की पार्टी संसदों के बीच ईमानदार, स्पष्ट और सीधी मुलाकात नहीं देखी है। लॉन्ग ने कहा कि बैठक का विवरण इससे ज्यादा साझा करना उनके लिए मुश्किल है। वह गोपनीयता का सम्मान करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री ट्रूडो बैठक में उठी मांग पर विचार करेंगे। लॉन्ग ने कहा कि कनाडा की भलाई के लिए प्रधानमंत्री ट्रूडो को जाना ही होगा। यह बैठक पार्लियामेंट हिल पर हुई। परंपरा है कि यहां पर होने वाली बैठकों का विवरण सार्वजनिक रूप से साझा नहीं किया जाता।

तुर्की वायु सेना ने सीरिया और इराक में पीकेके के 32 ठिकानों को नष्ट किया

एजेंसी

इस्तांबुल। तुर्की की वायु सेना ने उत्तरी सीरिया और इराक में कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के कम से कम 32 'आतंकवादी' ठिकानों को नष्ट कर दिया। टीआरटी हैबर प्रसारक ने तुर्की रक्षा मंत्रालय के हवाले से यह रिपोर्ट दी। तुर्की की राजधानी अंकारा में कल सरकारी विमान निर्माता कंपनी तुर्किश एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (यूएसएएस) के कारखाने पर बम से हमला किया गया, जिसमें कई लोग हताहत हुए हैं। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने कहा कि हमले में चार लोग मारे गये हैं।

तुर्की के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने कुछ घंटों बाद बताया कि मृतकों की संख्या को संशोधित कर पांच कर दिया गया है, जबकि 22 अन्य घायल हैं।तुर्की के अधिकारियों का मानना है कि आतंकवादी हमला संभवतः पीकेके सदस्यों द्वारा किया गया था। प्रसारक की रिपोर्ट में कहा गया है कि वायु सेना की कार्रवाई में बड़ी संख्या में पीकेके आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया। गौरतलब है कि पीकेके और तुर्की के बीच

सशस्त्र संघर्ष 1984 में शुरू हुआ और 2015 में फिर से भड़क गया। तुर्की क्षेत्र सहित एक स्वतंत्र कुर्द राज्य के निर्माण की मांग करने वाले इस संगठन ने उत्तरी सीरिया और इराक में अपने अड्डे स्थापित किए हैं, जहां तुर्की सेना जमीनी और हवाई हमलों से उन पर निशाना साध रही है।

नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की पुलिस कस्टडी 7 दिन बढ़ाई गई

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री रवि लामिछाने की पुलिस कस्टडी 7 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है। कास्की जिला अदालत ने रवि लामिछाने की पुलिस कस्टडी बढ़ाने का आदेश दिया है।

सहकारी घोटाला में गिरफ्तार रवि लामिछाने की पुलिस कस्टडी दूसरी बार बढ़ाई गई है। रवि लामिछाने को पिछले हफ्ते काठमांडू के पार्टी मुख्यालय से गिरफ्तार करके पोखरा ले जाया गया, जहां सूर्यदर्शन सहकारी बैंक घोटाले में उनके खिलाफ मुकदमा चल रहा है। रवि लामिछाने को पिछले रविवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से मिली 6 दिनों की पुलिस कस्टडी मिली थी। आज कस्टडी समाप्त होने पर पुलिस ने कास्की जिला अदालत में पेश करके हिरासत मांगी। कास्की जिला अदालत के न्यायाधीश चंद्रकांत पौडेल ने रवि लामिछाने की कस्टडी सात दिन बढ़ाने का आदेश दिया। कोर्ट ने रवि लामिछाने को चेतावनी दी है कि यदि उनकी पार्टी ने अदालत के बाहर प्रदर्शन करना बंद नहीं किया तो इसके लिए उन पर अलग से मुकदमा चलाया जा सकता है। जज ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया को अवरोध करना भी एक संगीन जुर्म है। रवि लामिछाने के अलावा उनके व्यापारिक पार्टनर पूर्व डीआईजी छवि लाल जोशी की हिरासत भी 7 दिन के लिए बढ़ा दी गई है। उन्हें रवि की गिरफ्तारी से करीब 1 महीने पहले गिरफ्तार किया गया था।

श्रीलंका में इजराइली नागरिकों पर हमले के खुफिया इनपुट पर तीन संदिग्ध गिरफ्तार

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका में इजराइली नागरिकों पर आतंकी हमले के विदेशी खुफिया इनपुट के आधार पर तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। तीनों से श्रीलंका की जांच एजेंसियां पूछताछ कर रही हैं। इसके बाद श्रीलंका के पूर्वी तट के अरुगाम बे स्थित सर्फिंग रिसॉर्ट और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कोलंबो से छपने वाले डेली मिरर समाचार पत्र के अनुसार, श्रीलंका के सार्वजनिक सुरक्षामंत्री विजिथा हेराथ ने आज संदिग्धों की गिरफ्तारी की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि अरुगम खाड़ी क्षेत्र में इजराइली नागरिकों की सुरक्षा पर

सेंध लगाने के खतरे के संबंध में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने मीडिया ब्रीफिंग में पुष्टि की कि तीनों संदिग्ध श्रीलंकाई नागरिक हैं। तीनों से पूछताछ की जा रही है हेराथ ने कहा कि श्रीलंकाई अधिकारियों को इस महीने की शुरुआत में इजराइली नागरिकों पर संभावित हमले के बारे में विदेशी खुफिया सेवाओं से जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि इस सूचना की पुष्टि के बाद सुरक्षा प्रबंध किए गए। उन्होंने आश्वस्त किया कि पर्यटकों की सुरक्षा के लिए व्यापक सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

इससे पहले श्रीलंका के अखबार डेली न्यूज की खबर में कहा गया था कि अरुगम खाड़ी क्षेत्र में हमले की योजना बनाने के संदेह में आतंकवाद जांच प्रभाग (टीआईडी) ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने सुरक्षा बलों को अरुगम खाड़ी क्षेत्र में इजराइलियों पर संभावित हमले के बारे में सतर्क किया था।

नेपाली नाबालिग लड़की से शादी करने के आरोप में विवाह मंडप से 3 चीनी नागरिक सहित 8 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। एक नाबालिग लड़की से शादी करने और इसमें सहयोग करने के आरोप में पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। सुनसरी जिले के एक मंदिर में शादी के समय ही छापा मार कर पुलिस ने मंडप से ही इन आठों लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में तीन चीनी नागरिक भी हैं। पुलिस ने सुनसरी जिले में एक नाबालिग लड़की की शादी विदेशी नागरिक के साथ होने की सूचना के बाद शादी वाले मंदिर पर छापेमारी कर उस शादी को रुकवा दिया। पुलिस को वहां पता लगा कि एक चीनी नागरिक की नेपाल की नाबालिग लड़की से शादी करवाई जा रही है। पुलिस ने दूल्हा बने चीनी नागरिक के साथ बाराती के रूप में आए दो अन्य चीनी

नागरिकों को भी गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा शादी करने वाली लड़की और उसके पिता सहित वहां मौजूद पांच अन्य लोगों को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर थाने में पूछताछ की थी।

सुनसरी जिले के पुलिस एसपी सुमन तिमल्सिना ने बताया कि जिले के चतरा में रहे औलिया बाबा के मंदिर में छापा मारकर यह शादी रुकवाई गई है। एसपी तिमल्सिना के मुताबिक मंदिर में 33 वर्षीय चीनी नागरिक ली तेंग को नाबालिग लड़की से शादी करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। इस शादी में सहभागी रहे उदयपुर के 43 वर्षीय दीपक दर्जी, 42 वर्षीय बद्री विक्रम राय, स्यांगजा के 20 वर्षीय शीतल गुरुंग, 20 वर्षीया रोशनी माया तमांग को गिरफ्तार किया है। इसी तरह चीनी नागरिक 35 वर्षीय डोंग शिहाओ और वू हेजी को भी गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए गए सभी को जिला अदालत सुनसरी में पेश कर उन्हें पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड में रखा गया है। नेपाल में शादी की उम्र लड़कों के लिए 20 साल और लड़कियों के लिए 18 साल तय है। नाबालिग से शादी करने वाले, कराने वाले और ऐसे शादियों में सहभागी सभी को कानून में दोषी बताया गया है।

बांग्लादेश में गैटको भ्रष्टाचार मामले में पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा और दो अन्य बरी

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) अध्यक्ष खालिदा जिया और दो अन्य लोगों को ढाका की एक अदालत ने आज ग्लोबल एग्रो ट्रेड प्राइवेट कंपनी लिमिटेड (गैटको) भ्रष्टाचार केस में बरी कर दिया। हालांकि, अदालत ने 12 अन्य के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का आदेश पारित किया।

ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, ढाका की विशेष अदालत-3 के न्यायाधीश अबू ताहेर ने सुनवाई के बाद खालिदा व अन्य दो को बरी करने का आदेश पारित किया। खालिदा जिया के साथ बरी किए गए अन्य दो व्यक्तियों में पूर्व मंत्री डॉ. खांडाकेर मोशर्रफ हुसैन

और बीएनपी स्थायी समिति के सदस्य अमीर खसरू महमूद चौधरी शामिल हैं। अदालत ने तीनों को बरी करते हुए 12 अन्य लोगों के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का आदेश दिया। सनद रहे, दो सितंबर, 2007 को गैटको के साथ लेनदेन के दौरान धन के दुरुपयोग के आरोप में खालिदा और उनके छोटे बेटे अराफात रहमान कोको सहित 13 लोगों के खिलाफ तेजगांव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया था। इसके अगले दिन खालिदा जिया और कोको को गिरफ्तार कर लिया गया। 13 मई, 2008 को भ्रष्टाचार विरोधी निकाय ने बीएनपी प्रमुख और 23 अन्य के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। इस मामले में 11 को दोषी ठहराया गया। बाद में खालिदा के छोटे बेटे अराफात रहमान कोको सहित 11 आरोपितों के नाम अलग-अलग तारीखों पर उनकी मौत के बाद आरोप पत्र से हटा दिए गए थे।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में पुलिस ने 10 आतंकवादियों को मार गिराया

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में मियांवाली के मल्ला खेल के पहाड़ी इलाके में पुलिस ने भीषण मुठभेड़ में 10 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। जियो न्यूज की खबर के अनुसार पंजाब पुलिस के प्रवक्ता यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, 10 से 15 आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर मियांवाली के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अख्तर फारूक के नेतृत्व में पुलिस दल मौके पर पहुंचा। आतंकवादियों को घेरने की कोशिश

की। आतंकवादियों ने मोर्चा लेते हुए पुलिस टीम पर गोलियां चलानी शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में 10 आतंकवादियों को मार गिराया जियो न्यूज के अनुसार, साल 2021 में पड़ोसी अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के सत्ता में लौटने के बाद से पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में वृद्धि हुई है। आतंकवादियों ने उत्तर-पश्चिमी सीमावर्ती प्रांत खैबर पख्तूनख्वा और दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान में खूनखराबा शुरू किया है। यह दोनों प्रांत अफगानिस्तान और ईरान से सटे हैं। पाकिस्तान की हुकूमत ने काबुल के अंतरिम शासकों पर अफगान धरती पर शरण लिए हुए आतंकवादियों को उखाड़ फेंकने में विफल रहने का आरोप लगाया है। इस पृष्ठभूमि में इस साल जून में संघीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी अभियान ऑपरेशन आज्म-ए-इस्तेहकम को मंजूरी दी। इसके बाद सुरक्षाबलों और पुलिस ने आतंकवादियों के सफाए के लिए बड़े अभियान शुरू किए।

चिली की राजधानी में स्कूल में विस्फोट, 35 घायल

एजेंसी

सैंटियागो। चिली की राजधानी में एक स्कूल के अंदर विस्फोटक उपकरणों के इस्तेमाल के कारण हुए विस्फोट में कम से कम 35 छात्र घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है।सैन्यीकृत पुलिस के लेफ्टिनेंट कर्नल फर्नांडो अल्बोर्नोज़ ने बताया कि सुबह, बैरोस अराना नेशनल बोर्डिंग स्कूल में छात्रों का एक समूह विरोध प्रदर्शन के लिए विस्फोटक उपकरण तैयार कर रहा था, तभी एक उपकरण में विस्फोट हो गया। उन्होंने कहा कि घायल छात्रों को विभिन्न

अस्पतालों में ले जाया गया, और एक शिक्षक को भी स्वास्थ्य संकट के कारण चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता थी।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

नोएडा प्राधिकरण ने 50 करोड़ की जमीन कराई कब्जा मुक्त

एजेंसी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण का अवैध निर्माण को लेकर अभियान जारी है। प्राधिकरण की सर्किल-6 की टीम ने सलारपुर में करीब 50 करोड़ रुपए की जमीन को कब्जा मुक्त कराया। यहां बाउंड्री वॉल और टीन शेड लगाकर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। कुछ पक्का निर्माण भी कराया गया था। इसे प्राधिकरण के बुलडोजर ने ध्वस्त किया। जमीन प्राधिकरण के मास्टर प्लान-2031 के अनुसार नियोजित है। प्राधिकरण ने बताया कि सलारपुर में खसरा नंबर 595, 596, 597 और 598 में करीब 5 हजार वर्गमीटर जमीन है। इस जमीन के चारों ओर बाउंड्री कराकर अवैध निर्माण किया जा रहा था। यहां प्लॉटिंग कर लोगों को सस्ते प्लॉट बेचने का काम हो रहा था। प्राधिकरण को जानकारी मिलने पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा इसके आसपास भी कई स्थानों पर अवैध निर्माण हो रहा है। वहां अंतिम नोटिस चस्पा किया गया है। अवैध निर्माण हटाने को कहा गया है। यदि अवैध निर्माण को नहीं हटाया जाता है तो कानूनी कार्रवाई के साथ ही निर्माण को भी ध्वस्त कर दिया जाएगा। प्राधिकरण ने जनवरी 2024 से अब तक करीब 1.93 लाख वर्गमीटर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया है। इस जमीन की लागत 1,068 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसके अलावा अभियान निरंतर जारी है। जमीन मास्टर प्लान 2031 के अनुसार नियोजित की गई है। यहां प्लानिंग और परियोजनाएं बनाई जानी हैं।

बस मार्शलों को प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कामों में लगाया जाएगा: आतिशी

नयी दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जिन बस मार्शलों और नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को नौकरी से निकाला था सरकार उन्हें दोबारा बहाल कर रही है और आने वाले चार महीनों में उन्हें प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कामों में लगाया जाएगा। सुश्री आतिशी ने सोशल मीडिया एक्स पर आज कहा, दिल्लीवालों के बेटे केजरीवाल ने एक बार फिर अपना वादा निभाया है, भाजपा ने

जिन बस मार्शलों और सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को नौकरी से निकाला था, दिल्ली सरकार उन्हें दोबारा बहाल कर रही है। आने वाले चार महीनों में उन्हें प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कामों में लगाया जाएगा। सभी बस मार्शलों को बधाई, उनसे यह भी वादा है कि चार महीने के बाद भी उनको स्थायी तौर पर रोज़गार देने का रास्ता निकाला जायेगा। आज अरविंद केजरीवाल ने दिखा दिया कि किसी-न-किसी तरीके से वह दिल्लीवालों के काम करवा कर ही चैन लेते हैं।

मंत्रिमंडल ने दी अमरावती को रेल लिंक, उत्तरी बिहार को सेमीहाईस्पीड कॉरीडोर

नयी दिल्ली। सरकार ने आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती को रेल लिंक से जोड़ने के लिए 57 किलोमीटर की नयी लाइन बिछाने और उत्तर बिहार में नरकटियागंज से दरभंगा तक 257 किलोमीटर लंबी रेल लाइन के दोहरीकरण करने की करीब 6800 करोड़ रुपए लागत वाली दो परियोजनाओं को आज स्वीकृति दे दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में ये फैसले लिए गए। रेल, सूचना प्रौद्योगिकी एवं सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देने के लिए यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आंध्र प्रदेश में अमरावती को रेल लिंक से जोड़ने के लिए 57 किलोमीटर लाइन 2245 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना में कृष्णा नदी पर 3.2 किलोमीटर लंबा पुल और नौ नये स्टेशन बनाये जाएंगे। रेलवे लाइन एरुपलेम से नम्बूरु तक बनायी जाएगी और इससे अमरावती से चेन्नई, हैदराबाद, विशाखापत्तनम और प्रमुख बंदरगाहों तक कनेक्टिविटी स्थापित होगी। आंध्र प्रदेश के 168 गांवों की करीब 12 लाख आबादी इससे लाभान्वित होगी।

मुख्यमंत्री ने सड़कों, पुलों और रज्जुमार्ग परियोजनाओं पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से की चर्चा

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर राज्य में सड़कों, पुलों और रज्जुमार्ग परियोजनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से प्रदेश के लिए उदार वित्तीय सहायता और सहयोग की अपील की। मुख्यमंत्री ने गडकरी को हिमाचल प्रदेश में चार नई सड़क परियोजनाओं के निर्माण का प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए कहा कि हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में सड़कों का मजबूत नेटवर्क आवश्यक है, क्योंकि यह आवागमन का मुख्य साधन है। उन्होंने बताया कि समग्र विकास और पर्यटकों की सुविधा के लिए सड़कों का सुदृढ़ीकरण बहुत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से प्रदेश में सुरंगों के निर्माण की संभावनाओं को तलाशने का भी आग्रह किया।

उमर अब्दुल्ला ने पीएम मोदी से की मुलाकात, इन मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके अलावा, उन्होंने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की। इससे पहले, उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि वह जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में केंद्रीय नेतृत्व को प्रस्ताव सौंप सकते हैं। बीते दिनों उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में हुई कैबिनेट बैठक में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने के संबंध में प्रस्ताव भी पारित किया गया था, जिसे उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंजूरी भी दे दी थी। हाल ही में हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में कुल 90 सीटों में से नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 42 सीटें जीत कर सरकार बनाई है। कांग्रेस बाहर से समर्थन कर रही है। जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा प्रदान करने

वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त करने और जम्मू-कश्मीर से लद्दाख को अलग कर दोनों को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर में चुनाव हुए हैं। बीते दिनों इस चुनाव के कई सियासी मायने निकाले गए थे। लद्दाख को बिना विधानसभा के केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है। इससे पहले जब उमर अब्दुल्ला की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात हुई, तो उन्होंने इसे महज एक शिष्टाचार भेंट बताया था। उन्होंने कहा था कि इस मुलाकात के दौरान हमने घाटी से जुड़े मुद्दों पर बात की। उमर अब्दुल्ला ने केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात की। उन्होंने उमर अब्दुल्ला को जम्मू-कश्मीर में चल रही सड़क विकास परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल जिले के गगनगीर इलाके में हुए आतंकी हमले के बाद मुख्यमंत्री दिल्ली पहुंचे हैं, जहां उनकी मुलाकात कई बड़े शीर्ष नेताओं से हुई है। गांदरबल हमले में एक चिकित्सकीय कर्मचारी समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। जान गंवाने वाले लोगों में कई पेशे से जुड़े लोग शामिल थे। इस हमले के बाद विपक्ष ने घाटी में शांतिपूर्ण माहौल होने के केंद्र सरकार के दावे पर सवाल खड़े किए थे।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना सुप्रीम कोर्ट के अगले मुख्य न्यायाधीश नियुक्त, शपथ 11 नवंबर को

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को उच्चतम न्यायालय का अगला मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है। केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर यह घोषणा की। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, वरिष्ठम न्यायाधीश न्यायमूर्ति खन्ना का मुख्य न्यायाधीश के तौर पर कार्यकाल 11 नवम्बर से शुरू होगा। वह 51 मुख्य न्यायाधीश होंगे। वर्तमान मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर को सेवानिवृत्ति होने वाले हैं। न्यायमूर्ति खन्ना उनके बाद वरिष्ठतम न्यायाधीश हैं। न्यायमूर्ति खन्ना का कार्यकाल छह महीने से थोड़ा अधिक का होगा और वह 13 मई 2025 को सेवानिवृत्त होंगे।

जन्म तिथि का आधिकारिक प्रमाण 'आधार कार्ड' नहीं : सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि 'आधार कार्ड' जन्म तिथि का आधिकारिक प्रमाण नहीं है।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति उज्जल भुयान की पीठ ने सरोज और अन्य की पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ अपील स्वीकार कर ली, जिसमें आधार कार्ड में दर्ज जन्म तिथि के आधार पर सड़क दुर्घटना में मृत्यु के लिए उन्हें दिए जाने वाले मुआवजे को कम कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण द्वारा स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र के आधार पर मृतक की आयु निर्धारित करने और मुआवजा तय करने के आदेश को बरकरार रखा। पीठ ने भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) द्वारा जारी एक परिपत्र का हवाला दिया। इसके साथ ही एक वैधानिक प्रावधान का भी जिक्र दिया, जिसमें स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र को जन्म तिथि का वैध

प्रमाण घोषित किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि यूआईडीएआई ने 2023 में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 20 दिसंबर 2018 को जारी कार्यालय ज्ञापन के संदर्भ में कहा है कि आधार कार्ड का उपयोग पहचान स्थापित करने के लिए किया जा सकता है, लेकिन यह जन्म तिथि का प्रमाण नहीं है। पीठ ने कहा कि शबाना बनाम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (2024) मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने यूआईडीएआई की ओर से दिए गए एक बयान को दर्ज किया कि आधार कार्ड को जन्म तिथि के प्रमाण के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है। पीठ ने यह भी बताया कि स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र को वैधानिक मान्यता दी गई है। इस संबंध में किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 94 की उपधारा (2) का संदर्भ दिया गया। वर्तमान अपील मामले में मृतक के आधार कार्ड पर उसकी जन्मतिथि 1 जनवरी 1969 दर्ज है। अपीलकर्ताओं ने स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र का हवाला दिया, जिसमें उसकी जन्मतिथि 7 अक्टूबर 1970 दर्ज है।

वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता में देश का प्रदर्शन अत्यंत सराहनीय : जयंत चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने कहा है कि 'वर्ल्ड स्किल्स ल्योन 2024' में देश का प्रदर्शन भारत के दुनिया की कौशल राजधानी बनने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री चौधरी ने वर्ल्ड स्किल्स प्रतियोगिता में पदक और उत्कृष्टता पदक विजेताओं को सम्मानित करने के बाद कहा कि इन विजेताओं ने जो जबरदस्त आत्मविश्वास दिखाया है, उससे वे प्रेरणादायी प्रतीक बन गये हैं। ल्योन में चार कांस्य पदक सहित 16 पुरस्कार जीतना हमारे लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि उद्योग एक कुशल कार्यबल की मांग करता है, इसलिये कौशल बेंचमार्किंग के बारे में चर्चायें जोर पकड़ रही हैं। अब देश के पास एक टीम है, जिसने ल्योन में कुछ सबसे कठिन वैश्विक मानकों को पार करते हुये उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि उनकी उपलब्धियां न केवल उनके समर्पण को दर्शाती है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत के कौशल पारिस्थतिकी तंत्र की मजबूती को भी दर्शाती है। ये उपलब्धियां पारंपरिक शिल्प और उभरते उद्योगों में हमारी बढ़ती विशेषज्ञता को रेखांकित करती है और भारत को प्रमुख क्षेत्रों में एक उभरते वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करती है। श्री चौधरी ने पेरिस पैरालंपिक, 2024 के नौ पैरालंपिक विजेताओं को सम्मानित करते हुये कहा, कड़ी मेहनत चुनौतियों पर काबू पाने की कुंजी है। पेरिस 2024 में पैरालंपिक टीम की असाधारण उपलब्धियां, जिन्होंने 29 पदक हासिल करने के लिये महत्वपूर्ण बाधाओं को पार किया, इस भावना को मूर्त रूप देती हैं। उन्होंने कहा, जिस तरह हम वैश्विक मंच पर अपने एथलीटों की सफलता का जश्न मनाते हैं, उसी तरह हमें अपने विश्व कौशल चैंपियनों का भी सम्मान करना चाहिये। उन्हें जश्न मनाने, एक-दूसरे से सीखने और अगली पीढ़ी को प्रेरित करने के लिये एक साथ लाना चाहिये। उन्होंने कहा, ÷ यह आपकी व्यक्तिगत जीत है, जो समर्पण और उत्कृष्टता के माध्यम से हमारे सामूहिक मिशन को आसान बनायेगी, जिससे वैश्विक कौशल मानचित्र पर भारत के निरंतर उदय का मार्ग प्रशस्त होगा।

दलितों को अपमानित करने की कांग्रेस की पुरानी परंपरा-भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने श्रीमती प्रियंका गांधी वाड्रा के नामांकन के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को कमरे के बाहर खड़ा करने की घटना की तीखी आलोचना की है और कहा है कि कांग्रेस पार्टी में पिछड़ों एवं दलितों का अपमान करने की पुरानी परम्परा रही है, जो आज भी जारी है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री गौरव भाटिया ने यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान कांग्रेस और श्री वाड्रा की आलोचना करते हुए दलितों का अपमान, अब नहीं सहेगा हिन्दुस्तान का नारा दिया। उन्होंने केरल में वायनाड संसदीय क्षेत्र के उपचुनाव में श्रीमती वाड्रा के नामांकन के दौरान श्री खरगे को कमरे के बाहर खड़ा करने की घटना की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी में गांधी परिवार के भ्रष्टाचार और वंशवाद की जीत तथा योग्यता की हार होती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में पिछड़ों एवं दलितों का अपमान करने की पुरानी परम्परा रही है, जो आज भी जारी है। उन्होंने

कहा कि देश की जनता की ओर से भाजपा श्रीमती सोनिया गांधी, श्री राहुल गांधी और श्रीमती वाड्रा से कुछ सवाल करना चाहती है और उम्मीद करती है कि वे इन सवालों का जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि क्या यह मोहब्बत की दुकान है, या दलाली की दुकान , श्री राबर्ट वाड्रा की अवैध संपत्ति कहां से आयी है , लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी किसी कंपनी पर आरोप लगाते हैं और उनके परिवार के लोग उसी कंपनी में शेयर के माध्यम से निवेश करते हैं। यह कैसा विरोधाभास है और दोहरा चरित्र है , यह श्री गांधी की कैसी राजनीतिक शुचिता है , उनके बातों की प्रमाणिकता पर ही सवाल उठता है कि देश की जनता राहुल गांधी के बातों पर कैसे विश्वास करे, एसयूवी और फार्म हाउस वाले क्या जाने गरीबों और पिछड़ों की जिंदगी कैसी होती है ,ये लोग पिछड़ों-दलितों को आगे बढ़ाने के लिए क्या काम करेंगे , यह कैसा भ्रष्टाचारी परिवार है कि देश में आपदा आने पर विदेश घुमने चले जाते हैं , राहुल गांधी वायनाड से सांसद अर्थात जनप्रतिनिधि रहे हैं किन्तु वहां जब आपदा आयी तो एक रुपए भी नहीं दिया। श्री भाटिया ने कहा कि वायनाड लोकसभा उपचुनाव में नामांकन करते समय कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका वाड्रा ने संपत्ति एवं आय को लेकर शपथपत्र दिया है, जिसे देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि मोहब्बत की दुकान नहीं है बल्कि दलाली की दुकान है। उन्होंने कहा, देश की जनता नकली गांधी परिवार यानी भ्रष्टाचारी नंबर वन परिवार से कुछ सवाल पूछ रही है। नकली गांधी परिवार और उनके जीजा जी भ्रष्टाचार करते आए हैं।

छठ-दीपावली के मौके पर चलायी जाएंगी सात हजार विशेष ट्रेनें: वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने छठ और दीपावली के पर्व पर यात्रियों की भीड़ से निपटने के लिए सात हजार उन्होंने बताया कि पिछले साल रेलवे ने छठ और दीपावली के सीजन में चार हजार विशेष ट्रेनें चलायी थी, जो एक रिकॉर्ड था।

विशेष ट्रेन चलाने का फैसला किया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह विशेष ट्रेनों के परिचालन का नया रिकॉर्ड होगा। उन्होंने कहा कि इन विशेष ट्रेनों को चलाने से हर दिन दो लाख अतिरिक्त लोग सफर कर सकेंगे। भारतीय रेल प्रतिदिन 13 हजार से अधिक यात्री ट्रेनों का परिचालन करती है।

दिल्ली के छतरपुर में आप सांसद राघव चड्ढा की पदयात्रा, लोगों से किया संवाद

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लगातार पदयात्रा कर रहे हैं। इस दौरान वे लोगों से मुलाकात कर रहे हैं, आप सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दे रहे हैं और यहां तक कि लोगों के साथ सेल्फी भी ले रहे हैं। इसी कड़ी में आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा दिल्ली के छतरपुर पहुंचे। उन्होंने इलाके में पदयात्रा करते हुए लोगों से मुलाकात की और दिल्ली सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी। वह छोटे से लेकर बड़े, महिलाओं से लेकर पुरुषों तक से मिले और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचाई। राघव चड्ढा ने छतरपुर की पदयात्रा से जुड़ी तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए लिखा, आज छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क किया और लोगों तक अरविंद केजरीवाल का संदेश पहुंचाया। जिस तरह दिल्ली वालों ने 2015 और 2020 में आप को ऐतिहासिक जनादेश दिया, उसी तरह जनता इस बार भी अपने बेटे केजरीवाल को आशीर्वाद देगी और फिर से मुख्यमंत्री बनाएगी। आप सांसद ने छतरपुर पदयात्रा की कई तस्वीरें शेयर की और लोगों से मिले प्यार पर खुशी जताई। इन तस्वीरों में वह लोगों से बात करते दिखे। उन्होंने दुकानदारों के साथ भी मुलाकात की और उनसे बातचीत की। राघव चड्ढा की तरह देखना दिलचस्प होगा कि आप और कांग्रेस नेताओं के बीच पिछले कुछ समय से जारी बयानबाजी के बीच विधानसभा चुनाव में दोनों दल गठबंधन के तहत लड़ते हैं या फिर एक-दूसरे के

पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल, सौरभ भारद्वाज तथा अन्य नेता भी दिल्ली में लगातार पदयात्रा कर रहे हैं और लोगों के बीच अपनी सरकार की उपलब्धियां गिना रहे हैं।आप नेताओं की पदयात्रा को दिल्ली में अगले साल की शुरुआत में होने वाली विधानसभा चुनाव की तैयारियों से भी जोड़ा जा रहा है। हालांकि, अभी चुनाव की तारीखों की घोषणा नहीं हुई है। लेकिन, आप के तमाम दिग्गज नेता लगातार पदयात्रा करते हुए लोगों तक अपनी बात पहुंचाने में पीछे नहीं हैं। यह खिलाफ उतरते हैं। लोकसभा चुनाव में दोनों दलों में गठबंधन के बावजूद दिल्ली की सभी सात सीटों पर भाजपा ने बाजी मारी थी। कुछ दिन पहले राघव चड्ढा ने बात करते हुए हरियाणा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार पर इशारों ही इशारों में हमला बोला था। उन्होंने कांग्रेस को नसीहत देते हुए कहा कि अगर हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने एकजुटता दिखाई होती, तो नतीजे कुछ विपरीत हो सकते थे। उल्लेखनीय है कि हरियाणा चुनाव में दोनों पार्टियां अलग-अलग लड़ी थीं।

उप्र विधानसभा उपचुनाव में उम्मीदवार नहीं उतारेगी कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली । कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए होने वाले उपचुनाव में कोई उम्मीदवार नहीं उतारने निर्णय लिया है और कहां है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए वह इंडिया समूह की जीत सुनिश्चित करने की दिशा में काम करेगी।कांग्रेस के उत्तर प्रदेश के प्रभारी अविनाश पांडे तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी ने विधानसभा के लिए होने वाले उपचुनाव में किसी भी सीट पर उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में 10 में से नौ सीटों पर उपचुनाव होने जा रहे हैं लेकिन आज का समय अपने संगठन या पार्टी को बचाने का नहीं है, ये समय संविधान और भाईचारे की रक्षा करने का है। इसके मद्देनजर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने फैसला लिया है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा के उपचुनाव में पार्टी चुनाव मैदान में अपने उम्मीदवार नहीं उतारेगी। हम इंडिया समूह के उम्मीदवारों की विजय के लिए प्रयासरत रहेंगे। कांग्रेस नेताओं ने कहा, पिछले दिनों उत्तर प्रदेश कांग्रेस समिति के नेतृत्व में सभी 10 विधानसभाओं में संविधान बचाओ संकल्प सम्मलेन का आयोजन किया गया। अगर आज भाजपा को नहीं रोका गया तो आने वाले समय में

संविधान, भाई-चारा, आपसी सौहार्द कमजोर हो जाएगा। यूपी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया है कि इन चुनावों में भाजपा को कड़ी शिकस्त देनी है, ताकि आने वाले 2027 के चुनावों में सकारात्मक प्रभाव हो। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में इंडिया समूह के सभी उम्मीदवारों को कांग्रेस कार्यकर्ताओं का सहयोग मिलेगा और उनकी जीत सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

मुंबई की विशेष अदालत से सचिन वाजे को लगा बड़ा झटका

मुंबई, 25 अक्टूबर। मुंबई की एक विशेष अदालत ने बर्खास्त पुलिसकर्मी सचिन वाजे की धन शोधन के एक मामले में सरकारी गवाह बनने की याचिका खारिज करते हुए कहा कि ईडी के पास प्रथम दृष्टया उनके और अन्य आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं और उनकी मदद की कोई जरूरत नहीं है विशेष अदालत के न्यायाधीश ए. यू. कदम ने धन शोधन रोकथाम कानून से जुड़े मामलों में सुनवाई करते हुए 23 अक्टूबर को पारित आदेश में कहा, इस तरह का आवेदन करके सचिन वाजे इस बात को स्वीकार करते हैं कि वह आरोपी की तरफ से कथित तौर पर किए गए अपराध की जानकारी रखते थे। मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है। मामले में अन्य आरोपियों में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री और राकांपा (एसपी) के नेता अनिल देशमुख शामिल हैं।

NAME CHANGE

I, NO-15442478Y, Rank-NK, Name-CHAUDHARY ALPESH KUMAR S/o CHAUDHARY FALJIBHAI residing at VILL-NALASAR, PO-MAJADAR, TEH-VADGAM, DIST-BANASKANTHA, GUJARAT-385210 have changed my wife's name from CHAUDHARY ASHABEN to CHAUDHARY ASHABEN ALPESHKUMAR for all future purposes vide Affidavit Dated 25/10/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

THIS IS FOR THE GENERAL INFORMATION OF ALL CONCERNED THAT MY CLIENT SH. MAHESH CHAND S/O CHITAR SINGH AND SMT. TARA W/O MAHESH CHAND BOTH R/O H NO 325, GAUTAMPURI PHASE- 1, BADARPUR, JAITPUR NEW DELHI-110044, HAVE DISOWNED HIS/THEIR SON NAMELY ABHISHEK FROM ALL MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES AND ALSO SEVERED ALL RELATIONS WITH HIM, DUE TO HIS ANTI-SOCIAL AND ANTI-FAMILY ACTVITIES. OUR CLIENT MAHESH CHAND AND TARA SHALL NOT BE LIABLE FOR ANY ACT, DEED OR THING DONE BY HIS/THEIR SON ABHISHEK, ANYBODY DEALING WITH HIM SHALL BE DOING SO AT HIS/HER OWN RISK AND RESPONSIBILITY.

PRAVESH SINGHAL ADVOCATE
Ch. No. 536, Lawyer's Block Saket Court, New Delhi-110017

NAME CHANGE

I, NO-15442478Y Rank-NK Name-CHAUDHARY ALPESH KUMAR S/O CHAUDHARY FALJIBHAI R/O VILL-NALASAR, PO-MAJADAR, TEH-VADGAM, DIST-BANASKANTHA, GUJARAT-385210, have changed my Minor daughter's name from CHAUDHARY RUHANI to CHAUDHARY RUHANI ALPESHKUMAR for all future purposes vide Affidavit Dated 25/10/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित करने के लिए है कि श्री धर्मेंद्र ने निर्मित आवासीय मकान प्लॉट नंबर 4 (नगर पालिका निगम संख्या 464), जिसका क्षेत्रफल 80 वर्ग गज, एन ब्लॉक के पीछे, पटेल मार्ग मोहल्ला मुकंद नगर, गाज़ियाबाद, तहसील एवं जिला गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित है, को श्रीमती मिथलेश गोयल से खरीदने का इरादा किया है। सम्पूर्ण संपत्ति को श्री हर किशोर ने श्री श्याम लाल शर्मा और श्री चरण शर्मा से बिक्री विलेख दिनांक 09.12.1971 के माध्यम से खरीदा था। इसके बाद, श्री हर किशोर ने श्रीमती मिथलेश गोयल के पक्ष में दिनांक 23.08.2007 को एक वसीयत बनाई। इसके बाद श्री हर किशोर का निधन 08.07.2008 को हो गया और यह संपत्ति 01.07.2011 को माननीय सिविल जज, III (C.D.) गाज़ियाबाद द्वारा पारित सहमति डिक्री (consent decree) के आधार पर श्रीमती मिथलेश गोयल के नाम पर प्रॉबेट की गई है, जिसका केस नं. 1482/2010 है, यह संपत्ति आरबीएल बैंक लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित की जा रही है, जिसकी शाखा एफ़ 19, 20, 21 एफएफ आदित्य मॉल, इंदिरापुरम, गाज़ियाबाद, उत्तर प्रदेश 201012 में स्थित है। हमारी मुवक्किल उक्त संपत्ति की पूर्ण स्वामी हैं, और उक्त संपत्ति विवाद मुक्त है तथा किसी भी न्यायालय में कोई मुकदमा लंबित नहीं है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

NAME CHANGE

I, AKANKSHA DEV D/O PREM CHAND DEV R/O C-1/42A MADHU VIHAR DWARKA NEW DELHI 110059 declares that I have changed my name from AKANKSHA to AKANKSHA DEV for all in further purpose.

NAME CHANGE

I, JC-472973A Rank-NB SUB Name-SATISH KUMAR residing at VPO-GIRAWAR, GURAWAR (97), ROHTAK, GIRAWAR, HARYANA-124111 have changed my mother's name from ROSHNI DEVI to ROSHANI for all future purposes vide affidavit dated 25/10/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सार्वजनिक को सूचित किया जाता है कि श्री सनी चौहान एक 2वीं मंजिल, बिना छत के अधिकार (एलएचएस हिस्सा) जो 50 वर्ग गज के क्षेत्र में है, प्लॉट नंबर 3723 (पुराना-111), गली नंबर 9, गांव चौकड़ी मुबारकबाद कॉलोनी, जिसे नारंग कॉलोनी (गणेशपुरी-बी) के नाम से जाना जाता है, त्रिनगर, दिल्ली-110035 में स्थित है को श्री आशीष गुप्ता, श्री मनीष गोयल, श्री अंशुल गोयल, श्री राहुल राठौर और श्री जगदीश प्रसाद से खरीदने का इरादा रखते हैं। श्री सरदारी लाल 15.05.1967 और 30.07.1969 के दो विक्रय विलेख मालिक थे। श्री सरदारी लाल का निधन 16.09.2009 को हुआ, और उनके पुत्र श्री राम प्रकाश गोयल का निधन 23.03.2010 हुआ, जिनके पीछे कानूनी उत्तराधिकारी बचे थे- श्री रमेश कुमार गोयल, श्री महेश कुमार गोयल, श्रीमती गीता रानी अग्रवाल, श्रीमती मधु बाला, और श्रीमती विद्यावती गोयल। कानूनी उत्तराधिकारियों ने 18.08.2022 को एक त्याग पत्र के माध्यम से श्रीमती विद्यावती गोयल के पक्ष में अपने हिस्से को छोड़ दिया। श्रीमती विद्यावती गोयल ने फिर 15.02.2023 को एक विक्रय विलेख के माध्यम से संपत्ति को श्री आशीष गुप्ता, श्री मनीष गोयल, श्री अंशुल गोयल, श्री राहुल राठौर, और श्री जगदीश प्रसाद को बेच दिया। कृपया ध्यान दें कि श्रृंखला के दस्तावेज, जिसमें दिवंगत श्री सरदारी लाल और श्री राम प्रकाश गोयल के नाम पर जीवितता प्रमाणपत्र शामिल हैं, उपलब्ध नहीं हैं। इस संपत्ति को हिंदुजा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा लाजपत नगर, न्यू दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति उपरोक्त संपत्ति के कब्जे में पाया जाता है या किसी प्रकार की आपत्ति है, तो कृपया इस नोटिस की तारीख से 07 दिन के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज के साथ नीचे दिए गए पते पर संपर्क करें। ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री पत्र के अनुसार दावा विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

अधिक समय से रिक्त चल रहे सभी पद खत्मः सुक्खू सरकार

शिमला, 25 अक्टूबर। हिमाचल प्रदेश सरकार ने दो साल या इससे अधिक समय से सरकारी विभागों या सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों में रिक्त चल रहे सभी पद खत्म करने का आदेश जारी किया है। इन पदों की संख्या हजारों में बताई जा रही है। प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार ने सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों, राज्यपाल के सचिव, विधानसभा सचिव और राज्य उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को इसे लेकर पत्र भेजा है। नोटिफिकेशन देखें पत्र में वर्ष 14 अगस्त, 2012 के दिशा-निर्देशों का हवाला दिया है। इसमें कहा गया है कि विभाग इनकी अनुपालना नहीं कर रहे हैं और न ही वित्त विभाग को इससे संबंधित ब्योरा भेज रहे हैं। प्रधान सचिव वित्त ने स्पष्ट किया है कि इसे प्रदेश सरकार ने गंभीरता से लिया है। इसलिए यह निर्णय लिया गया है कि दो साल या इससे अधिक समय से खाली चल रहे अस्थायी या नियमित पदों को खत्म माना जाए और यह भी सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित विभाग एक हफ्ते में इन्हें बजट बुक से भी हटवा दें। इसमें विभागों की ओर से किसी तरह की बहानेबाजी नहीं की जानी चाहिए। इसके अलावा यह भी स्पष्ट किया गया है कि दो साल या इससे अधिक समय से रिक्त चल रहे पदों को भरने का कोई भी प्रस्ताव वित्त विभाग को न भेजा जाए। इन दिशा-निर्देशों की सख्ती से अनुपालना की जाए। अगर अनुपालना नहीं की गई तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग या संगठन की रहेगी। यह आदेश विभागों के अलावा सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों पर भी लागू होंगे।

हिसार को जाम से निजात दिलाने के लिए सरकार की योजना स्वागत योग्य : अशोक सैनी

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने हिसार को जाम से निजात दिलाने के लिए सरकार द्वारा बनाई जा रही नई कार्ययोजना का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल शहर को जाम से निजात मिलेगी बल्कि यातायात भी सुगम होगा। जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने हिसार को जाम से निजात दिलाने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। सरकार की योजना के अनुसार पहले तो प्रदेश के पूर्व पश्चिम एक्सप्रेस वे का काम शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह एक्सप्रेस वे डबवाली से पानीपत को जोड़ेगा। इसके अलावा हिसार को जाम से निजात दिलाने के लिए रिंग रोड का निर्माण करने व उसके लिए डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह हिसार के लिए महत्वाकांक्षी योजना होगी। उधर, भाजपा जिला मीडिया इंचार्ज राजेंद्र सपड़ा एवं अन्य पदाधिकारियों ने कर्मचारी वर्ग का महंगाई भत्ता बढ़ाए जाने का भी स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों को दीपावली का तोहफा दिया है। सरकार की घोषणा के अनुसार कर्मचारियों और रिटायर्ड कर्मचारियों का बढ़ाया गया महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 53 प्रतिशत किया गया है। इससे कर्मचारी वर्ग को बड़ी राहत मिलेगी।

अनिल विज का कांग्रेस पर तंज; कहा, 'पार्टी में विष ही विष है'

चंडीगढ़। हरियाणा में कांग्रेस अपनी जीत को लेकर पूरी तरह आश्वस्त थी, लेकिन अंत में भाजपा बाजी मारने में सफल हुई। भाजपा प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने में सफल हो गई। वहीं, कांग्रेस में हार को लेकर बीते दिनों मंथन हुआ था, जिसमें कई कारण निकलकर सामने आए। अब कांग्रेस के इसी मंथन पर भाजपा नेता अनिल विज ने तंज कसा है। उन्होंने कहा, हाल ही में मैंने सुना है कि कांग्रेस ने अपनी हार को लेकर मंथन किया है। पहले भी सागर का मंथन हुआ था। उसमें उस समय विष भी मिला था और अमृत भी मिला था, लेकिन कांग्रेस के मंथन में विष ही विष मिला है। उन्होंने आगे कहा, भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान जो-जो वादा किए थे, उसे हर कीमत पर हम लोग पूरा करेंगे। हम किसी भी वादे को पूरा करने में किसी भी प्रकार की कोताही नहीं बरतेंगे। जनता का हित हमारे लिए कल भी सर्वोपरि था और आगे भी रहेगा। जनता के हित से किसी भी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दरअसल, बीते दिनों भाजपा से कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा ने सवाल किया था कि आप लोगों ने वादा किया था कि सत्ता में आने पर सभी महिलाओं को 2,100 रुपए दिए जाएंगे। इसी संबंध में जब अनिल विज से सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। भाजपा अपने वादों को पूरा करना भलीभांति जानती है।

मंत्री कृष्णा पवार ने अधिकारियों को दी चेतावनी, लापरवाही पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन

चंडीगढ़। पंचायत एवं खनन मंत्री कृष्णा पवार ने अधिकारियों को लापरवाही बढ़ने पर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वे यह सोचने से बाज आएं कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार हरियाणा से जाने वाली है। उन्होंने अधिकारियों को सामान्य दिमाग से काम करने की सलाह दी और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया। आज चंडीगढ़ में पत्रकारों से बात करते हुए पवार ने बताया कि कुछ अधिकारी 6 अक्टूबर की रात को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मिले थे, और इस मामले की रिपोर्ट मुख्यमंत्री के पास पहुंच चुकी है। मंत्री ने कहा कि लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कोई भी ढील नहीं बरती जाएगी, और इस प्रकार की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह बयान प्रशासन में अनुशासन और कार्यक्षमता को बनाए रखने के लिए एक स्पष्ट संकेत है।

छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल की पत्नी बृजपाल टंडन का निधन

चंडीगढ़। छत्तीसगढ़ के पूर्व राज्यपाल स्व. बलरामजी दास टंडन की पत्नी बृजपाल टंडन का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। दोपहर बाद उनका सेक्टर-25 स्थित स्वर्गधाम में अंतिम संस्कार कर दिया गया। उन्हें संजय टंडन ने मुखाग्नि दी। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं हिमाचल के सह प्रभारी संजय टंडन की माता बृजपाल टंडन ने गुरुवार की सुबह अंतिम सांस ली। बृजपाल टंडन लंबे समय से अस्वस्थ चल रही थी। अस्पताल में अपने परिवारजनों के बीच बृजपाल टंडन ने सांसारिक यात्रा को अलविदा कहा। टंडन परिवार के लिए बृजपाल टंडन मार्गदर्शक थी, उन्होंने हमेशा अपने परिवार को हमेशा राष्ट्रहित की मदद और दूसरों की भलाई की सीख रही, जिसे आज उनके बेटे संजय टंडन बखूबी निभा रहे हैं। बृजपाल के बेटे संजय टंडन ने अपनी माता के निधन को अपूर्णीय क्षति बताते हुए कहा कि मां उनके लिए हमेशा प्रेरणादायक रहीं। उन्होंने उन्हें कठिनाइयों से लड़ना सिखाया और वे हमेशा मार्गदर्शक के तौर पर साथ रहीं। सेक्टर-25 स्वर्गधाम में पहुंच कर यूटी प्रशासक के सलाहकार राजीव वर्मा, गृह सचिव यूटी चंडीगढ़ मनदीप बराड़, भाजपा चंडीगढ़ अध्यक्ष जितेंद्र मल्होत्रा, उपाध्यक्ष रामवीर भट्टी, भाजपा हिमाचल प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल सहित अनेक लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

हरियाणा को स्वच्छता सर्वे रैंकिंग में टॉप लाने के लिए एकजुटता दिखाएं निकाय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शहरों में स्वच्छता पर जोर देते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि आगामी एक माह में शहरों में सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाए। किसी भी शहर में कूड़े-कचरे के ढेर नहीं दिखाई दिए जाने चाहिए। सरकार का लक्ष्य स्वच्छता सर्वेक्षण रैंकिंग में हरियाणा को टॉप रैंकिंग में लाना है। इसलिए सभी को एक टीम की तरह मिलकर जिम्मेदारी के साथ काम करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में शहरी स्थानीय निकाय विभाग की क्रियान्वित की जा रही विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा के लिए जिला नगर आयुक्तों (डीएमसी) और नगर निगम आयुक्तों (एमसी) के साथ एक अहम बैठक कर रहे थे। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने समाधान शिविर की प्रगति, सफाई अभियान, आवारा पशु मुक्त शहर बनाने, संपत्ति आईडी, स्वामित्व योजना, कॉलोनियों के नियमितीकरण, पीएम स्वनिधि योजना, सड़कों की मरम्मत और विकास कार्यों की समीक्षा की।मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर पालिकाओं, नगर निगमों और नगर परिषदों में स्ट्रीट लाइटें लगवाना और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना प्रत्येक अधिकारी की प्राथमिकता होनी चाहिए, इसलिए इन परियोजनाओं से संबंधित कार्यों का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों की जवाबदेही और जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। शहरों में सूखा कचरा कूड़ा-कचरा और बागवानी अपशिष्ट जलाने की समस्या से निपटने के मुद्दे पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी सुनिश्चित करें कि शहरों में कहीं भी सूखा कचरे को जलाने की कोई भी घटना न हो।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लोगों को जागरूक किया जाए कि पशुओं को सड़कों पर न छोड़ें। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आवारा पशुओं को जल्द से जल्द गौशालाओं और नंदीशालाओं में स्थानांतरित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि समाधान शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें और कोई भी नागरिक असंतुष्ट होकर न लौटे। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आ रही विशिष्ट समस्याओं के समाधान के लिए विशेष डेस्क स्थापित किए जाएं।

गुरुग्राम को स्मार्ट सिटी बनाने प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम को स्मार्ट सिटी बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए अधिकारी गुरुग्राम में सफाई से जुड़े कार्यों में तेजी लाने के लिए पूरी तत्परता से काम करें। स्वच्छता अभियान में अच्छा काम करने वाले नगर निकायों को सम्मानित भी किया जाएगा।

गलियों में जलभराव की समस्या के समाधान के संबंध में निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब तक ड्रेनेज सिस्टम से संबंधित परियोजनाएं पूरी नहीं हो जाती, तब तक संबंधित अधिकारी सबसे पहले गलियों से पानी की समय पर निकासी करने पर जोर दें। उन्होंने कहा कि यदि कोई एजेंसी नालों की सफाई या सफाई व्यवस्था के काम में लापरवाही बरतती है तो उसे तुरंत ब्लैक लिस्ट किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि यदि जरूरत पड़े तो सफाई कर्मचारियों की अतिरिक्त मैनपावर की जरूरत हरियाणा कौशल रोजगार निगम से पूरी की जाए।

इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में तंजानिया होगा पार्टनर देश व ओडिशा होगा पार्टनर स्टेट

एजेंसी

चंडीगढ़। धर्मनगरी कुरुक्षेत्र में हर वर्ष की भांति इस बार भी अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन भव्य रूप में किया जाएगा। इस वर्ष इसका शुभारंभ 28 नवंबर को होगा और 15 दिसंबर 2024 तक चलेगा। इस महोत्सव में 5 से 11 दिसंबर के बीच मुख्य कार्यक्रम होंगे। चंडीगढ़ में अपने निवास स्थान संत कबीर कुटीर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की तैयारियों की समीक्षा बैठक की। इस बार महोत्सव में तंजानिया और ओडिशा क्रमशः पार्टनर देश व प्रदेश होंगे।

हरियाणा सरकार वर्ष 2016 से गीता महोत्सव को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मना रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री

नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष भी हैं। अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव की तैयारियों के संबंध में एक समीक्षा बैठक की। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल तथा गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज भी उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में तंजानियां को पार्टनर देश तथा ओडिशा होगा पार्टनर राज्य होगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि समारोह के दौरान शहर में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि देश-विदेश से आने वाले आगंतुकों को किसी भी प्रकार की अव्यवस्था का सामना न करना पड़े। इस कार्य में कुरुक्षेत्र जिला की सामाजिक, धार्मिक संस्थानों और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन व युवाओं को जोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शहर में दिव्य कुरुक्षेत्र नाम से स्वच्छता का एक विशेष अभियान चलाया जाए, जिसमें वह स्वयं भी हिस्सा लेंगे। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि इस वर्ष गीता जयंती का महापर्व 11 दिसंबर 2024 को होगा। महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 5 दिसंबर से 11 दिसंबर तक आयोजित किए जाएंगे।

पुलिस कर्मी की मौत पर परिजनों को दिए एक करोड़, बैंक के साथ था करार

एजेंसी

सिरसा। सड़क दुर्घटना के शिकार हुए सिरसा सीआईडी ब्रांच के एएसआई हरदीप सिंह के परिजनों को दोपहर पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण व एचडीएफसी बैंक अधिकारियों ने एक करोड़ रुपए का सहायता राशि का चेक भेंट किया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि जिला सिरसा की सीआईडी विंग में तैनात सहायक उप निरीक्षक हरदीप सिंह अच्छे व्यक्तित्व के धनी थे और अपनी ड्यूटी के प्रति ईमानदारी व सच्ची निष्ठा से काम करने वाले कर्मचारी थे। पांच नवंबर 2023 को सहायक उप निरीक्षक हरदीप सिंह का ड्यूटी के दौरान रोड एक्सीडेंट में घायल हुए होने की वजह से उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई थी। पुलिस

अधीक्षक ने बताया कि यदि किसी पुलिस कर्मचारी की ड्यूटी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होने से मृत्यु हो जाती है तो एचडीएफसी बैंक की तरफ से रेमूनेशन के रूप परिवार वालों को एक करोड़ रुपए की सहायता राशि प्रदान की जाती है।

नगर निगम के समाधान शिविर में दस में से छह शिकायतों का निपटारा

एजेंसी

रोहतक। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार स्थानीय नगर निगम कार्यालय में वीरवार को समाधान शिविर का आयोजन किया गया। समाधान शिविर में नगर निगम डीएमसी एवं नोडल अधिकारी जितेंद्र कुमार ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। वहीं दूसरी ओर नगर पालिका महम, सांपला और कलानौर में शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारियों ने नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनका समाधान किया गया।

इस दौरान नगर निगम डीएमसी जितेंद्र कुमार ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ करना ही नगर निगम का मुख्य उद्देश्य है। कोई भी नागरिक शहरी स्थानीय निकाय से संबंधित अपनी समस्या रख सकता है। समाधान शिविर में नागरिकों ने अपनी प्रोपर्टी आईडी, हाउस टैक्स, जन्म प्रमाण पत्र, पानी निकासी आदि विभिन्न प्रकार की समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखी। अधिकारियों ने नागरिकों की समस्या को गौर से सुना और उनका समयबद्ध ढंग से समाधान करने का आश्वासन दिया।नगर निगम, रोहतक व नगर पालिका महम, सांपला व कलानौर में कुल दस आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से छह शिकायतों का मौके पर समाधान करवाया गया। अधिकारियों ने कहा कि शेष आवेदनों पर कुछ औपचारिकताएं पूरी की होते ही समाधान हो जाएगा।

समाधान शिविर में स्थानीय अम्बेडकर निवासी कॉलोनी निवासी जगदीश शर्मा पीआईडी, विजय नगर निवासी धर्मवीर सिंह विकास शुल्क ठीक करवाने, सेक्टर 25 से शिखा वर्मा एनओसी, राजेंद्र नगर निवासी सज्जन सैनी पीआईडी दुरुस्त करवाने, राम गोपाल कालोनी निवासी अनीता और अजीत कालोनी निवासी निर्मला देवी नाम और मोबाइल नंबर ठीक करवाने पहुंचे। अधिकारियों ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय के अधिकारी नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए हमेशा तत्पर हैं। नागरिक समाधान शिविरों के माध्यम से अपनी समस्या का समाधान करवा सकते हैं। नगर निगम कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में अधिकारियों ने सभी नागरिकों की समस्याओं को बड़े गौर से सुना। अधिकारियों ने नागरिकों से कहा कि समाधान शिविर में आने वाले नागरिक समस्या के फोटो या कोई ठोस सबूत जरूर लेकर आएं। नागरिकों का समस्याओं का हर हाल में समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिक प्रॉपर्टी की प्रॉपर्टी टैक्स, सफाई आदि शहरी स्थानीय निकाय से संबंधित समस्याएं रख सकते हैं, जिनका समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा। समाधान शिविर में भवन निरीक्षक राजीव विज, एसडीओ सुनील शर्मा और टैक्स इंस्पेक्टर रमन सहित निगम के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जागरूकता ही डिजिटल धोखाधड़ी से बचा की राह :डॉ. प्रज्ञा कौशिक

एजेंसी

हिसार। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में साइबर सिक्योरिटी जागरूकता माह का आयोजन किया गया। मीडिया एजुकेटर और फेक्टशाला ट्रेनर डॉ. प्रज्ञा कौशिक ने 'मीडिया लिटरेसी फ़ोर डीबंकिंग फेक न्यूज़ एंड रीमेनिंग डिजिटली सेफ' विषय पर एमबीबीएस के विद्यार्थियों को संबोधित किया। डॉ. प्रज्ञा कौशिक ने गुरुवार को इस कार्यक्रम में छात्रों को गलत और सही जानकारी में अंतर करना और वायरल जानकारी, फोटो आदि का तार्किक विश्लेषण करने के बारें में मार्गदर्शन किया। उन्होंने साइबर सिक्योरिटी को लेकर भी विद्यार्थियों को जागरूक किया। इस कार्यशाला में एमबीबीएस के लगभग 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया और डिजिटल लिटरेसी संबंधी भ्रामक जानकारी पर संबोधन सुना। डॉ. प्रज्ञा कौशिक ने बताया कि आज संचार क्रांति के युग में गलत भ्रामक और झूठी सूचनाओं के कारण न केवल अव्यवस्था फैलती है बल्कि देश के लोकतंत्र को भी नुकसान होता है। इसके अतिरिक्त झूठी और भ्रामक सूचनाएं समाज, संस्थान

लिए अत्यधिक नुकसानदायक है। उन्होंने कहा कि मीडिया लिटरेसी के जरिए जागरूक होकर हम एक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभा सकते हैं और देश के विकास की मुख्य धारा में जुड़ सकते हैं। इसके लिए मीडिया के टूल्स का उपयोग फायदे के लिए करना हमें सीखना होगा। उन्होंने विभिन्न वायरल खबरों की तथ्य जांच का उदाहरण देकर भी विद्यार्थियों को विषय पर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार के डिजिटल फ्रॉड से बचने के लिए नंबर पर अपनी जानकारी ना साझा करें और ना ही किसी लिंक को खोलकर लालच में फंसकर कोई भी ओटीपी दे।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा न्यायिक आयोग का गठन, सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति दर्शन सिंह बने चेयरमैन, दो सदस्य भी नामित

चंडीगढ। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति दर्शन सिंह हरियाणा सिख गुरुद्वारा न्यायिक आयोग के चेयरमैन होंगे। हाई कोर्ट के अधिवक्ता जसमीत सिंह बेदी और सेवानिवृत्त जिला न्यायवादी अमरजीत सिंह को सदस्य बनाया गया है। इस संबंध में गृह सचिव अनुराग रस्तोगी ने हरियाणा सिख गुरुद्वारा न्यायिक आयोग के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है। प्रदेश सरकार हरियाणा सिख गुरुद्वारा (प्रबंधन) अधिनियम-2014 में संशोधन करने के लिए पहले ही मसौदे को मंजूरी दे चुकी है। इसके अनुसार अब हरियाणा सिख गुरुद्वारा न्यायिक आयोग का अध्यक्ष हाई कोर्ट का न्यायाधीश होगा।

समाधान शिविर में तीन शिकायतों का किया समाधान

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देश पर नगर निगम गुरुग्राम द्वारा आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों के तीसरे दिन तीन शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। इनमें दो शिकायतें प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सुधार से संबंधित थी, जबकि एक शिकायत सीवर मैनहोल ढक्कन से जुड़ी हुई थी।

शिवाजी नगर निवासी एससी खुराना अपने क्षेत्र की सीवर मैनहोल के टूटे ढक्कन से संबंधित शिकायत लेकर आए थे। अधिकारियों ने शिकायत को ध्यानपूर्वक सुना तथा मौके पर ही टीम भेजकर टूटे ढक्कन को बदलने की कार्रवाई की। इसके अलावा प्रॉपर्टी टैक्स डाटा सुधार संबंधी जिन दो शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया, उनमें अशोक विहार फेज-1 निवासी रामायण यादव तथा लक्ष्मण विहार निवासी योगेंद्र की शिकायतें शामिल थी। इनमें एक शिकायत प्रॉपर्टी टैक्स डाटा में मालिक के नाम व पते में सुधार तथा दूसरी शिकायत प्रॉपर्टी के एरिया में सुधार से संबंधित थी।नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त डा. नरहरि सिंह बांगड़

ने बताया कि हरियाणा सरकार के दिशा-निर्देशों की पालना में नगर निगम गुरुग्राम द्वारा प्रतिदिन सुबह 9 बजे से 11 बजे तक सेक्टर-34 कार्यालय, सेक्टर-42 कार्यालय तथा सिविल अस्पताल के सामने स्थित पुराने कार्यालय में समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में शिकायतकर्ता अपनी शिकायत में अपना नाम, मोबाइल नंबर तथा परिवार पहचान पत्र नंबर या संख्या जरूर लिखें। समाधान शिविर में प्राप्त होने वाली कई शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया जाता है, जबकि जिन शिकायतों के समाधान में कुछ समय लगना है, उनकी समयसीमा निर्धारित करके शिकायतकर्ता को अवगत करा दिया जाता है।

पराली प्रबंधन को आगे आ रहे किसान,1188 किसानों ने किया आवेदन

एजेंसी

झज्जर। प्रदूषण को रोकने के लिए जिला प्रशासन की ओर से किसानों को पराली प्रबंधन करने के लिए जोर दिया जा रहा है। पराली का इन सीटू और एक्स सीटू प्रबंधन करने वाले किसानों को सरकार द्वारा प्रति एकड़ एक हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस स्कीम का लाभ लेने के लिए अब तक जिला के एक हजार 188 किसानों ने पंजीकरण भी कर दिया है, जिसके तहत करीब 12 हजार 315 एकड़ का क्षेत्र पंजीकृत हुआ है। डीसी कैप्टन शक्ति सिंह ने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में रहकर कार्य करें। ग्राम स्तर की टीमें किसानों को जागरूक करें और उन्हें फसल अवशेष प्रबंधन के लाभ तथा पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताएं। वहीं खंड व ग्राम स्तरीय टीमें के नोडल अधिकारी पुलिस विभाग के साथ मिलकर नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें। उन्होंने बताया कि जिला में गत वर्ष पराली प्रबंधन करने वाले 1075 किसानों को 87 लाख रुपये अनुदान स्वरूप दिए गए थे। इस बार भी पराली प्रबंधन करने वाले किसानों को अनुदान राशि दी जाएगी। किसान इस स्कीम का लाभ लेने के लिए पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि अब तक पराली जलाने के तीन मामले सामने आए हैं, जिनमें धान की फसल के अवशेष जलाए जाने की बात सही निकली है किसानों को जागरूक करने के लिए जागरूकता वाहन व विभागीय टीमें गांव-गांव जा रहे हैं। किसानों को सरकार द्वारा कृषि यंत्र उपलब्ध करवाए जा रहे हैं, ताकि वे फसल अवशेषों का सही से प्रबंधन कर सके। कृषि विभाग बेरी के बीएओ डा अशोक रोहिल्ला ने बताया कि पराली प्रबंधन करके काफी किसानों ने अपनी आय में बढ़ोत्तरी की है और उन्हें समस्त झज्जर जिले का नाम रोशन किया है। मुख्यतः इन किसानों में गांव वजीरपुर निवासी प्रदीप कुमार व रंधावा, संजीत निवासी मदाना कलां, दोपाना बेरी निवासी सोमवीर, गांव गोच्छी निवासी वीरेंद्र, दूबलधन निवासी रमेश कुमार, माजरा डी निवासी जयदीप सिंह और जोगेंद्र सिंह, गांव सासरोली आदि ने पराली प्रबंधन पर अच्छा कार्य किया है।

पीआर धान के 825 लाख से अधिक पहुंचे किसानों के खाते में: देवेंद्र अत्री

एजेंसी

जींद। उचाना हाइवे स्थित अतिरिक्त मंडी में हो रही पीआर धान की खरीद की सीधी पेमेंट किसानों के खाते में आ रही है। अब तक 825 लाख रुपए से अधिक की राशि किसानों के खाते में पहुंच चुकी है। 73 हजार क्विंटल के आस-पास पीआर धान मंडी अब तक आई है। खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा 70 हजार क्विंटल से अधिक की खरीद अब तक कर ली है। उठान प्रक्रिया भी तेजी से हो रही है। 42 हजार क्विंटल से अधिक का उठान हो चुका है। पीआर धान की खरीद की शुरूआत में जरूरी किसानों, आढ़तियों को परेशानी हुई थी। पीआर धान की खरीद को लेकर हो रही परेशानी की जानकारी मिलने पर विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री के दौरे के बाद खरीद के साथ-साथ उठान प्रक्रिया तेज हुई।खाद्य आपूर्ति विभाग इंस्पेक्टर अजय कुमार ने बताया कि 825 लाख से अधिक की पेमेंट अब तक किसानों के खाते में पहुंच चुकी है। मंडी में आते ही साफ, सुखी पीआर धान की खरीद की जा रही है। 73 हजार क्विंटल के आस-पास पहुंची पीआर धान में से

70 हजार क्विंटल से अधिक की खरीद की जा चुकी है। उठान प्रक्रिया भी निरंतर तेज है। किसान, आढ़ती को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जा रही। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने कहा कि सरकार द्वारा किसान की फसल का एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। 825 लाख से अधिक की पेमेंट जो उचाना मंडी में पीआर धार बिकी है उसकी हो चुका है। जो बाजरा सरकारी भाव पर बिक रहा है उसकी पेमेंट भी 1 करोड़ से अधिक की हो चुकी है। किसान, आढ़ती को किसी तरह की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। निरंतर खरीद, उठान एवं पेमेंट को लेकर अधिकारियों से जानकारी ली जा रही है। किसान परिवार से होने के चलते वो किसानों की परेशानी को जानते है।

गुरुग्राम पुलिस ने पैसों से भरा बैग रखकर फिल्मी अंदाज में अपहर्ताओं को किया काबू

एजेंसी

गुरुग्राम। दो युवकों का अपहरण करके एक करोड़ रुपये फिरौती मांगने के पांच आरोपियों को पुलिस ने फिल्मी अंदाज में काबू किया है। आरोपियों के कब्जे से एक कार, एक बाईक व एक बैग बरामद किया है। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों को काबू करने के लिए एक योजना के तहत पैसों का बैग रखा गया। जिसको लेने आए आरोपियों के साथ पुलिस टीम की झड़प हो गई। जिसमें उप-निरीक्षक सुमित कुमार प्रभारी अपराध शाखा पालम विहार के हाथ में भी फ्रेक्चर आया है। आरोपियों से पुलिस पूछताछ में पता चला है कि आरोपी सुनील दिल्ली पुलिस में सिपाही के पद पर कार्यरत है। उपरोक्त आरोपियों ने पहले अमन (पीड़ित) की रेकी की थी। इसके बाद उन्होंने अमन का अपहरण करके फिरौती मांगने की वारदात को अंजाम देने की योजना बनाई। पुलिस के अनुसार 23 अक्टूबर 2024 को एक व्यक्ति ने थाना सिविल लाईन्स की पुलिस को शिकायत देकर कहा कि 23 अक्टूबर को उसका बेटा अमन व उसका दोस्त गणेश अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी में गलेरिया मार्केट गुरुग्राम गए थे। जब उसका लड़का व उसका दोस्त गणेश घर वापिस नहीं आए तो उसने उनके पास कॉल की। उन दोनों का फोन बन्द था। समय करीब 3ः30 बजे इसके लड़के अमन के एक अन्य दोस्त ने उनको फोन करके बतलाया कि अमन का उसके पास फोन आया था। फोन पर अमन ने बताया था कि कुछ लोगों ने उसे (अमन) व गणेश को बंधक बना रखा है। एक करोड़ रुपए की फिरौती मांग रहे हैं। फिरौती नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। कुछ अज्ञात व्यक्ति इसके लड़के व उसके दोस्त का अपहरण करके बंधक बनाकर जान से मारने का भय दिखाकर फिरौती मांग रहे है। इस शिकायत पर थाना सिविल लाईन्स में केस दर्ज किया गया। अपराध शाखा सेक्टर-10 गुरुग्राम की पुलिस टीमों की संयुक्त पुलिस टीमें गठित की गई, जिनके द्वारा 5 आरोपियों को काबू करने में सफलता हासिल की। आरोपियों की पहचान ऋषि पाल, कुलदीप, दीपक, सुनील व सोनू के रूप में हुई है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी ऋषि पाल (35) निवासी गांव आवली जिला सोनीपत हाल पता अपेक्स सोसायटी सेक्टर-37डी गुरुग्राम, कुलदीप उर्फ मोनू (31) निवासी गांव इंतल कलां जिला जींद, दीपक उर्फ डम्बल (21) निवासी गांव मोखरा जिला रोहतक हाल निवासी सेक्टर-10 नजदीक आशीष वाटिका गुरुग्राम, सुनील (32) निवासी खरेंटी जिला जींद व सोनू (21) निवासी गांव दिनोद जिला भिवानी हाल निवासी सेक्टर-10 गुरुग्राम को काबू किया है।

कोल्हापुर में 26 अक्टूबर से राष्ट्रीय कर सम्मेलन का आयोजन

कोलकाता। ऑल-इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स (एआईएफटीपी) द्वारा आगामी 26 और 27 अक्टूबर को कोल्हापुर में राष्ट्रीय कर सम्मेलन 2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन का आयोजन जीएसटीपीएएम, महाराष्ट्र चैंबर ऑफ कॉमर्स इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर और टैक्स कंसल्टेंट्स एसोसिएशन के सहयोग से किया जा रहा है।इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत सरकार के जैन अल्पसंख्यक आर्थिक विकास निगम के अध्यक्ष ललित गांधी करेंगे। कार्यक्रम में एआईएफटीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट नारायण जैन मुख्य अतिथि होंगे, जबकि डिप्टी प्रेसिडेंट समीर जानी और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनायक पाटकर विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

पावरग्रिड ने मनाया अपना 35वां स्थापना दिवस

नई दिल्ली। पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) - विद्युत मंत्रालय के तहत एक महारत्न सीपीएसयू ने देश भर में अपना 35 वां स्थापना दिवस बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया। श्री श्रीपद येसो नाइक, माननीय केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री ने गुरुग्राम में पावरग्रिड परिवार के साथ 35वें स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लिया और उन्होंने पावरग्रिड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. त्यागी और उनकी टीम को ' एक राष्ट्र, एक ग्रिड, एक फ्रीक्वेंसी' के लक्ष्य को साकार करने के लिए बधाई दी। पावरग्रिड ने दुनिया के सबसे बड़े सिंक्रोनस ग्रिड्स में से एक को सफलतापूर्वक स्थापित कर भारत को एक नई ऊंचाई पर पहुंचाया है। इस अवसर पर श्री नाइक ने पावरग्रिड की उपलब्धियों की सराहना की और राष्ट्रीय विद्युत प्रणाली को मजबूत बनाने में इसके महत्वपूर्ण योगदान की प्रशंसा की। इसके साथ ही उन्होंने एनर्जी ट्रांज़िशन में पावरग्रिड की भूमिका की भी सराहना की। 30 सितंबर 2024 तक पावरग्रिड द्वारा 1,78,195 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों, 279 उप-केंद्रों और 5,37,276 एमवीए की ट्रांफॉर्मेशन क्षमता को कमीशन कर संचालित किया जा रहा है। नवीनतम तकनीकी उपकरणों व तकनीकों को अपनाने तथा स्वचालन और डिजिटल समाधानों के उन्नत उपयोग से पावरग्रिड 99.8त्न से अधिक की औसत ट्रांसमिशन सिस्टम उपलब्धता बनाए रखने में सक्षम रहा है।

मूंगफली तेल उबला

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों में जबरदस्त तेजी के साथ ही स्थानीय स्तर पर मांग निकालने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में मूंगफली तेल 733 रुपये प्रति क्विंटल उबल गया वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में नवंबर का पाम ऑयल वायदा 127 रिंगिट उबलकर 4690 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह नवंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.92 सेंट की तेजी के साथ 44.31 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में मूंगफली तेल की 733 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनीः मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग डाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव स्थिर रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

टीसीएस ने लॉन्च की एनवीडिया कारोबार इकाई

मुंबई । सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा, परामर्श और कारोबारी समाधान उपलब्ध कराने वाली दुनिया की अग्रणी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने उद्योग आधारित समाधान और पेशकश शुरू करने के लिए अमेरिका की दिग्गज चिप निर्माता कंपनी एनवीडिया के साथ अपने सहयोग का विस्तार किया, जिससे ग्राहकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को तेजी से और बड़े पैमाने पर अपनाने में मदद मिलेगी। एनवीडिया में वर्ल्डवाइड फील्ड ऑपरेशंस के कार्यकारी उपाध्यक्ष जय पुरी ने कहा, टीसीएस की गहन उद्योग विशेषज्ञता और एनवीडिया एआई तकनीक का तालमेल उद्यम के इंटेलिजेंट बदलाव के एक नए युग की शुरुआत करने के लिए तैयार है। टीसीएस की नई एनवीडिया कारोबार इकाई एजेंटिक एआई समाधान बनाने के लिए एनवीडिया एआई एंटरप्राइज और फिजिकल एआई समाधान बनाने के लिए एनवीडिया ओमनीवर्स के साथ एआई और सिमुलेशन को गति देने के लिए तैयार है। इससे भारत और दुनिया भर में एआई-संचालित नवाचार का मार्ग प्रशस्त होगा।टीसीएस के एआई.क्लाउड इकाई के प्रमुख शिव गणेशन ने कहा, क्यूरेटेड एआई की यात्रा को डीप-डोमेन और डीप-टेक के समागम के रूप में समझा जा सकता है। यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें टीसीएस ने हर कारोबारी बदलाव के दौरान उत्कृष्टता हासिल की है। व्यवसाय और प्रौद्योगिकी के चौराहे पर हमारा अनूठा लाभ बिंदु हमें अपने ग्राहकों के लिए सही अवसरों की पहचान करने में मदद करता है।

रिलायंस और एनवीडिया भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर का करेंगे निर्माण

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंप्यूटिंग में अग्रणी अमेरिकी कंपनी एनवीडिया भारत में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण करेंगे। दोनों कंपनियों ने भारत में एआई कम्प्यूटिंग अवसंरचना और एक नवाचार केंद्र बनाने के लिए एक समझौता किया है। मुंबई में आयोजित एनवीडिया एआई समिट 2024 में मुकेश अंबानी के साथ चैट सेशन के दौरान एनवीडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग ने इसकी घोषणा की। जेन्सेन हुआंग ने कहा कि उनकी कंपनी ने भारत में एआई कम्प्यूटिंग अवसंरचना और एक नवाचार केंद्र बनाने के लिए मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। आरआईएल चेयरमैन ने कहा कि जियो अब दुनिया की सबसे बड़ी डेटा कंपनी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि

रिलायंस इंडस्ट्रीज का नया प्रमुख डेटा सेंटर नवीनतम एनवीडिया ब्लैकवेल एआई चिप का उपयोग करेगा। रिलायंस और एनवीडिया के बीच साझेदारी का उद्देश्य देश में एक मजबूत एआई बुनियादी ढांचे का निर्माण करना है। कृत्रिम मेधा (एआई) चिप की प्रमुख वैश्विक अमेरिकी कंपनी एनवीडिया कॉर्प के सीईओ ने कहा कि रिलायंस और एनवीडिया मिलकर भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करेंगे। एआई समिट में अंबानी और हुआंग ने एआई में भारत की बदलावकारी क्षमता और इस क्षेत्र में वैश्विक अगुवा के रूप में इसकी उभरती भूमिका पर चर्चा की। रिलायंस प्रमुख मुकेश अंबानी ने इस अवसर पर आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भारत एनवीडिया के सर्वश्रेष्ठ उत्पाद के साथ शुरुआत करेगा। हुआंग ने कहा कि इस साझेदारी में ऐसे एप्लिकेशन भी बनाए जाएंगे जिन्हें रिलायंस भारत में उपभोक्ताओं को प्रदान कर सकती है। उन?होंने कहा कि इस गठजोड़ के तहत हम एक नवाचार केंद्र भी खोलेंगे। उल्लेखनीय है कि एनवीडिया की भारत में छह स्थानों पर पहले से मौजूदगी है। एनवीडिया की डिजायनिंग बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे में की जाती है। चिप डिजायन करने में भारत पहले से ही विश्वस्तरीय है। एनवीडिया के इस ऐलान से इसमें और इजाफा हो सकता है।

दिवाली के पहले सर्राफा बाजार की तेजी से छोटे कस्टमर्स में निराशा, जेब पर और भारी पड़ने लगी सोने-चांदी की खरीदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। धनतेरस और दिवाली के मौके पर परंपरागत रूप से सोने और चांदी की खरीदारी करने वाले रिटेल कस्टमर्स को घरेलू सर्राफा बाजार में आई जोरदार तेजी ने मायूस कर दिया है। सोना और चांदी की कीमत में जिस गति से बढ़ोतरी हो रही है, उससे धीरे-धीरे ये चमकीली धातुएं छोटे ग्राहकों की पहुंच से दूर होती जा रही हैं। माना जा रहा है कि अगले 1 सप्ताह में यानी धनतेरस और दिवाली तक सोना 83 हजार से 84 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक पहुंच सकता है। इसी तरह चांदी की कीमत भी 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच सकती है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में सोना आज 80 हजार रुपये के स्तर को पार करके रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत भी आज 1,04,000 रुपये के स्तर के पार पहुंची हुई है। सर्राफा बाजार में आई इस तेजी के लिए मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में हुई जोरदार बढ़ोतरी और घरेलू बाजार में फेस्टिवल सीजन और उसके बाद शुरू होने वाले वेडिंग सीजन की मांग को माना जा रहा है। बुलियन मार्केट एक्सपोर्ट संतोष झावेरी का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। कॉमेक्स पर सोना 2,764 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर को पार कर गया है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों की वजह से सोने के भाव में और तेजी आने की संभावना है। माना जा रहा है कि इस महीने के अंत तक सोने की कीमत 2,800 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर तक पहुंच सकती है। इसी तरह चांदी भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिलहाल 12 साल के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा हुआ है। 23 अक्टूबर को कॉमेक्स पर चांदी की कीमत 35.04 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर पर पहुंची हुई थी। अगले एक सप्ताह में चांदी की कीमत में भी 2 से 3 डॉलर प्रति ऑन्स तक तेजी आने की बात कही जा रही है।

सीबीआईसी अध्यक्ष ने व्यवहार संवेदीकरण कार्यक्रम का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने कर्मयोगी सप्ताह यानी राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह के दौरान सीबीआईसी में व्यवहार संवेदीकरण कार्यक्रम का राष्ट्रव्यापी शुभारंभ किया। इस पहल की शुरुआत सीबीआईसी के सभी 32 क्षेत्रों में 52 बैचों के साथ की गई है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस महत्वपूर्ण पहल का उद्देश्य व्यवहारिक संवेदनशीलता प्रशिक्षण कार्यक्रम के जरिए अपने कार्यबल की क्षमताओं को बढ़ाना है। इस कार्यक्रम को निरीक्षकों, अधीक्षकों, सहायक आयुक्तों और उप आयुक्तों सहित विभिन्न स्तरों पर करीब 35 हजार अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया है। सीबीआईसी अध्यक्ष रवि अग्रवाल ने

इसकी जारकारी देते हुए कहा कि कार्यक्रम की तैयारी और कार्यान्वयन में सहायता के लिए एक बाहरी ज्ञान भागीदार को शामिल किया गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रशिक्षण व्यापक और प्रभावशाली हो। उन?होंने कहा कि इसके अलावा एनएसीआईएन और जेडटीआई के साथ-साथ सभी क्षेत्रों की भागीदारी इस पहल के सफल क्रियान्वयन के लिए महत्वपूर्ण होगी।

अग्रवाल ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यवहार कौशल और संवेदनशीलता पर ध्यान केंद्रित कर शासन के प्रति अधिक उत्तरदायी और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण को प्रोत्साहन देना है, जिसके परिणामस्वरुप सेवा वितरण और लोकसंपर्क में सुधार होगा। यह प्रयास निरंतर व्यावसायिक विकास और कर्मयोगी पहल के व्यापक लक्ष्यों के साथ संरेखित नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सीबीआईसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मजबूत लिस्टिंग से फ्रेशर एग्रो के निवेशक हुए गदगद, 16 प्रतिशत प्रीमयम के साथ हुई शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज सिर्फ एक कंपनी ने ही लिस्टिंग के जरिये अपनी जगह बनाई। कृषि उत्पादों का निर्यात करने वाली कंपनी फ्रेशर एग्रो एक्सपोर्ट्स ने आज घरेलू शेयर बाजार में एंट्री की। कंपनी के शेयर आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 16.38 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से फ्रेशर एग्रो एक्सपोर्ट्स के शेयरों में गिरावट भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस शेयर ने रिकवर भी कर लिया। आईपीओ के तहत फ्रेशर एग्रो एक्सपोर्ट्स के शेयर 116 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 135

रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर लुढ़क कर 128.25 रुपये के स्तर पर आ गया लेकिन इस गिरावट के बाद एक बार फिर निवेशकों ने खरीदारी का जोर बना दिया, जिससे इस शेयर की रफ्तार में तेजी आने लगी। दोपहर 12 बजे फ्रेशर एग्रो एक्सपोर्ट्स का शेयर 18.95 रुपये यानी 16.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 134.95 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। फ्रेशर एग्रो एक्सपोर्ट्स का 75.39 करोड रुपये का आईपीओ 17 से 21 अक्टूबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। निवेशकों ने इस आईपीओ को हाथों-हाथ लिया, जिससे ये ओवरऑल 236.80 गुना सब्सक्राइब हो गया। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 129.22 गुना सब्सक्रिप्शन आया, जबकि नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर के लिए रिजर्व पोर्शन 510.61 गुना सब्सक्राइब हुआ। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन में 180.80 गुना सब्सक्रिप्शन आया था।

बिहार में करें बिजनेस : बिहार सरकार ने लुधियाना में इन्वेस्टर समिट का किया आयोजन

एजंसी

पटना। बिहार सरकार ने लुधियाना में एक विशेष बिजनेस रोड शो का आयोजन आज किया, जो निवेश आकर्षित करने और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के उसके महत्वाकांक्षी प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। यह कार्यक्रम बहुप्रतीक्षित बिहार बिजनेस कनेक्ट 2024 - ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण और सामान्य निर्माण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में बिहार की विशाल संभावनाओं को प्रदर्शित करना है। यह समिट बिजनेस टू गवर्नमेंट (बी2जी) दृष्टिकोण के तहत आयोजित की गई, जिसमें उद्योग क्षेत्र के प्रमुख लीडर्स जैसे नाहर ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री कमल ओसवाल, कैंडेक्स फिलामेंट के प्रबंध निदेशक राकेश गोयल इत्यादि ने भाग लिया। बिहार सरकार के उद्योग विभाग ने लुधियाना में इस प्रभावशाली निवेशक समिट की मेजबानी की, जिसमें उद्योग विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी और उद्योग निदेशक

सहित अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति रही। यह रोड शो निवेश को बढ़ावा देने और बिहार की निवेशक-अनुकूल नीतियों को बताने के लिए आयोजित किया गया था।

निवेशक सम्मेलन' (बिहार की संभावनाओं को खोलना- Unlocking Bihar's Potential: Investor Summit) शीर्षक से आयोजित इस रोड शो का उद्देश्य उभरते अवसरों, इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं और आकर्षक नीतियों को प्रस्तुत करना था, जो बिहार को निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनाते हैं। उद्योग विभाग की सचिव वंदना प्रेयसी ने निवेशकों के साथ बातचीत करके बिहार में निवेश के व्यापक लाभों पर चर्चा की। इसके साथ ही, उद्योग निदेशक और अन्य अधिकारियों ने मेगा फूड पार्क का दौरा भी किया। इस दौरान उन्होंने देखा कि मेगा फूड पार्क किस प्रकार से स्थानीय किसानों, उद्यमियों और उद्योगों को एक साथ लाकर कृषि-आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित कर रहा है। साथ ही वहां की कार्य इकाइयों और पंजाब सरकार द्वारा दी गई सुविधाओं का अवलोकन भी किया। पंजाब एग्रो इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन द्वारा विकसित यह पार्क खाद्य प्रसंस्करण उद्यमियों के लिए एक प्रमुख केंद्र है, जो प्लॉटेड एरिया, एमएसएमई शेड, और कोर प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी अनेक सुविधाएं प्रदान करता है। इस मौके पर नाहर ग्रुप के प्रबंध निदेशक कमल ओसवाल ने कहा, नाहर ग्रुप, मुम्बई में 20 मिलियन वर्ग फीट से अधिक विकसित परियोजनाओं के साथ रियल एस्टेट में अग्रणी है, जिसने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रिटेल, हॉस्पिटैलिटी, एंटरटेनमेंट और बिजनेस सेंटर्स जैसे क्षेत्रों में सफलतापूर्वक विविधता लाई है। बिहार में दो कपड़ा इकाइयों का संचालन करते हुए, हमें राज्य सरकार से असाधारण समर्थन मिला है। उपलब्ध सुविधाएं और कुशल श्रम शक्ति बिहार को हमारे बहुमुखी संचालन के विस्तार के लिए आदर्श स्थान बनाती है।

जिंदल इंडिया ने स्टील उत्पादों पर रंग चढ़ाने की मशीनरी के लिये जॉन कॉकरिल इंडिया से किया करार

नयी दिल्ली। बी.सी. जिंदल ग्रुप की स्टील उत्पाद बनाने वाली कंपनी जिंदल (इंडिया) लिमिटेड ने आधुनिक कलर कोटिंग लाइन (सीसीएल) की आपूर्ति के लिये जॉन कॉकरिल इंडिया लिमिटेड के साथ एक समझौता किया।

कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इस साझेदारी के तहत जिंदल (इंडिया) लिमिटेड के रानीहाटी कारखाने में एक आधुनिक कलर कोटिंग लाइन स्थापित की जायेगी और वहां नई कलर कोटिंग लाइन 2025 अंत चालू हो जायेगी। कंपनी को भरोसा है कि इससे कोटेड स्टील बाजार में जिंदल (इंडिया) की उपस्थिति सशक्त होगी। जिंदल (इंडिया) लिमिटेड के प्रवक्ता ने कहा, जिंदल (इंडिया) लिमिटेड द्वारा किया गया यह निवेश प्रीमियम स्टील उत्पाद बनाने और दक्षता एवं स्थायित्व बढ़ाने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जॉन कॉकरिल के पास कंटीन्युअस स्ट्रिप प्रोसेसिंग लाइन्स की डिज़ाइनिंग एवं निर्माण में गहरी विशेषज्ञता है। इस अनुबंध के तहत जॉन कॉकरिल इंडिया लिमिटेड सम्पूर्ण कलर कोटिंग लाईन के लिए विभिन्न यंत्रों और प्रणालियों की आपूर्ति करेगी।

जॉन कॉकरिल इंडस्ट्री के प्रजिडेंट औरजॉन कॉकरिल इंडिया लिमिटेड के निदेशक मंडल के अध्यक्ष अध्यक्ष फ्रैंकोइस डेविड मार्टिनो ने इस साझेदारी पर कहा, '' शानदार गुणवत्ता के स्टील उत्पादन में भरोसेमंद साझेदार के साथ जुड़ना, ऑटोमोटिव एवं व्हाईट गुड्स जैसे सेक्टरों में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। यह जिंदल इंडिया द्वारा जॉन कॉकरिल इंडिया लिमिटेड को दिया गया तीसरा कलर कोटिंग लाइन अनुबंध है। ''

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

नयी दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.03 प्रतिशत की तेजी लेकर 72.21 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 1.92 प्रतिशत उबलकर 76.40 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

सरकार अगले पांच साल में 50 और एयरपोर्ट विकसित करेगी : राममोहन नायडू

एजेंसी

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि केंद्र सरकार का इरादा अगले पांच साल में 50 अतिरिक्त एयरपोर्ट विकसित करने का है। नायडू ने राजधानी नई दिल्ली में एयरबस इंडिया और दक्षिण एशिया मुख्यालय पर प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन कार्यक्रम में यह बात कही। इस मौके पर नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअल्नम ने कहा कि देश में हवाई यात्रियों की संख्या अगले 5 साल में दोगुनी होने की उम्मीद है, पिछले साल यह संख?या 22 करोड़ रही थी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि सरकार का इरादा अगले पांच वर्षों में 50 नए एयरपोर्ट को विकसित करने का है। उन्होंने कहा कि यह संख्या अगले 20 वर्षों में 200 अतिरिक्त हवाई अड्डों तक हो जाने की उम्मीद

है। नायडू ने कहा कि मुझे नई दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एशिया में एयरबस के पहले पूर्ण स्वामित्व वाले मुख्यालय और प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाट्न करने का सौभाग्य मिला। उन्होंने कहा कि यह अत्याधुनिक प्रशिक्षण केंद्र हर साल 800 पायलटों के साथ-साथ 200 तकनीशियनों को प्रशिक्षित करेगी। नायडू ने कहा कि मैं हमारे विमानन पारिस्थितिकी तंत्र में इसके अहम योगदान के लिए एयरबस की सराहना करता हूं। नागरिक उड्डयन मंत्री ने देश की हवाई अड्डा पारिस्थितिकी को और विकसित करने की वकालत करते हुए कहा कि इससे रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण केंद्र हमारी अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नौकरियों का सृजन के अलावा भारत और दक्षिण एशिया में कुशल पायलटों की बढ़ती मांग को पूरा करने में सहायक होगा। गौरतलब है?कि नरेन्द्र मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में देशभर में हवाई अड्डों की संख्या दोगुनी होकर 157 तक पहुंच गई है।

सीतारमण ने विश्व बैंक अध्यक्ष से मुलाकात में एमडीबी सुधारों पर की चर्चा

एजेंसी

वाशिंगटन/नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने यहां वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं में निजी पूंजी की भागीदारी से संबंधित मुद्दों, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबीएस) में सुधार पर चर्चा की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को यहां विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वार्षिक बैठकों से इतर विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा से मुलाकात की और अन्य मुद्दों के अलावा एमडीबीएस में सुधार पर चर्चा की। वित्त मंत्री ने कहा कि वह विश्व बैंक द्वारा भारत की जी-20 अध्यक्षता से एमडीबी सुधारों पर आईईजी की सिफारिशों को आगे बढ़ाने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही हैं। उन्होंने भविष्य में सिफारिशों के कार्यान्वयन पर नियमित निगरानी का भी अनुरोध किया। सीतारमण ने बैठक के दौरान ब्रेटन वुड्स संस्थानों के 80 साल

पूरा होने पर चर्चा के लिए विश्व बैंक तथा आईएमएफ द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सलाहकार तंत्र पर व्यापक परामर्श प्रक्रिया की जरूरतों को रेखांकित किया। ब्रेटन वुड्स संस्थान, आईएमएफ और विश्व बैंक का एक समूह है। इस संस्था की स्थापना 1944 में अमेरिका के न्यू हैम्पशायर के ब्रेटन वुड्स में एक सम्मेलन में की गई थी। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने बैठक के दौरान आईईजी सिफारिशों पर पर्याप्त प्रगति का उल्लेख किया, जिन्हें जी20 में प्रस्तुत किया जाना है। उन्होंने डब्ल्यूबीजी के रोजगार, ज्ञान ढांचे, बैंक योग्य परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने पर जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कौशल, जल और स्वच्छता तथा शहरी विकास सहित भारत की बजट प्राथमिकताओं के साथ सहयोग करने पर जोर दिया। भारत की जी-20 अध्यक्षता के दौरान 2023 में गठित स्वतंत्र विशेषज्ञ समूह (आईईजी) ने एमडीबी में सुधारों के 'ट्रिपल एजेंडे' की सिफारिश की थी। इस एजेंडे के तीन तत्व अत्यधिक गरीबी को खत्म करना, साझा समृद्धि को बढ़ावा देना और 2030 तक वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं के लिए सतत ऋण स्तर को तीन गुना बढ़ाने में योगदान देना तथा तीसरा वित्तपोषण तंत्र बनाना शामिल है।

शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में मामूली गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज शुरुआती घंटे में जोरदार उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद पूरे दिन सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद पहले एक घंटे के दौरान जोरदार उतार-चढ़ाव होता रहा, लेकिन उसके बाद खरीदारी और बिकवाली का स्तर लगभग बराबर हो जाने के कारण शेयर बाजार सीमित दायरे में कारोबार करने लगा। दिनभर के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज के कारोबार में पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, बैंकिंग और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी ऑटोमोबाइल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में से अधिक बिकवाली होती रही। इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल, मेटल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.72 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में हुई बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 443.98 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 445.31 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.33 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,033 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,587 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,345 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 101 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,499 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 892 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,607 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 18 शेयर बढ़त के साथ और 12 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 24 शेयर हरे निशान में और 26 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 16.32 अंक की मामूली बढ़त के साथ 80,098.30 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही ये सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से 177.84 अंक की मजबूती के साथ 80,259.82 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से कुछ देर में ही ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 440 अंक से ज्यादा टूट कर 268.96 अंक की कमजोरी के साथ आज के सबसे निचले स्तर 79,813.02 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिससे पहले घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक रिकवरी करके हरे निशान में पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों एफआईआई और घरेलू संस्थागत निवेशकों डीआईआई के बीच खींचतान शुरू हो गई। एफआईआई जहां एक ओर जम कर बिकवाली करते रहे, वहीं घरेलू संस्थागत निवेशक लगातार लिवाली करके बाजार को सहारा देने की कोशिश करते रहे।

बदलते मौसम में जरूर खाएं यह लाल सब्जी, सर्दी से होगा बचाव, 5 फायदे जान तुरंत भागेंगे बाजार !

चुकंदर को इम्यूनिटी मजबूत करने में बेहद असरदार माना जाता है. यह सब्जी एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है और कई परेशानियों से राहत दिला सकती है. दिल की सेहत के लिए चुकंदर को रामबाण माना जा सकता है.

इस वक्त मौसम तेजी से बदल रहा है और बीमारियों का कहर देखने को मिल रहा है. बीमारियों से बचने के लिए लोगों को कुछ ऐसी चीजों का सेवन करना चाहिए, जिससे शरीर को फायदा मिले. बदलते मौसम में चुकंदर खाना बेहद लाभकारी है. चुकंदर में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन ष्ट और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में मदद करती है. यह शरीर में सूजन को कम करता है और हार्ट हेल्थ को बढ़ावा देता है. सर्दियों में चुकंदर शरीर को गर्म रखने में मददगार होता है. यह लाल सब्जी शरीर को भरपूर एनर्जी देती है और स्किन पर निखार लाती है.

हेल्थलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक चुकंदर पोषक तत्वों से भरपूर सब्जी है. इसमें उच्च मात्रा में फाइबर, विटामिन ष्ट और फोलेट होते हैं. इससे इम्यून सिस्टम को मजबूती मिल सकती है. चुकंदर में आयरन, मैंगनीज और पोटैशियम जैसे पावरफुल मिनरल्स भी होते हैं, जो एनर्जी प्रोडक्शन और मसल्स फंक्शनिंग में सहायक होते हैं. चुकंदर में नाइट्रेट्स भी होते हैं, जो ब्लड फ्लो को बेहतर बनाते हैं और एक्सरसाइज के दौरान सहनशक्ति को बढ़ाते हैं. चुकंदर स्वास्थ्य के लिए बेहद करामाती हो सकता है. चुकंदर को सलाद, सब्जी या अन्य व्यंजनों में डालकर खाया जा सकता है. इसका जूस भी बेहद चमत्कारी माना जाता हैचुकंदर खाने के 5 बड़े फायदे

दिल की सेहत के लिए चुकंदर को बेहद फायदेमंद माना जा सकता है. चुकंदर में नाइट्रेट्स होते हैं, जो खून की धमनियों को फैलाने में मदद करते हैं. इससे ब्लड फ्लो बेहतर होता है और हार्ट हेल्थ इंप्रूव हो सकती है. इससे दिल की बीमारियों का खतरा कम हो सकता है.

हाई ब्लड प्रेशर के मरीजो के लिए चुकंदर दवा से कम नहीं है. चुकंदर के नियमित सेवन से ब्लड प्रेशर कंट्रोल रहता है. इसमें मौजूद नाइट्रेट्स बीपी को कम करने में मदद करते हैं, जिससे हार्ट को राहत मिलती है.

चुकंदर में नेचुरल शुगर और कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो एनर्जी का अच्छा स्त्रोत हैं. इसे खाने से आप लंबे समय तक एनर्जेटिक महसूस करते हैं. खासकर एक्सरसाइज के समय चुकंदर का जूस बेहद लाभकारी होता है.

चुकंदर फाइबर से भरपूर होता है, जो पाचन तंत्र को सुचारु रखने में मदद करता है. यह कब्ज को दूर करने और आंतों की सेहत में सुधार लाने में सहायक होता है. इस पावरफुल सब्जी को वजन कम करने में भी कारगर माना जा सकता है.

चुकंदर में विटामिन ष्ट और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं. इससे रोगों से लड़ने की क्षमता बढ़ती है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट स्किन हेल्थ को सुधारते हैं. इससे त्वचा में चमक आती है और इस पर निखार आता है.

धर्मांधता के पागलपन का शिकार समाज

वैष्णव जन तो तेने कहिए रे, पीर पराई जाने रे, इस भजन के मायने हिंदू को जगाने वाले बेहूदा अभियान में गुम हो चुके हैं। राहुल गांधी के शब्दों में कह सकते हैं कि पूरे देश में केरोसिन छिड़क दिया गया है और चिंगारी लगने की देर है। अब ये चिंगारी बार-बार भड़कती हुई दिख रही है। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया विवि में दीवाली उत्सव में रंगोली सजाने और दीयों के जलाने पर छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हो गई।

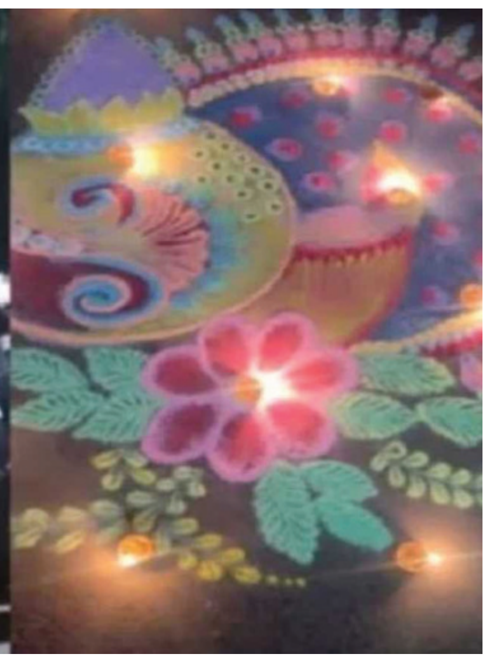

लगभग दो-ढाई दशक पहले न्यूज चैनलों ने टीआरपी बढ़ाने और सबसे आगे बने रहने की दौड़ में जब नए-नए प्रयोग करने शुरु किए थे, तब करवा चौथ के मौके पर किसी चैनल ने व्रत करने वाली महिलाओं के लिए चांद की लाइव तस्वीरें दिखाई थीं। उसके बाद यह सिलसिला मैदान में उतरे बाकी चैनलों ने भी शुरु कर दिया। उस समय पत्रकारिता और मीडिया का ऐसा हाल देखकर आश्चर्य हुआ था कि आखिर हमारा समाज किस दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसमें पूजा, व्रत जैसी निहायत व्यक्तिगत बातें भी अब खबरों के कारोबार में इस्तेमाल हो रही हैं। उस दौर में एनडीए की सरकार थी. वाजपेयी जी प्रधानमंत्री थे, लालकृष्ण आडवानी की प्रधानमंत्री बनने की हसरत थी और इंडिया शाइनिंग के नारे के साथ भाजपा को यकीन था कि भारत को चमकाने के नाम पर उसकी सियासत में चार चांद जरूर लगेंगे। बहरहाल, ऐसा नहीं हुआ, 2004 से 2014 तक यूपीए की सरकार रही। तब कांग्रेस के नेतृत्व में सूचना का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा, भोजन का अधिकार जैसे कई जनहितकारी फैसले भी आए। लेकिन अपने 10 सालों की सत्ता में कांग्रेस मीडिया के जरिए समाज में जहर भरने के दबे-छिपे एजेंडे को रोक पाने में नाकाम रही, बल्कि यह कहा जाए कि कांग्रेस समझ ही नहीं पाई कि उसकी नाक के नीचे दक्षिणपंथी ताकतें कैसा खेल कर रही हैं, तो शायद गलत नहीं होगा।कांग्रेस की इस नासमझी, नाकामयाबी और नजरंदाजी का खामियाजा अब देश भुगत रहा है। क्योंकि अब न्यूज चैनल करवा चौथ पर केवल चांद नहीं दिखा रहे, मेंहदी जिहाद के एजेंडे को भी चला रहे हैं। नरेन्द्र मोदी जब से सत्ता में आए हैं, तब से किस्म-किस्म के जिहाद देश में बताए जाने लगे हैं। ताजा मामला करवा चौथ पर लगाए जाने वाली मेंहदी से जुड़ा है। इस त्यौहार के मौके पर शहरों के व्यस्त बाजारों में फुटपाथ पर मेहंदी लगाने और लगवाने वालों की भीड़ आम बात है, कई सालों से ऐसा सिलसिला चल रहा है। लेकिन इस बार उप्र में कुछ जगहों पर दुर्गावाहिनी संगठन या इसी तरह के हिंदुत्ववादी संगठनों ने ऐलान किया कि हिंदुओं के इस धर्म में मेंहदी लगाने का काम मुस्लिम समुदाय के लोग नहीं करेंगे। सोशल मीडिया पर एक युवक का वीडियो भी वायरल हुआ, जो भरे बाजार में मुस्लिम लड़कियों को मेंहदी लगाने से रोक रहा था और गुंडागर्दी कर रहा था। इस तरह की खबरों को अगर प्रचारित-प्रसारित न किया जाए, तो ऐसे पागलपन को वहीं दबाया जा सकता है, लेकिन अगर मकसद पूरे देश को धर्मांधता के पागलखाने में तब्दील करना ही हो तो मीडिया की सेवाएं ली जाती हैं। इसलिए करवा चौथ पर चांद और पति की लंबी आयु के लिए पूजा करने वाली सुहागिनों की तस्वीरों, फिल्मी सितारों की करवा चौथ वाली पूजा के वीडियो के साथ-साथ अब मेंहदी जिहाद पर कार्यक्रम प्रसारित हो रहे हैं। हिंदू-मुसलमान के नाम पर दिन-रात बहसें कराकर अच्छे-भले लोगों का रक्तचाप बढ़ाने वाले एंकर संघ और भाजपा के एजेंडे को पूरा करने में लगे हैं।

इस पागलपन में देश के एक बड़े तबके को शिकार बनाया जा रहा है, जिसके रोज नए उदाहरण सामने आ रहे हैं। दुर्गा विसर्जन के जुलूस में उप्र के बहराइच में दंगा भड़का जिसमें एक नौजवान की मौत हो गई। इसमें भी गलत खबरों को धड़ल्ले से प्रसारित किया गया। उस युवक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बारे में झूठी बातें फैलाई गईं और इसमें कई बड़े पत्रकारों और भाजपा नेताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हालांकि बहराइच पुलिस ने साफ कहा कि उस युवक को मारने से पहले यातनाएं देने की बात गलत है, ऐसा कुछ नहीं हुआ था। पुलिस की सफाई तो आ गई, लेकिन समाज में सांप्रदायिक जहर फैलाने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। अगर होती तो शायद ऐसी कोशिशों पर थोड़ी रोक लगती। लेकिन बात वही है कि फिर भाजपा का मकसद पूरा करने का काम कौन करता।झारखंड में पिछले चुनाव में नरेन्द्र मोदी ने कपड़ों से पहचानने वाला बयान दिया था, अब वो बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा इस आदिवासी बहुल राज्य में उठा रहे हैं। उधर बिहार के सीमांचल को भी यही डर दिखाकर केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने की मांग उठी है। भाजपा सरकार में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह हिंदू स्वाभिमान यात्रा निकालकर खुलेआम धर्मनिरपेक्षता की अवहेलना कर रहे हैं और संविधान की शपथ का अपमान कर रहे हैं। दो दिन पहले राजस्थान में भाजपा विधायक बालमुकुंद बासबदनपुरा के शिया इमामगाह मस्जिद में घुस गए थे। उस वक्त नमाज के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, उनकी इबादत में दखल देते हुए बालमुकुंद ने कहा कि यह देवस्थान है। उनके इस तरह पहुंचने से हंगामा मचा और पुलिस तक खबर पहुंची, लेकिन पुलिस के आने से पहले विधायक महोदय वहां से चले गए। इमामबाड़े के इमाम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि विधायक ने उनके साथ बदतमीजी की, यहां तक कि वे इबादतगाह में जूते पहनकर घुस गए। अभी पिछले दिनों कर्नाटक की अदालत ने मस्जिद में जय श्रीराम के नारे लगाने को गलत नहीं माना था। अब देखना होगा कि भाजपा विधायक पर कोई कार्रवाई होती है या इसे भी भाजपा राज में गलत नहीं माना जाएगा, क्योंकि वे तो हिंदुत्व का परचम लहराने ही इमामबाड़ा पहुंचे थे।

एक तरफ बटेंगे तो कटेंगे जैसे जुमले भाजपा उछाल रही है और सारे हिंदुओं को एकजुट करने के संघ सरसंचालक के निर्देशों पर अमल कर रही है और दूसरी तरफ हिंदुस्तान को अल्पसंख्यकों के लिए असुरक्षित देश बनाने में लगी है। इस खतरनाक एजेंडे की चपेट में जनता का एक बड़ा तबका पहले ही आ चुका है, अब न्यायपालिका, पुलिस प्रशासन, संसद और विधानसभाओं में बैठे लोग, खेल, कला जगत, व्यापारिक संस्थान, मीडिया से जुड़े लोग भी बिना किसी लिहाज, पर्दादारी के बेझिझक इस एजेंडे को गर्व के साथ आगे बढ़ा रहे हैं। उन्हें लगता है कि वे इस तरह अपने धर्म की सेवा कर रहे हैं, और इसी से देश की सेवा भी होगी। लेकिन असल में ये देश के खिलाफ भयानक षड्यंत्र में भागीदार बन रहे हैं। क्योंकि अब जिस तरफ निगाह दौड़ाइए, धर्म के नाम पर शक और नफरत से भरे लोग दिखाई देंगे, जिन्हें दूसरे धर्म के लोगों की खुशी से तकलीफ होती है और ये खुद तब खुश होते हैं, जब दूसरे पीड़ा में दिखाई दें।

वैष्णव जन तो तेने कहिए रे, पीर पराई जाने रे, इस भजन के मायने हिंदू को जगाने वाले बेहूदा अभियान में गुम हो चुके हैं। राहुल गांधी के शब्दों में कह सकते हैं कि पूरे देश में केरोसिन छिड़क दिया गया है और चिंगारी लगने की देर है। अब ये चिंगारी बार-बार भड़कती हुई दिख रही है। दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया विवि में दीवाली उत्सव में रंगोली सजाने और दीयों के जलाने पर छात्रों के दो गुटों के बीच झड़प हो गई। आरोप है कि एक गुट रंगोली मिटाने और दीयों को बुझाने की कोशिश कर रहा था, जिसमें दोनों के बीच झड़प हुई। आरोप का सच और झूठ तो जांच का विषय है, लेकिन यह साफ दिख रहा है कि देश के शैक्षणिक संस्थानों में धर्मांधता के पागलपन का वायरस अच्छे से घुसा दिया गया है।

होली, दीवाली, ईद, क्रिसमस बरसों-बरस शांति और सौहार्द्र के साथ मनाए जाते रहे हैं। धर्मों को लेकर झगड़े भी होते रहे

, लेकिन पूरा का पूरा समाज उनमें उलझा हुआ दिखाई नहीं दिया। मगर करवा चौथ का चांद दिखाने से लेकर मेहंदी जिहाद तक लाने के सफर में समाज को उलझाने की कोशिश कामयाब हो चुकी है। इसलिए प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश का साथ आरती करना दिव्य घटना के समान लगता है। अयोध्या विवाद जैसे गंभीर मामले में फैसला लेने के लिए भी सीजेआई को भगवान के सामने बैठना पड़ा यह बात खुद उन्होंने कही है। फैसला तो हिंदुओं के पक्ष में आया और बाबरी मस्जिद तोड़ने वाले अब भी खुले ही घूम रहे हैं। लेकिन इस इंसाफ पर सवाल उठाने की गुंजाइश भी भगवान का नाम लेकर खत्म की गई है।धर्मांधता की बीमारी के इलाज की उम्मीदें दिन ब दिन कम होती जा रही हैं। अब समाज सोचे कि वह इस पागलपन से खुद को अपनी भावी पीढ़ियों को कैसे बचाए, क्योंकि जिन लोगों ने ये बीमारी बढ़ाई है, उनके बच्चे बाहर पढ़-लिख कर बस रहे हैं और आपके बच्चे विदेश जाकर पढ़ना चाहें तो उसे बीमारी करार दिया जा रहा है। अब लोग शिक्षा या डिग्री जिहाद का जुमला सुनने के लिए भी तैयार रहें।

संपादकीय

प्रियंका की चुनावी सियासत का आगाज़

अपने बड़े भाई राहुल गांधी की केरल के वायनाड की छोड़ी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिये प्रियंका गांधी-वाड्रा ने बुधवार को परचा भरकर अपनी चुनावी राजनीति की शुरुआत कर दी है। परिवारवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी को एक और हमले का अवसर देते हुए कांग्रेस ने प्रियंका को मैदान में उतारा तो है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषक प्रियंका का पलड़ा इस कदर भारी बतला रहे हैं कि भारतीय संसद पहली बार एक नहीं, दो नहीं बल्कि गांधी-नेहरू परिवार के तीन सदस्यों को एक साथ देखने जा रही है। राहुल ने 2024 का आम चुनाव वायनाड के साथ रायबरेली से लड़ा था। दोनों सीटों पर जीतने के बाद उन्होंने वायनाड की सीट छोड़ दी जहां से वे 2019 में भी निर्वाचित हुए थे। उस बार भी वे दो जगहों से चुनाव लड़े थे। दूसरा लोकसभा क्षेत्र अमेठी था, जहां उन्हें स्मृति ईरानी ने हराया था। 1998 से रायबरेली का प्रतिनिधित्व कर रही उनकी मां सोनिया गांधी इस साल हुए चुनाव में खड़ी नहीं हुईं परन्तु उन्हें पार्टी ने राज्यसभा में भेजा है। यदि वायनाड में होने जा रहे उपचुनाव में प्रियंका जीत जाती हैं तो वे परिवार की तीसरी मौजूदा सांसद होंगी।वे बेशक गांधी परिवार की सदस्य हैं, लेकिन उन्होंने पिछले कुछ वर्षों से चुनावी प्रबंधन में अपनी कुशलता का परिचय दिया है। आकर्षक व्यक्तित्व की धनी प्रियंका सड़कों पर संघर्ष करना जानती हैं, विमर्श रचती हैं, भाजपा के आरोपों का मुंहतोड़ जवाब देती हैं और मुद्दों को लेकर सरकार पर टूट पड़ती हैं। पिछले 5 वर्षों के दौरान पार्टी की बतौर महासचिव उन्होंने सबसे पहले उत्तर प्रदेश का जिम्मा सम्हाला।हालांकि 2019 के लोकसभा और 2022 के विधानसभा चुनावों में उनके नेतृत्व में कांग्रेस को बहुत सफलता नहीं मिल सकी थी। इसके कारण काफी लोगों को लगने लगा था कि प्रियंका में वह बात नहीं है जिसकी उम्मीद थी। भाजपा के लिये यह विशेष संतोष की बात थी। नाकामी से विचलित हुए बिना प्रियंका ने अपनी लड़ाई का मुंह सड़कों की तरफ़ मोड़ दिया।

महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार के साथ महिला सुरक्षा और उनके साथ होने वाले अत्याचारों को लेकर वे मुखर रहीं। उप्र में लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा चाहे विशेष कामयाब न हो पाया परन्तु उन्होंने प्रदेश में होने वाले बलात्कारों तथा उत्पीड़न के खिलाफ जोरदार आवाज़ें उठाईं। प्रशासन ने कई जगहों पर उन्हें जाने से रोकने की कोशिशें की थीं, पर वे हाथरस, उन्नाव आदि गयीं और अपनी कटिबद्धता व साहस का परिचय देती रहीं।ऐसा नहीं है कि उन्हें राजनीतिक समझ उनके पिता राजीव गांधी की तरह सक्रिय राजनीति में उतरने के बाद हुई। जब राजीव प्रधानमंत्री बने तो वे बहुत छोटी उम्र में उनके साथ पिता के चुनावी क्षेत्र अमेठी जाया करती थीं। उनके परिवार के प्रति लोगों के अनुराग को उन्होंने नज़दीक से देखा था और उनमें देश के प्रति दायित्व की समझ कम उम्र में विकसित हो गयी थी। उन्होंने अपने भाई के साथ-साथ पहले दादी इंदिरा गांधी और बाद में राजीव की शहादत को भी देखा था। निराशा व नाराज़गी के बावजूद उन्होंने देश के लिये परिवार के इन दो लोगों के त्याग का महत्व समझा।देश के प्रथम राजनीतिक परिवार की सदस्य होने के नाते सियासत का प्रशिक्षण उन्हें स्वाभाविकत- बचपन से ही मिलता गया। इसका लाभ लेते और उसका प्रदर्शन करते हुए प्रियंका लगातार सक्रिय रहीं। कर्नाटक, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, राजस्थान, मध्यप्रदेश, हरियाणा आदि राज्यों में उन्होंने जमकर चुनाव प्रचार किया। यह अलग बात है कि उनकी पार्टी को कहीं सफलता मिली तो कहीं असफलता, लेकिन उनके करिश्माई व्यक्तित्व के ज्यादातर लोग मुरीद होते गये। मौजूदा लोकसभा में यदि कांग्रेस की सदस्य संख्या लगभग दोगुनी हुई है तो उसमें राहुल एवं कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ प्रियंका के भी योगदान से कोई इंकार नहीं कर सकता। वैसे प्रियंका का चुनावी प्रबन्धन का 35 वर्षों का अनुभव है- कभी अपनी मां सोनिया तो कभी राहुल के लिये। इस बार उन्होंने अमेठी में किशोरीलाल शर्मा को जीत दिलाई थी।पिछले दिनों राहुल द्वारा की गयी दो पदयात्राओं के दौरान जो विमर्श गढ़ा गया तथा जिसे लोकसभा में सांसद के तौर पर स्वयं राहुल व कांग्रेस ने बढ़ाया, उसे सड़कों पर प्रियंका ने मजबूती दी। राहुल जिस प्रकार महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, सामाजिक न्याय आदि की बातें उठाते रहे, उसमें अपना सशक्त स्वर प्रियंका ने मिलाया है। मोदी सरकार तथा देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों के खिलाफ भी बेखौफ होकर प्रियंका ने अपनी रैलियों में आवाज़ उठाई। वायनाड सीट पर राहुल दो बार चुनाव जीत चुके हैं।उनका यहां अच्छा खासा प्रभाव है- बावजूद इसके कि वे यह सीट छोड़ चुके हैं। इसलिये प्रियंका जब यहां नामांकन भरने पहुंची तो उस मौके पर आयोजित रोड शो के रूप में जो जनसैलाब उमड़ा, उसने इस बात का आभास दे दिया है कि चुनावी परिणाम क्या होगा।

मणिपुर के लिए स्वीकार्य शांति फार्मूला तैयार करने में केंद्र की कठिनाई

मैतेई, नागा और कुकी-जो मणिपुर के प्रमुख समुदाय हैं। 3 मार्च, 2023 को मैतेई और कुकी-जो के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से नागाओं ने तटस्थ रुख अपनाया है। उनका रुख स्पष्ट है। यूनाइटेड नागा काउंसिल के महासचिव वरेयोशात्सांग ने संवाद को बताया, %केंद्र सरकार मैतेई और कुकी के बीच संघर्ष को सुलझाने का प्रयास कर रही हो सकती है; उन्हें ऐसा करने दें।

हमें सूप की कटोरी या चाय या कॉफी के कप के साथ सामाजिक मेलजोल करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है; लेकिन उसके बाद यह हमारे लिए %इतनी ही दूरी और उसके आगे और कुछ भी नहीं% है। हमारी अपनी पुरानी मांगें हैं और हम उन्हें पूरा करने के लिए दृढ़ हैं%, महत्वपूर्ण कुकी और नागा नेताओं ने संवाद को बताया, जब उनसे मंगलवार, 15 अक्टूबर को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा हिंसाग्रस्त मणिपुर में कुकी-जो-हमार, मैतेई और नागा समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य के विधायकों के साथ हुई बैठक के बारे में पूछा गया।

बैठक पर मंत्रालय के संक्षिप्त बयान में इसे शांति की खोज कहा गया, लेकिन यह विवरण बहुत किफायती था। बयान में मुख्यमंत्री एनबीरेन सिंह की बैठक में अनुपस्थिति के बारे में कुछ भी नहीं कहा गया। कुकी-जो-हमार, मैतेई और नागा विधायकों को एक साथ मिलना था, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मंत्रालय को कुकी-जो-हमार विधायकों के लिए एक अलग बैठक के लिए सहमत होना पड़ा। इस प्रकार, यह केवल मैतेई और नागा विधायकों की एक संयुक्त बैठक बन गयी।जानकार राजनीतिक हलकों के अनुसार, कुल 30 से अधिक भाजपा विधायकों में से 19 ने पार्टी के शीर्ष नेताओं से मांग की है कि मौजूदा मुख्यमंत्री को बदला जाये। उनमें से अधिकांश मैतेई विधायक हैं। इस संदर्भ को देखते हुए, पार्टी आलाकमान ने महसूस किया कि मुख्यमंत्री, जो मैतेई के प्रतिष्ठित नेता हैं, को बैठक से दूर रहना चाहिए।

संयुक्त बैठक के संदर्भ में मंत्रालय के उद्देश्य के विपरीत अलग बैठक के बारे में पूछे जाने पर, कुकी नेताओं ने इस संवाददाता से कहा कि मैतेई प्रतिनिधियों के साथ भागीदारी का कोई सवाल ही नहीं था। बहुत लंबे समय से वे हमारे प्रति उदासीन रहे हैं। बहुत लंबे समय से वे हम पर हावी रहे हैं। दिलचस्प बात यह भी रही कि जब उन्हें बीरेन सिंह के खिलाफ 50 प्रतिशत से अधिक भाजपा विधायकों द्वारा विद्रोह के बारे में बताया गया, तो उन्होंने कहा- %हमें कोई परेशानी नहीं है; हमें मुख्यमंत्री पर कोई भरोसा नहीं है। वह हमेशा से हमें नजरअंदाज करते रहे हैं%।

पूर्वोत्तर के लिए केन्द्रीय मंत्रालय की ओर से वार्ताकार ए के मिश्रा के

सामने एक कठिन काम है, यह मणिपुर में कुकी और नागा संगठनों के रुख से पता चलता है। कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन और कुकी स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन से करीबी तौर पर जुड़े डॉ. सेलेनहाओकिप ने संवाद से कहा- %हम केंद्र शासित प्रदेश की अपनी मांग पर अड़े हुए हैं, जिसका मैतेई बहुल इलाकों से प्रशासनिक तौर पर कोई लेना-देना नहीं होगा। विधायी तंत्र के साथ एक केंद्र शासित प्रदेश की व्यवस्था न्याय और प्रशासन और सरकार में हमारी सार्थक भूमिका सुनिश्चित करेगी।%नागा लोगों का रुख बिल्कुल अलग है। उनके शीर्ष संगठन यूनाइटेड नागा काउंसिल ने समय-समय पर मैतेई बहुल इंफाल घाटी और कुकी-जो लोगों की अच्छी संख्या वाली पहाड़ियों में उन पर किये गये अत्याचारों को सूचीबद्ध किया है। यूएनसी ने मैतेई और कुकी-जो समुदायों से भी अनुरोध किया है कि वे इंफाल घाटी और परिधीय पहाड़ी क्षेत्रों में नागाओं, उनके आवासों और संपत्तियों पर हमला करने से खुद को रोकें।मैतेई, नागा और कुकी-जो मणिपुर के प्रमुख समुदाय हैं। 3 मार्च, 2023 को मैतेई और कुकी-जो के बीच जातीय संघर्ष शुरू होने के बाद से नागाओं ने तटस्थ रुख अपनाया है। उनका रुख स्पष्ट है। यूनाइटेड नागा काउंसिल के महासचिव वरेयोशात्सांग ने संवाद को बताया, %केंद्र सरकार मैतेई और कुकी के बीच संघर्ष को सुलझाने का प्रयास कर रही हो सकती है; उन्हें ऐसा करने दें। लेकिन, किसी भी परिस्थिति में हमारी जमीन, जो वास्तव में हमारी पैतृक जमीन है

, उसे कुकी को देकर समझौता नहीं किया जाना चाहिए। साथ ही, हम मैतेई को एसटी का दर्जा देने के सख्त खिलाफ हैं। हम कुकी को स्वदेशी लोग नहीं मानते हैं; वे सालों पहले उस समय के बर्मा से आये थे, जो बाद में म्यांमार बन गया।%यूएनसी के अध्यक्ष एनजी लोरहो ने पहले ही आधिकारिक तौर पर कहा था कि नागाओं के लिए प्राथमिकता अनुवर्ती कार्रवाई और 3 अगस्त, 2015 को नई दिल्ली के साथ हुए रूपरेखा समझौते का क्रियान्वयन है। लोरहो ने इस बात पर भी जोर दिया था कि वे कुकी या मैतेई के खिलाफ नहीं हैं।15 अक्टूबर को नई दिल्ली में हुई बैठक के बारे में पूछे जाने पर शात्सांग ने सुझाव दिया कि केंद्र को अपने शांति प्रयासों में नागरिक समाज संगठनों (सीएसओ) और छात्र संगठनों को बड़े पैमाने पर शामिल करना चाहिए। मणिपुर के विधायकों की कोई विश्वसनीयता नहीं है। वे कानूनी तौर पर लोगों के प्रतिनिधि हो सकते हैं, लेकिन वास्तव में वे नहीं हैं। स्थापित सीएसओ में यूएनसी, मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति और कुकी इंपी का उल्लेख किया जा सकता है। अंतिम उल्लेखित सीएसओ आदिवासी कुकी लोगों की सरकार का पारंपरिक रूप है, जो कबीले के प्रमुखों और गांव के प्रमुखों से बना है।कई छात्र संगठन हैं जो अपनी विश्वसनीयता के लिए जाने जाते हैं और जो अच्छा काम कर रहे हैं। शांति प्रक्रिया के प्रयासों की विश्वसनीयता होगी यदि उन्हें विचार-विमर्श में योगदान देने के लिए कहा जाये। शात्सांग ने संवाद को बताया कि वास्तव में, नागरिक समाज संगठनों और छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों, दोनों से युद्धरत पक्षों का सहयोग प्राप्त करने के लिए कहा जाना चाहिए।

शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है। बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

मेहँदी है रचने वाली

हाथों में गहरी लाली

मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

ग्लिटर मेहँदी का ग्लो

फैशनेबल मेहँदी के रूप में ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी में मेहँदी का कोई उपयोग नही होता। यह शुद्धरूप से कैमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन में मिलने लगे हैं। बस पाँच मिनट में तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू में किया जाता है। टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़कर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी हैं। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

पारंपरिक का जलवा

वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते हैं। शादियों में दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग में लाती है। पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते हैं।

रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन में आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

राजस्थानी का राज

राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय हैं जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते हैं। इन प्रतीकों में मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

अरेबियन का आकर्षण

कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद में शामिल है।
इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।

चलो घर सजाएं

- शकर के डिब्बे को चीटियों व मक्खियों से बचाने के लिए उसके पास एक पुड़िया में कपूर रख दें।
- हीटर ,केटली ,टोस्टर आदि विद्युत उपकरणों पर काम करते समय ध्यान रखें कि आपके हाथ सूखे हों और पैर में रबर की चप्पल पहने हों लक ड़ी के तख्ते पर खड़े होकर काम करने से भी करंट से बचा जा सकता है।
- खाना बनाते समय दाल -चावल को धोकर कुछ देर पहले से ही भिगो दें ऐसा करने से वह जल्दी व अच्छी तरह पक जाएँगे इससे गैस की भी बचत होती है।
- कच्ची सब्जियाँ यदि मुरझाई व बासी लग रही हों तो इन्हें नींबू के रस मिले पानी में एक घंटे के लिए डाल दें वे फिर ताजी लगने लगेगी।
- महँगी क्रॉकरी अगर एक जगह से दूसरे शहर ले जानी हो तो उसे भिगोकर बिना पोंछे ही अखबार में लपेट लें इ ससे कागज क्रॉकरी पर चिपक जाएगा और ले जाते समय सुरक्षित रहेगी।
- कोई भी भरवां सब्जी बनाते समय मसाले में थोड़ा सा भुना मूंगफली का चूर्ण डाल देने से सब्जी का स्वाद बढ़ जाएगा।
- पिसे हुए मसालों को अधिक दिन तक सुरक्षित रखने के लिए उसमें साबुत नमक की डलियाँ डाल दीजिए।
- तकिए में रुई भरवाते समय उसमें दो-तीन टिकिया कपूर डाल दें गर्मियों में यह तकिया ठंडकर का अहसास कराएगा।

कोई भी युवती जब दुल्हन बनती है तो स्वयं को एक खूबसूरत से लहँगे में ही देखना चाहती है इसके लिए उसकी तलाश होती है सबसे सुंदर व अनूठे लहँगे की लेकिन वे काफी मँहगे भी होते हैं। इन्हें खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं ऐसे में कई बार मन मसोस कर रह जाना पड़ता था लेकिन अब उनकी यह परेशानी हल कर दी है किराए पर मिलने वाले लँहगों ने।

किराए के लहँगों से दुल्हन का श्रृंगार

इन दिनों मार्केट में एक से बढ़कर एक लहँगे और इनसे मैच करती ज्वेलरी किराए पर उपलब्ध है जिन्हें पहनकर दुल्हनें किसी अप्सरा से कम नहीं लगती और उन्हें ज्यादा राशि भी खर्च नहीं करनी पड़ती।आम तौर पर मध्यमवर्गीय परिवारों में शादी के अन्य खर्चे ही इतने अधिक होते हैं और इतनी भारी ड्रेस व ज्वेलरी बार -बार पहनने में नहीं आती है इसलिए किराए पर लहँगा मिल जाने से एक बड़ी रकम इसमें खर्च होने से बच जाती है।

बढ़ा है किराए पर लेने का चलन

महँगे कपड़े व ज्वेलरी किराए पर लेने का चलन इन दिनों बहुत बढ़ गया है क्योंकि टी.वी.सीरियलों में दिखाए जाने वाले दुल्हनों के महँगे ड्रेस पहनना तो हर कोई चाहता है लेकिन खरीदना हर एक के बजट में नहीं है ऐसे में किराए पर इन्हें लेकर आसानी से यह इच्छा पूरी की जा सकती है। यही नहीं दुल्हन की बहनें ,भाभियों व अन्य रिश्तेदार भी किराए पर ड्रेस लेकर शादी के समारोह में आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं।

हर वर्ग व बजट का ध्यान

मार्केट में हर वर्ग की पसंद व बजट के अनुसार किराए पर लहँगे व ज्वेलरी उपलब्ध है। लाइट व हैवी वर्क वाले 5हजार से लेकर 30हजार कीमत तक के लहँगे हैं जिन्हें 500से लेकर 4हजार रुपए तक में एक दिन के लिए किराए पर दिया जाता है। वहीं ज्वेलरी 200से 500रूपए में दी जाती हैं। इनमें कुंदन ,रानी हार ,पोलकी व स्टोन वाली ज्वेलरी अधिक पसंद की जा रही है। इन दिनों ए लाइन व फिश कट में ग्रीन, महरून,मल्टी कलर व रानी कलर के लहँगों की डिमांड ज्यादा है इन्हें 2से 4 हजार रुपए में किराए पर लिया जा सकता है। कुंदन,जरी,दबका,स्टोन व एंटीक वर्क से सजे दस से 40हजार तक की कीमत वाले ये लहँगे कलकत्ता व फरूखाबाद से मँगवाए जाते हैं। वहीं इन दिनों पोलकी,जोधा अकबर व स्टोन वाली ज्वेलरी की माँग ज्यादा है। शादी तय होते ही युवतियाँ इनकी बुकिंग करा देती हैं। गौरतलब है कि करीब दो दशक पहले पार्लर में महंगी ड्रेस किराए से देने का चलन तेजी से बढ़ा था। अब तो मेट्रो सिटी में दुल्हन की मांग और पसंद के अनुसार डिजाइनर लहंगे और आभूषण भी तैयार करवाए जाने लगे हैं। इतना जरूर है कि इस विशेष इंतजाम के लिए कुछ ज्यादा खर्च करना पड़ता है।

हाथों में छिपे हैं बीमारियों के राज

हाथ सिर्फ तकदीर का हाल नहीं बताते, बल्कि बीमारियों का भी पता देते हैं। नए शोधों इस बात का खुलासा हुआ है कि आपके सेहत से जुड़ी बहुत-सी जानकारियां आपके हाथों, उसकी त्वचा और नाखूनों के आकार-प्रकार तथा रंगत में छिपी होती हैं। महिलाओं की हथेली बता सकती है कि उसे गर्भाशय के कैंसर का खतरा कितना है। 74 साल की एक महिला डॉक्टर के पास पहुंची। उसकी हथेलियों पर एक सख्त गांठ जैसी चीज उभरी हुई थी। शुरूआती जांच में महिला में कोई गड़बड़ी नहीं दिखाई दी, लेकिन जब उसकी गहन जांच की गई तो पता चला कि महिला को गर्भाशय का कैंसर है। डॉक्टरों के मुताबिक हथेली पर उभरने वाले सख्त मांस पिंड के बारे में मेडिकल दस्तावेज खंगाले गए तो पता चला कि यह उभार गर्भाशय कैंसर के शुरूआती संकेत हैं।

हाथों को देखकर व्यक्ति के स्वास्थ्य के बारे जानकारियां जुटाने की मुहिम में जुटे डॉ. ग्राहम एस्टन ने बताया, 'जब भी मैं अपने मरीजों से मिलता हूं, सबसे पहले उनसे हाथ मिलाता हूं। उसके हाथ उनकी सेहत संबंधी जानकारियों से भरे-पूरे होते हैं।' यही वजह है कि अब बहुत सारे डॉक्टर हाथों की बनावट और स्किन के टैक्चर के आधार पर रोग के बारे में अपनी राय कायम करते हैं और फिर उसी दिशा में डाइगनोसिस प्रक्रिया को शुरू करते हैं। ब्रिटेन और अमेरिका के डॉक्टर इस विधि को निदान की प्रक्रिया से जोड़ने के लिए विभिन्न मेडिकल काउंसिलों से बात कर रहे है।

लंदन के कुछ डॉक्टरों ने हाथ के रंग, त्वचा की बनावट को आधार बनाकर एक चार्ट तैयार किया है, जो यह बताता है कि अमुक दशा में यह रोग होने की आशंका रहती है।

लालिमा लिए हथेली :

इस तरह की हथेली डॉक्टर को लिवर के बारे में काफी जानकारियां दे सकती है। लाल हथेलियों का यह कतई मतलब नहीं है कि किसी के शरीर में काफी खून है, बल्कि इस बात की आशंका व्यक्त करता है कि उसको लिवर सिरोसिस हो सकती है। सिरोसिस का मतलब होता है लिवर के ऊत्तकों का क्षरण। बहुत ज्यादा शराब पीने से सिरोसिस का अंदेशा रहता है। यह अन्य कारणों से भी हो सकती है, जैसे हेपेटाइटिस-सी या दूषित जल का लगातार सेवन।

चर्बीयुक्त उंगलियों के जोड़ :

उंगलियों के जोड़ों पर यदि पिंडनुमा मांस जमा हो जाए तो यह शरीर के भीतर उच्च श्रेणी के कोलेस्टेरोल के जमा होने का सूचक है। ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन में कार्डियक नर्स एलेन मैसन के मुताबिक वर्षों तक नसों में वसा जमा होता रहता है और बाद में पिंड के रूप में उभर आता है। उन्होंने बताया कि ऐसे लोगों के रक्त में जन्म से ही उच्च कोलेस्टेरोल रहता है और इनमें से कई कम उम्र में ही अकाल मृत्यु के शिकार हो जाते हैं।

स्पून नेल्स :

हममें से बहुतों के उत्तल या उभरे हुए नाखून होते हैं, किसी गेंद जैसी गोलाई लिए हुए, लेकिन यदि आपके नाखूनों के बीच में गड्ढा है तो यह इस बात का संकेत है कि आपके शरीर में आयरन की कमी है। ऐसे लोगों में खून की कमी भी हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि रक्त की कमी से नाखून टेढ़े-मेढ़े और खुरदुरे हो जाते हैं।

घुमावदार उंगलियां :

यदि किसी की उंगलियों के पोर वक्राकार हैं तो भयंकर बीमारियों, कैंसर या टीबी के संकेत हो सकते हैं। आज से कोई 2000 साल पहले अनुमान पर आधारित चिकित्सा करने वाले नीम हकीम घुमावदार पोर देखकर लोगों को जानलेवा बीमारियों के प्रति सचेत करते थे, लेकिन लीड्स विश्वविघालय के वैज्ञानिकों ने अब जाकर इसे सही पाया है। यह पीजीई 2 नाम के एक पदार्थ के फेफड़ों के आसपास जमा होने से होता है, जो बाद में चलकर कई तरह की बीमारियों की वजह बनता है। शरीर के बाहर यही पदार्थ उंगलियों के पोरों में जमा होता है, जिससे सूजन आती है।

नीली उंगलियां :

किसी व्यक्ति के रक्त में आक्सीजन की मात्रा कितनी है, इसे जानने के लिए डॉक्टर उस व्यक्ति के नाखूनों, पैर के पंजों और होंठ का निरीक्षण करते हैं। शरीर के इन हिस्सों के गुलाबी होने का मतलब है, अच्छा ब्लड सर्कुलेशन, लेकिन इनके नीले होने का मतलब है कि शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल रही है।

डॉक्टरों ने कुछ और मेडिकल संकेतों का जिक्र किया है। यदि नाखूनों पर नन्हे उभार हैं तो इसे गठिया होने का संकेत माना जाए। अगर नाखून पोरों की आर से सफेद या पीले हैं और त्वचा के पास आकर भूरे-से हो जाते हैं तो इसे भविष्य में किडनी फेल होने की चेतावनी माना जाए। हथेलियों से पसीने आने का अर्थ है थाइरॉइड का खतरा।

हेल्थ प्लस

सर्दी-जुकाम छूं-छूं...सूं-सूं....

कैसे फैलते हैं

सर्दी-जुकाम वायरस की वजह से होते हैं, किंतु ये कई माध्यमों से फैलते हैं। सर्दी लगना राइनोवायरस के कारण होता है। यह वायरस तीन घंटों तक किसी ठोस सतह पर सक्रिय रह सकता है जैसे दरवाजे की कुंडी या टेलीफोन के रिसीवर पर। इस तरह से यह हाथ द्वारा फैलता है। जुकाम का वायरस हवा द्वारा तब फैलता है, जब रोगी बातचीत करे, जम्हाई ले या खांसे। यह वायरस 10 मिनट तक हवा में सक्रिय रहता है।

रोकथाम

- सर्दी का वायरस हमारे शरीर को म्यूकस मैम्ब्रेन के जरिए प्रभाव डालता है। इस लिए अपनी नाक व आंखों को मसलें नहीं तथा मुंह के भीतर हाथ न डालें। सर्दी से बचने का सबसे बेहतर तरीका यह है कि वायरस को अपने हाथों से दूर रखें।
- सर्दियों के दस्तक देते ही जब आपको सर्दी के सिग्नल मिलने लगें, जैसे गला जाम लगे या नाक भारी होने लगे तो फिर रोजाना विटामिन-सी की खुराक लेना आरंभ कर दें। यह खुराक 250 एमजी से 500 एमजी तक हो सकती है।

शिशुओं को न दें अधिक आयरन, हो सकता है नुकसान

यह आम धारणा है कि आयरन (लौह) हमारे शरीर के लिए आवश्यक है। आमतौर पर बच्चों के कमजोर होने पर अभिभावक उसे आयरन की दवा देने के बारे में सोचने लगते हैं लेकिन नहीं, जरा ठहरिए। न्यूयार्क में किए गए एक नए शोध से यह सामने आया है कि शिशुओं को अधिक मात्रा वाली आयरन की दवा देना नुकसानदेह हो सकता है। मिशीगन विश्वविघालय की प्रोफेसर और प्रमुख शोधकर्ता बीटसे लोजफ ने कहा, हमारे शोध के परिणाम चौंकाने वाले हैं। अमेरिका में आमतौर पर बच्चों को आयरन की कमी से बचाने वाली जो दवाएं आती हैं, वह सभी 12 एमजी की होती हैं जबकि यूरोप में अपेक्षाकृत कम मात्रा वाली दवा का इस्तेमाल किया जाता है। विश्वविघालय ने दस साल तक के 494 बच्चों पर शोध किया और पाया कि जिन बच्चों को 12 एमजी वाली दवाएं दी गई उनका शारीरिक विकास उन बच्चों की तुलना में कम हुआ जिन्होंने कम मात्रा वाली दवा ली थी। लोजफ ने कहा, मेरे लिए परिणाम चौंकाने वाले थे। मैंने सोचा था कि 12 एमजी दवा लेने वाले बच्चो ज्यादा विकास करेंगे लेकिन हुआ इसका उल्टा। गौरतलब है कि इन निष्कर्षों का बच्चों के लिए विभिन्न खाघ सामग्री बनाने वाले कंपनियों पर बुरा असर पड़ सकता है।

बिच्छू के जहर से होगा कैंसर का इलाज

बिच्छू के जहर से ब्रेन कैंसर के इलाज में मदद मिल सकती है। फिलहाल वैज्ञानिक इसका परीक्षण कर रहे हैं। अभी तक के शोध के मुताबिक न्यूरोटाक्सिन का एक मिश्रण कुछ ट्यूमर कोशिकाओं को बांधे रखते हैं, जबकि स्वस्थ कोशिकाओं पर इनका कोई प्रभाव नहीं पड़ता। पेप्टाइड वे कण होते हैं जो एमीनो एसिड के साथ मिलकर प्रोटीन का मार्ग अवरुद्ध करते हैं। प्रयोग में यह पाया गया है कि इसमें मौजूद कण स्तन के त्वचा, ब्रेन और फेफड़े के ऊतकों के ट्यूमर पर आक्रमण करते हैं लेकिन स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान नहीं पहुंचाते। न्यू साइंटिस्ट मैग्जीन के मुताबिक पिछले साल हुए एक परीक्षण के दौरान वैज्ञानिकों कई लोगों के शरीर में ट्यूमर पर इसकी दवा टीएम 601 को इजेंक्ट किया। हालांकि अधिकतर मरीजों की इस दौरान मौत हो गई थी लेकिन जिन लोगों को इसकी ज्यादा मात्रा दी गई वह औसतन तीन माह ज्यादा जीवित रहा। यह दवा शरीर के किसी भी हिस्से में मौजूद ट्यूमर के खात्मके लिए कारगर हो सकती है।

नुकसानदेह भी है विटामिन-सी

वैज्ञानिकों ने चेताया है कि विटामिन-सी सप्लीमेंट्स का ज्यादा इस्तेमाल कैंसर की दवाओं के असर को कम कर देता है। इस बारे में किए गए शोध से पता चला कि विटामिन-सी देने से कैंसर के सेल्स पर दवा का असर 70 फीसद तक कम हो जाता है। चूहों पर किए गए प्रयोग से इस बात का भी खुलासा हुआ कि विटामिन-सी की वजह से ट्यूमर का विकास तेज हो जाता है। कैंसर रिसर्च जनरल में प्रकाशित लेख के मुताबिक कीमोथैरेपी के दौरान यदि विटामिन-सी के सप्लीमेंट्स दिए जाते हैं तो इससे कैंसर के जानलेवा सेल्स की दवा प्रतिरोधी क्षमता बढ़ जाती है। डॉ. मार्क हीने ने एक चूहे में मानव कैंसर के सेल्स इंजेक्ट किए। इसके बाद कीमोथैरेपी देने से दो घंटे पहले चूहे को विटामिन-सी का सप्लीमेंट दिया गया तो शोध दल ने पाया कि कैंसर सेल्स का विकास तेज हो गया था।

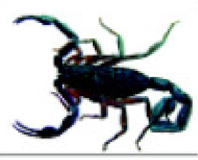

एस्पिरिन घटाती है स्तर कैंसर का खतरा!

आमतौर पर दर्द के लिए ली जाने वाली जाने वाली एस्पिरिन का एक बड़ा फायदा सामने आया है। एस्पिरिन महिलाओं में स्तन कैंसर के खतरे को घटाने की कारगर दवा है। एक महत्वपूर्ण शोध में यह दावा किया गया है। अपने तरह के इस बड़े मेडिकल रिव्यू में कहा गया है कि इस पेनकिलर की नियमित खुराक लेने से महिलाओं में स्तन कैंसर का खतरा 13 फीसद तक कम हो जाता है। इसी तरह की एक अन्य दवा आइबूप्रोफीन भी स्तन कैंसर से निपटने में कारगर है। यह भी स्तन कैंसर के खतरे को 21 फीसद तक कम कर देती है।

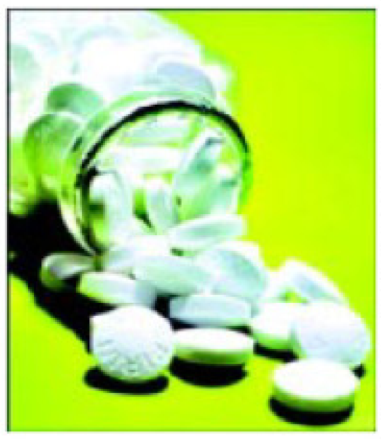

परीक्षण में यह बात सामने आई है कि एस्पिरिन और अन्य जलन निरोधक गोलियां केवल दर्द ही कम नहीं करती, स्तन कैंसर के विषाणु से रक्षा भी करती हैं। यह रिपोर्ट नेशनल कैंसर इस्टीट्यूट के जनरल में प्रकाशित हुई है। इसमें 27 लाख महिलाओं के ऊपर किए गए 38 विभिन्न शोधों का हवाला दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जो महिलाएं नॉन-स्टेराइडल एंटी इनफ्लामेट्री (एनएसएआईडी) दर्द निवारक लेती हैं, उनमें आम महिलाओं की अपेक्षा जीवन भर में स्तनकैंसर होने का खतरा 12 फीसद तक कम हो जाता है। एक अलग विश्लेषण में यह कहा गया है कि एस्पिरिन से यह खतरा 13 फीसद तक कम हो जाता है जबकि आइबूप्रोफीन इसका खतरा 21 फीसद तक घटा देती है। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, वैंकोवर कोस्टल हेल्थ रिसर्च इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी ऑफ सैंटडियागो डि कैंपोसटेला ने संयुक्त रूप से यह निष्कर्ष जारी किए हैं। ब्रिटेन में 12 फीसद महिलाओं को स्तन कैंसर होने का खतरा बना रहता है। इस शोध के बाद इस तरह के मामलों का स्तर दस फीसद के पास लाया जा सकता है। हालांकि इस रिपोर्ट के बाद लाखों महिलाओं में स्तन कैंसर से निजात पाने की आशा जगी है फिर भी अभी इसके परीक्षणों का चरण शेष है। दरअसल, जिन महिलाओं पर यह शोध किया गया, उनमें से अधिकतर दूसरी बीमारियों से भी पीड़ित थीं और अन्य दवाइयां भी ले रहीं थीं। उनकी दिनचर्या और खानपान आम महिलाओं से भिन्न था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करें। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंग। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 1909

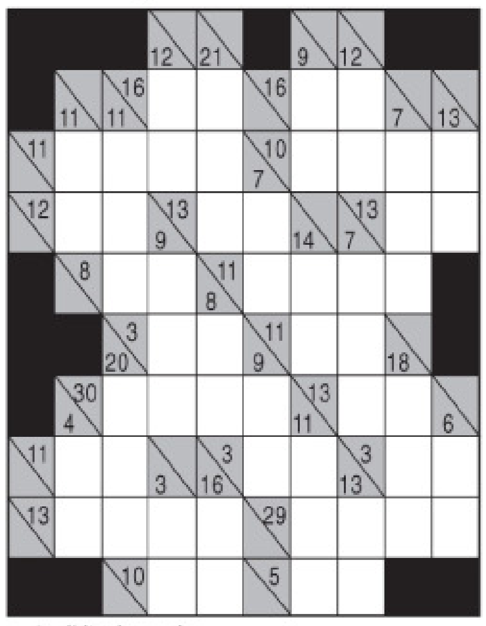

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

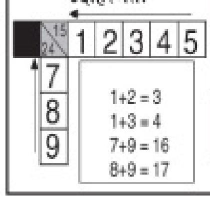

काकुरो - 1908 का हल

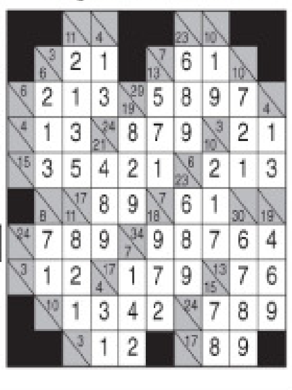

हंसी के फूव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा-'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला-'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा-'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!'वह आदमी कड़क आवाज में बोला-'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

बेटा-'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता-कितने अंक मिले हैं.

बेटा-'शून्य,शून्य,शून्य !'

फिल्म वर्ग पहेली- 1909

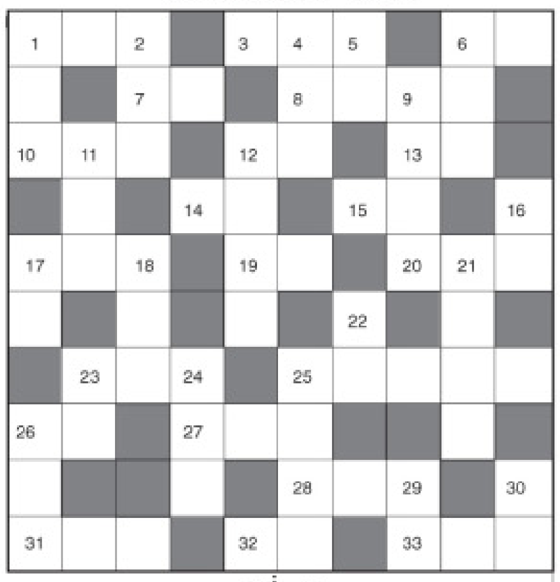

बायें से दायें:-

१. जैकी श्रॉफ, सलमान, रंभा, अश्विनी भावे की फिल्म-३
३. 'छम छम बरसा' गीत वाली फिल्म-३
६. 'जलता है जिया मेरा भीगी भीगी' गीत वाली फिल्म-२
७. राकेश रोशन, सिम्मी की फिल्म-२
८. अमिताभ, शर्मिला, हेमा, परवीन की फिल्म-४
१०. 'मरना तेरी गली में जीना तेरी' गीत वाली फिल्म-३
१२. फरदीन, करीना की 'रंग दीन्ही रंग' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'कहना है तुम' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
१४. 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'चाँदनी रात है' गीत वाली सलमान, नगमा की फिल्म-२
१७. 'जिंदगी ये जिंदगी दो घड़ी की जिंदगी' गीत वाली फिल्म-३
१९. नागार्जुन, उर्मिला की फिल्म-२
२०. जैकी श्रॉफ, जूही, एकता की एक सस्पेंस फिल्म-३
२३. मिलिंद, विक्रम सलूज की फिल्म-३
२५. विनोद मेहरा, अनिल कपूर, स्मिता, रति की फिल्म-२,१,२
२६. 'याइला रे लड़की मस्त' गीत वाली फिल्म-२
२७. धर्मेन्द्र, शर्मिला की 'बहारों की बारात आ' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'तुझे देखके दिल' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, जॉन, सुनील शेट्टी की फिल्म-३
३२. 'जिस का मुझे था' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
३३. अक्षय, सैफ, रवीना टंडन, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'रंग भरे मौसम से' गीत वाली फिल्म-३
२. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
४. 'मैं तेरी मुहब्बत में' गीत वाली फिल्म-३
५. बिजॉय आनंद, कृतिका पाने, सोनू वालिया की फिल्म-२
६. 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
९. राजबब्बर, अनिता की फिल्म-४
११. 'किसी के दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. नवीन निश्चल, सायरा की 'इधर गया था' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'तेरे बिना तेरे' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
१७. संजय, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'खाई है रे हमने कसम संग रहने की' गीत वाली फिल्म-३
२१. जैकी, नीलम की 'चुराया तूने दिल' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन, उदिता की फिल्म-२
२३. इरफान खान, की 'मैंने दिल से कहा' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'हम तीनों की वो यारी' गीत वाली फिल्म-३
२५. राजेंद्रकुमार, राखी की फिल्म-२,२
२६. 'पहली बार जो' गीत वाली फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२९. 'सुन जरा सोनिये' गीत वाली फिल्म-२
३०. रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1908

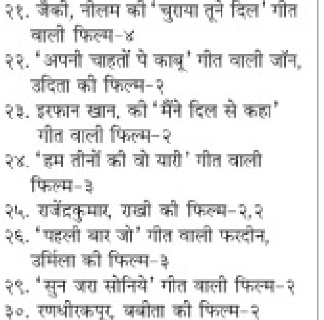

सूडोकु -1909

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1908 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 1909

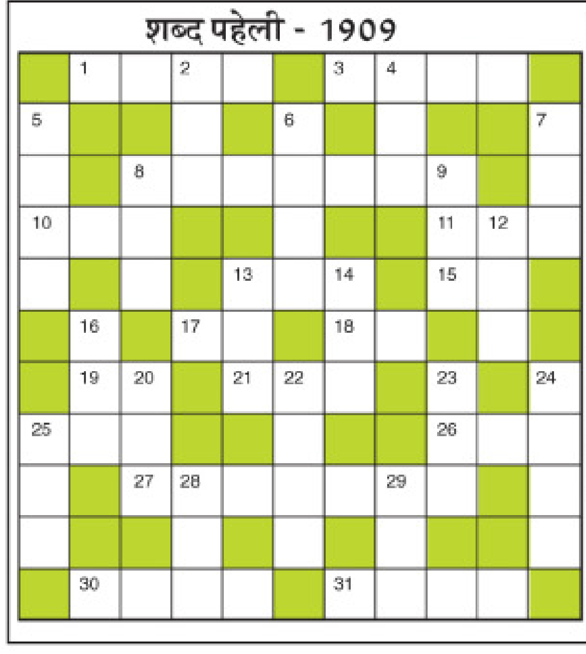

बाएँ से दाएँ

1.मरघट,कब्रिस्तान-4
3.पागल,बुद्धिहीन-4
8.भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10.डांटना,दुत्कार-3
11.तरुण,किशोर-3
13.ओट,घूँघट-3
15.तपस्या-2
17.पराया,अजनबी-2
18.आनंद,मौज-2
19.सूर्य,भास्कर-2
21.चिंतन,सोच विचार-3
25.वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26.वैद्य-3
27.आभास करना-4,3
30.शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31.युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2.कवि,गजलकार-3
4.भारत का झंडा-3
5.ईश्वर,भगवान-4
6.गुरुवार-4
7.दुर्ज,पापी,भूत-3
8.शरण,आश्रय-3
9.चांदी-3
12.उत्तराधिकारी-3
13.उत्कृष्ट,प्रधान-3
14.आंचल-3
16.कमल-3
20.रुकना,अंत, ठहराव-3
22.उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23.बर्दाश्त करना, निभाना-3
24.आय, कमाई-4
25.उष्ण-3
28.पराजित करना-3
29.उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली - 1908 का हल

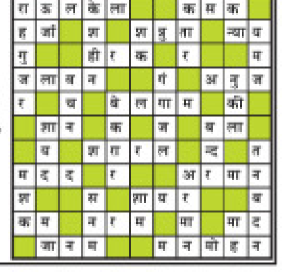

सियासी हलचल के बीच संजय राउत का बयान, शेष सीटों पर हो जाएगी बात फाइनल

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर तारीखों का ऐलान किए जाने के बाद प्रदेश की राजनीतिक हलचल तेज हो चुकी है। सभी दलों की ओर से जीत के दावे किए जा रहे हैं। प्रदेश में मुकाबला मुख्य रूप से 'महायुति' और 'महाविकास अघाड़ी' गठबंधन के बीच माना जा रहा है। इन दोनों के बीच अभी सीट बंटवारे को लेकर कयावद जारी है। इसी बीच, शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर प्रदेश की राजनीति से जुड़े कई मुद्दों पर विस्तारपूर्वक अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ÷महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) के बीच सीट बंटवारे की चर्चा चल रही है। इस समय, तीनों पार्टियों के बीच लगभग 85-85 सीटों पर सहमति बन गई है। लेकिन, कुछ सीटों पर अभी भी बातचीत चल रही है। उन्होंने आगे कहा, ÷शिवसेना की तरफ से कोई आधिकारिक सूची अभी तक जारी नहीं की गई है, लेकिन इस बारे में बातचीत जारी है। पवार साहब और उद्धव ठाकरे ने इन चुनावों के लिए रणनीति तय करने में मदद की है, और उनकी चाहत है कि चुनाव बिना किसी रुकावट के संपन्न हो।

प्रियंका गांधी के नामांकन के दौरान खड़गे को बाहर रखना दलितों का अपमान : प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी ने वायनाड में प्रियंका गांधी के नामांकन के दौरान अपने ही अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को बाहर रखकर उनका अपमान किया। केंद्रीय मंत्री ने मीडियाकर्मियों से कहा, प्रियंका गांधी के नामांकन दाखिल करने के दौरान कांग्रेस आलाकमान ने खड़गे को बाहर रखकर उनका अपमान किया, जिससे उनका व्यवहार उजागर हुआ है।उन्होंने पार्टी में गैर-गांधी कांग्रेस नेताओं की वर्तमान स्थिति को उजागर करते हुए कहा कि नकली गांधी परिवार के साथ जुड़ने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष को भी कतार में इंतजार करना पड़ा। एक वीडियो में पार्टी प्रमुख को उस कमरे के बाहर इंतजार करते हुए दिखाया गया है, जहां प्रियंका गांधी अपना नामांकन पत्र दाखिल कर रही थीं। इस वीडियो के सामने आने के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर मल्लिकार्जुन खड़गे का अपमान करने का आरोप लगाया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलुरु में निर्माणाधीन इमारत ढहने की घटना में जान गंवाने वाले श्रमिकों के परिवारों को दो-दो लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने इस दुखद घटना में घायल प्रत्येक श्रमिक के लिए 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि का ऐलान किया है।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में आतंकवादी हमले में सिविलियन पोर्टर की मौत, चार जवान घायल

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सेना के एक वाहन पर आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में एक सिविलियन पोर्टर की मौत हो गई और चार जवान घायल हो गए। सेना के अधिकारियों ने यह जानकारी साझा की है।आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों ने शाम को गुलमर्ग स्की रिसॉर्ट के पास बोटापथरी इलाके के नागिन चौक पर राष्ट्रीय राइफल्स (आरआर) के एक वाहन पर गोलीबारी की। एक अधिकारी ने बताया, इस हमले में सेना के लिए काम करने वाले एक सिविलियन पोर्टर की मौत हो गई और चार सैनिक घायल हो गए। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और अतिरिक्त सुरक्षा बल भेज दिया गया है। इससे पहले पुलवामा जिले के त्राल इलाके में आतंकियों ने उत्तर प्रदेश के एक मजदूर पर गोली चलाकर उसे घायल कर दिया। मजदूर को मामूली चोट आई है। सेना के वाहन पर हमला घाटी के उस इलाके में हुआ है, जो आमतौर पर आतंकवाद से मुक्त रहता है। गुलमर्ग और बोटापथरी जैसे इसके ऊपरी इलाकों में पर्यटकों की भीड़ लगी रहती है और यह जगह प्रकृति प्रेमियों की पसंदीदा है। इससे पहले बारामूला पुलिस ने कहा, नागिन पोस्ट के आसपास बारामुल्ला जिले के बूटापथरी सेक्टर में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। तथ्यों की पुष्टि के बाद आगे की जानकारी साझा की जाएगी। रविवार को आतंकवादियों ने गंदेरबल जिले के गगनगीर इलाके में एक निजी इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के श्रमिकों के शिविर पर हमला किया। दो विदेशी आतंकवादियों द्वारा किए गए उस कायराना हमले में छह गैर-स्थानीय श्रमिकों और एक स्थानीय डॉक्टर सहित सात लोगों की मौत हो गई।

एनडीए की सभी घटकों को यूपी उप चुनाव में लेकर जाएंगे : भूपेंद्र चौधरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने आगामी यूपी उपचुनाव को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बताया कि यूपी में उपचुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी ने सात प्रत्याशियों की घोषणा की है। अब पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता अपनी पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में जाएगा। उन्होंने सभी सीट पर भाजपा की जीत का दावा करते हुए कहा कि हमारे यहां पार्टी चुनाव लड़ती है, उपचुनाव को लेकर पूरी तैयारी हो चुकी है। नामांकन के बाद हमारी सरकार ने जो काम किया है और पार्टी की जो प्राथमिकताएं हैं, उसको हम घर-घर जाकर चर्चा करेंगे। निषाद पार्टी को टिकट देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह निर्णय केंद्रीय पार्टी का होता है, लेकिन हम लोग आपस में बात करके एनडीए के सभी घटकों को चुनाव में लेकर जाएंगे। करहल विधानसभा सीट से अनुजेश यादव को प्रत्याशी बनाए जान पर भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि वो लंबे समय से पार्टी के साथ जुड़े हैं। वो जिला पंचायत अध्यक्ष भी रहे हैं। पूरा विश्वास है कि निश्चित रूप से करहल में परिवर्तन देखने को मिलेगा।

हेमंत सोरेन ने पिता की कसम खाकर राज्य की जनता को ठगा : हिमंता बिस्वा सरमा

एजेंसी

रांची। असम के सीएम और झारखंड चुनाव के सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा ने जमशेदपुर में एनडीए के प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने अपने पिता शिबू सोरेन के नाम पर झूठी कसमें खाकर राज्य की जनता को ठगा है। पूरे देश में वह एकमात्र नेता हैं, जिन्होंने पिता का नाम लेकर झूठ बोला। पिछले चुनाव में उन्होंने युवाओं को पांच लाख नौकरी देने, बेरोजगारों को पांच से सात हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता, महिलाओं को हर महीने दो हजार रुपये चूल्हा भत्ता देने जैसे कई बड़े वादे किए, लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं किया।

सरमा ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार में युवाओं का कोई भविष्य नहीं है। राज्य में सीजीएल समेत तमाम परीक्षाएं होती हैं, तो उसका पेपर पैसे लेकर बेच दिया जाता है। यहां के युवा जानते हैं कि हेमंत सोरेन, बन्ना गुप्ता

मिलकर झारखंड में परीक्षाएं नहीं होने देते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में घोटाले की सीबीआई से जांच कराएंगे। जेएमएम-कांग्रेस की सरकार में जिसने भी पेपर लीक करने का महापाप किया है, उन सभी को भाजपा की सरकार सबक सिखाएगी। महिलाओं के खिलाफ हिंसा और अत्याचार के मुद्दे पर राज्य सरकार पर हमला करते हुए असम के सीएम ने कहा कि पिछले पांच सालों में सबसे ज्यादा महिलाओं की हत्या हुई है। बेटियों का सम्मान लूटा गया है। महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध में झारखंड देश में नंबर एक पर खड़ा है। इस राज्य में घुसपैठियों, माफियाओं और दलालों की सरकार काम कर रही है। उन्होंने भाजपा के पंचप्रण भी गिनाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनते ही पहली कैबिनेट बैठक में निर्णय लेकर 'गोगो दीदी योजना' के तहत महिलाओं को हर महीने 2,100 रुपये दिए जाएंगे। हम एक साल में डेढ़ लाख से ज्यादा युवाओं को कैलेंडर बनाकर नौकरी देंगे। इस बार राज्य में भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई में सरकार बनेगी। इस बार हमारे साथ जनता दल यूनाइटेड, आजसू और लोजपा भी हैं। हम सब मिलकर यह चुनाव जीतेंगे।सभा के पहले जमशेदपुर पूर्वी से भाजपा प्रत्याशी पूर्णिमा दास साहू, पोटका से मीरा मुंडा, जुगसलाई से आजसू पार्टी के रामचंद्र सहिस और जमशेदपुर पश्चिमी से जदयू के प्रत्याशी सरयू राय ने नामांकन के पर्चे दाखिल किए। सभा में चारों प्रत्याशी भी मौजूद रहे।

निर्माणाधीन कार्यों को समय से पूर्ण करायें संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था : डीएम

एजेंसी

गोण्डा। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में चल रहे विभिन्न विभागों के पचास लाख से अधिक वाले भवन निर्माण एवं अन्य निर्माण कार्यों की समीक्षा की। जिसमें उन्होंने कहा कि सभी निर्माण कार्यों को समय से पूरा किया जाय। निर्माण कार्य में गुणवत्ता से कोई भी समझौता न किया जाए। जिन भवन निर्माण में बजट के अभाव से कार्य रुका है उसे बजट मंगाकर पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के स्तर से निर्माण कार्यों की समीक्षा की जाती है अतः कार्यदायी संस्थाएं सभी निर्माण कार्यों को समय से पूरा करें। देर से निर्माण पूरा करने पर शासकीय धन की क्षति होती है। जिलाधिकारी ने कहा कि जो निर्माण कार्य मामूली सी कमी होने के कारण शतप्रतिशत पूर्ण नहीं हो पा रहे है। उन सभी निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए। जो कमी है उसे तत्काल पूरा कराकर सम्बन्धित विभाग को हैंडओवर किया जाए।

शरद पवार गुट की पहली लिस्ट जारी, 45 प्रत्याशियों के नामों का ऐलान

एजेंसी

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए शिवसेना यूबीटी के बाद एनसीपी (शरदचंद्र पवार गुट) ने अपने प्रत्याशियों की पहली लिस्ट जारी कर दी। एनसीपी (एसपी) के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने 45 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। एनसीपी (एसपी) ने बारामती सीट से उपमुख्यमंत्री और एनसपी प्रमुख अजित पवार के खिलाफ युगेंद्र पवार को चुनावी मैदान में उतारा है।एनसीपी (एसपी) ने इस्लामपुर से जयंत पाटिल, काटोल से अनिल देशमुख, घनसावंगी से राजेश टोपे, कराड उत्तर से बालासाहेब पाटिल, मुंब्रा से जितेंद्र अव्हाड, कोरेगाव से शशिकांत शिंदे, बसमत से जयप्रकाश दांडेगावकर, जलगाव ग्रामीण से गुलाबराव देवकर, इंदापूर से हर्षवर्धन पाटिल, राहुरी से प्राजक्त तनपुरे, शिरूर से अशोक पवार, शिराला से मानसिंग नाईक, विक्रमगड से सुनील भुसारा को टिकट दिया है।इसके अलावा कर्जत जामखेड से रोहित पवार,अहमदपूर से विनायक पाटिल, सिंदखेड राजा से डॉ. राजेंद्र शिंगणे, उदगीर से सुधाकर भालेराव, भोकरदन से

चंद्रकांत दानवे, तुमसर से चरण वाघमारे, किनवट से प्रदीप नाईक, जिंतूर से विजय भांबले, केज से पृथ्वीराज साठे, बेलापूर से संदीप नाईक, वडगांव शेरी से बापूसाहेब पठारे, जामनेर से दिलीप खोडपे, मुक्ताईनगर से रोहिणी खडसे, मूर्तिजापूर से सम्राट डोंगरदिवे ताल ठोकेंगे। वहीं, नागपुर पूर्व से दुनेश्वर पेठे, तिरोडा से रविकांत बोपचे, अहेरी से भाग्यश्री आत्राम, बदनापूर से रूपकुमार चौधरी, मुरबाड से सुभाष पवार, घाटकोपर पूर्व से राखी जाधव, आंबेगाव से देवदत्त निकम, बारामती से युगेंद्र पवार, हडपसर से प्रशांत जगप्रताप, कोपरगांव से संदीप वर्पे, शेवगांव से प्रताप ढाकणे, पारनेर से राणी लंके, आष्टी से मेहबुब शेख, करमाला से नारायण पाटिल, सोलापूर शहर उत्तर से महेश कोठे, चिपलूण से प्रशांत यादव, कागल से समरजित घाटगे, तासगाव कवठे-महांकाल से रोहित आरआर. पाटिल को चुनावी मैदान में उतारा गया है।

झारखंड की हेमंत सरकार को उखाड़ फेंकेगी जनता : चिराग पासवान

एजेंसी

चतरा। लोक जनशक्ति पार्टी (रा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने चतरा और सिमरिया में एनडीए प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर जोरदार जुबानी हमले किए। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन की अगुवाई में चल रही सरकार ने राज्य में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी का रिकॉर्ड कायम कर दिया है। पिछले पांच सालों में राज्य में हर विभाग में लूट मची रही। सरकार के मुखिया से लेकर मंत्रियों तक के भ्रष्टाचार के किस्से हर जुबान पर रहे। इस चुनाव में झारखंड की जनता ऐसे भ्रष्ट और निरंकुश सरकार को उखाड़ फेंकेगी। उन्होंने दावा किया कि झारखंड में ऐतिहासिक जनादेश के साथ एनडीए की सशक्त सरकार का बनना तय है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की परिकल्पना और इस दिशा में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड भी विकास की राह पर तभी आगे बढ़ पाएगा, जब यहां डबल इंजन की

सरकार बनेगी। आने वाले पांच वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश होगा। यह रास्ता पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में ही तैयार हुआ है। केंद्रीय मंत्री ने झारखंड में महिलाओं, किसानों, नौजवानों के विकास और संविधान के संरक्षण का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में अगले पांच वर्ष में सुदृढ़ तथा समावेशी विकास के लिए रोडमैप बनाकर काम होगा, ताकि वंचित वर्ग के साथ सभी वर्गों का कल्याण हो सके। उन्होंने कहा कि मेरे पिता रामविलास पासवान का सपना था कि सभी के हाथों में मोबाइल फोन हो। आज उनका यह सपना सच हो चुका है। दूरदृष्टि और संकल्प से ही बड़े सपने साकार किए जा सकते हैं। झारखंड को भी ऐसे ही जनप्रतिनिधियों की जरूरत है।

यूपी ने मारी बाजी, आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट बनाने में देश में बना नंबर 'वन'

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने साढ़े सात साल पहले सूबे की सत्ता संभालते ही बीमारू प्रदेश कहे जाने वाले यूपी को उत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए। इसके तहत योगी सरकार ने प्रदेश के हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने, मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और सस्ता इलाज उपलब्ध कराने के लिए कई फैसले लिए। आज इसका असर पूरे प्रदेश में देखा जा सकता है। अब, प्रदेशवासियों को इलाज के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ता है। योगी सरकार की मॉनिटरिंग और उत्तम प्रदेश बनाने के दृढ़ संकल्प का ही असर है कि उत्तर प्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं में पूरे देश में अपना परचम लहराया है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की विभिन्न इकाइयों में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सचिव रंजन कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी की मंशा के अनुरूप पूरे प्रदेश में युद्धस्तर पर आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएस) के तहत प्रदेशवासियों की हेल्थ यूनिक आईडी बनाने का काम

चल रहा है। ऐसे में उत्तर प्रदेश पूरे देश में एबीडीएस की विभिन्न इकाइयों को बनाने में पहले स्थान पर है। इनमें उत्तर प्रदेश आभा आईडी, हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री, हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री, 100 माइक्रोसॉफ्ट प्रोजेक्ट, स्कैन एंड शेयर मॉड्यूल के मामले में पूरे देश में पहले पायदान पर है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड में पूरे देश में दूसरे स्थान पर है। सचिव रंजन कुमार ने बताया कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत आभा को प्रदेश में पिछले एक वर्ष से लागू किया गया है। अब तक प्रदेश लगभग 12.45 करोड़ आभा आईडी को बनाकर पूरे देश में पहले पायदान पर है। वहीं, दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है, जहां अभी तक लगभग 5.46 करोड़ आभा आईडी को बनाया गया है। इसी तरह हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री (एचपीआर) में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के स्वास्थ्य कर्मियों जैसे डॉक्टर, नर्सेज, सीएचओ, एएनएम, आशा इत्यादि का पंजीकरण किया जा रहा है। अब तक 74,789 रजिस्ट्री की जा चुकी है और वर्तमान में प्रदेश पूरे देश में प्रथम स्थान पर है। वहीं, दूसरे स्थान पर कर्नाटक है, जहां पर अभी तक लगभग 58,919 हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री का सृजन किया जा चुका है। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सचिव रंजन कुमार ने आगे बताया कि हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री (एचएफआर) में सभी चिकित्सा संस्थानों, चिकित्सालयों, स्वास्थ्य केंद्र, उपकेंद्र, प्राइवेट चिकित्सालय, क्लीनिक, डायग्नोस्टिक इत्यादि का पंजीकरण होना है। अब तक 61,015 हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री को फैसिलिटीज रजिस्टर किया जा चुका है। इस मामले में भी वर्तमान में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है।

कांग्रेस ने 48 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

एजेंसी

मुंबई। कांग्रेस पार्टी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए 48 उम्मीदवारों के नामों की पहली सूची जारी कर दी। प्रदेश कांग्रेस इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले को सकोली से विधानसभा सीट से, पूर्व मुख्यमंत्री विलासराव देशमुख के बेटे धीरज देशमुख को लातूर ग्रामीण से और अमित देशमुख को लातूर शहर से टिकट दिया गया है। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पृथ्वीराज चह्वाण को कराड दक्षिण से उम्मीदवार बनाया गया है। इनके अलावा कलकुवा से के.सी. पड़वी, शहादा से राजेंद्र कुमार कृष्णराव गावित, नंदुरबार से किरण दामोदर तड़वी (एसटी), नवापुर से श्रीकृष्ण कुमार सुरूप सिंह नाइक, सकरी से प्रवीणबापू चौरे, धुले ग्रामीण से कुणाल रोहिदास पाटिल, रावेर से धनंजय शिरीष चौधरी, मलकापुर से राजेश पंडितराव एकाडे, चिखली से राहुल सिद्धिविनायक बोंद्रे, रिसोड से अमित सुभाषराव जनक, धामनगांव रेलवे से प्रो. वीरेंद्र वाल्मीकराव जगताप, अमरावती से डॉ. सुनील देशमुख, टेओसा से यशोमति चंद्रकांत ठाकुर, अचलपुर से अनिरुद्ध

बबलूभाऊ सुभानराव देशमुख, देवली से रंजीत प्रताप कांबले, नागपुर दक्षिण पश्चिम से प्रफुल्ल विनोद राव गुडधे, नागपुर सेंट्रल से बंटी बाबा शेलके, नागपुर पश्चिम से विकास पी. ठाकरे, नागपुर उत्तर से डॉ. नितिन काशीनाथ राऊत, साकोली से नानाभाऊ फाल्गुनराव पटोले, गोंदिया से गोपालदास शंकरलाल अग्रवाल, राजुरा सुभाष रामचन्द्रराव धोटे को कांग्रेस पार्टी ने उम्मीदवार बनाया है।

लाउडस्पीकर मामले में सुप्रीम कोर्ट का आदेश सर्वमान्य होगा : विवेक तन्खा

भोपाल। कांग्रेस पार्टी से राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाने वाले मामले में अपनी प्रतिक्रिया दी। दरअसल, मध्य प्रदेश के भोपाल में एक 13 वर्षीय बच्चे की मौत हुई थी, परिवारवालों ने आरोप लगाया कि उसकी मौत डीजे की आवाज से हुई है। इसको लेकर जनहित याचिका लगी थी और सरकार को नोटिस जारी किया गया। इस मुद्दे पर कांग्रेस नेता ने कहा कि इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मापदंड बनाए हैं। सुप्रीम कोर्ट का जो भी निर्णय होता है, वो देश में सर्वमान्य होता है। मैंने सुना है कि इसी के आधार पर याचिका लगी है। उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का पालन होना चाहिए। सरकार और प्रशासन इस मुद्दे पर जनता से बातचीत करेगी और सुप्रीम कोर्ट इसका समाधान निकालेगी। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि लाउडस्पीकर मामले को मंदिर और मस्जिद की बात नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश की बात है। ऐसे में इस मुद्दे को मंदिर और मस्जिद तक सीमित नहीं करना चाहिए।

सपा के प्रत्याशियों के लिए प्रचार करेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता, 'इंडिया' ब्लॉक मजबूत है : अजय राय

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की नौ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इन पर एनडीए बनाम 'इंडिया' ब्लॉक के प्रत्याशियों के बीच सीधी टक्कर है। इस बीच, उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी के उम्मीदवारों के लिए प्रचार करेंगे।

इस उपचुनाव में कांग्रेस ने एक भी उम्मीदवार खड़ा नहीं किया है। सभी सीटों पर सपा के ही उम्मीदवार होंगे। अजय राय ने कहा, 'प्रदेश में दंगे की सरकार चल रही है। लोगों पर अत्याचार हो रहा है। गरीबों के घर बुलडोजर से गिराए जा रहे हैं। लूट, हत्या, बलात्कार जैसी घटनाएं हो रही हैं। इंडिया गठबंधन मजबूती से एकजुट है।यह पूछे जाने पर कि क्या सपा प्रत्याशियों के लिए कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व प्रचार करने जाएगा, अजय राय ने कहा, शीर्ष नेतृत्व, कार्यकर्ता, हम सभी लोग मजबूती के साथ खड़े हैं। हर

बूथ पर कार्यकर्ता मजबूती के साथ खड़े हैं। भाजपा के सभी नौ सीट जीतने के दावे पर अजय राय ने कहा, निश्चित तौर पर अभी संजय निषाद चले गए हैं। अभी बहुत सारे लोग भाजपा से जाने वाले हैं। उल्लेखनीय है कि नौ विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर भाजपा ने सात सीटों पर प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी है। कुंदरकी से रामवीर सिंह ठाकुर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, खैर से सुरेंद्र दिलेर, करहल से अनुजेश यादव, फूलपुर से दीपक पटेल, कटेहरी से धर्मराज निषाद और मझवां से सुचिस्मिता मौर्या को उम्मीदवार घोषित किया है। भाजपा का सहयोगी दल निषाद पार्टी भी अपने लिए सीट मांग रही थी, लेकिन कई दौर और कई स्तरों पर हुई बातचीत के बाद भाजपा ने आखिरकार अपना ही उम्मीदवार उतारने का फैसला किया। निषाद पार्टी की सीट मझवां से भाजपा ने सुचिस्मिता मौर्या को मैदान में उतारा है। उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान होगा और 23 नवंबर को परिणाम घोषित किया जाएगा।

सीएम हेमंत सोरेन से ज्यादा अमीर पत्नी कल्पना सोरेन, पांच साल में 12 गुणा बढ़ी संपत्ति

एजेंसी

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की तुलना में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन कई गुणा धनवान हैं। चल और अचल संपत्तियों के मामले में कल्पना ने पिछले पांच साल में पति हेमंत सोरेन को काफी पीछे छोड़ दिया है। यह तथ्य हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन की ओर से विधानसभा चुनाव में नामांकन के पर्चे के साथ निर्वाची पदाधिकारियों के समक्ष दाखिल हलफनामों से सामने आया है। हेमंत सोरेन के पास नकद, जेवर और निवेश सहित दो करोड़ 59 लाख 29 हजार छह रुपये और 53 पैसे की चल संपत्ति है। इसके अलावा उनके पास दो करोड़ 83 लाख 72 हजार 364 रुपये की अचल संपत्ति भी है। वर्ष 2019 में उनके पास एक करोड़ 13 लाख 10 हजार 153 रुपये की चल संपत्ति और एक करोड़ 16 लाख 19 हजार रुपये की अचल संपत्ति थी। पांच साल में

चल संपत्ति लगभग ढाई गुणा और अचल संपत्ति ढाई गुणा से भी ज्यादा हो गई है। कल्पना सोरेन के पास मौजूद कुल चल संपत्ति का मूल्य पांच करोड़ 54 लाख 91 हजार 783 रुपये और 70 पैसे है। उनके पास 13 करोड़ 63 लाख 10 रुपये की अचल संपत्ति है। पांच साल में उनकी चल संपत्ति में लगभग छह गुणा और अचल संपत्ति में 12 गुणा बढ़ोतरी हुई है।हेमंत सोरेन के पास मात्र 45 हजार रुपये नकद हैं जबकि उनकी पत्नी कल्पना के पास दो लाख पांच हजार रुपये हैं। बैंकों में जमा रकम की बात करें तो यहां भी कल्पना ने हेमंत को पीछे छोड़ दिया है। मुख्यमंत्री के बैंक खातों में 74 लाख 28 हजार 676 रुपये और 53 पैसे जमा हैं, जबकि विधायक कल्पना सोरेन के खातों में 81 लाख 31 हजार 348 रुपये 70 पैसे हैं। हेमंत सोरेन ने बॉन्ड, शेयर और म्यूचुअल फंड आदि में कुल पांच लाख 24 हजार 612 रुपये का निवेश किया है, जबकि उनकी पत्नी का कुल निवेश 61 लाख 46 हजार 374 रुपये है। हेमंत ने जीवन बीमा और पीपीएफ में 43 लाख 39 हजार 566 रुपये का निवेश किया है, जबकि इन्हीं मदों में कल्पना सोरेन ने 64 लाख 90 हजार 78 रुपये का निवेश कर रखा है।

कांग्रेस के समय मेवात में साइबर क्राइम था चरम पर, हमने साइबर ठगों की तोड़ी कमर : मुख्यमंत्री

एजेंसी

झुन्झुनूं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 50 साल बाद हमारी सरकार ने ही हरियाणा सरकार के साथ यमुना जल समझौता कर शेखावाटी क्षेत्र को पानी उपलब्ध कराने का कार्य किया है। इससे यहां की धरती सोना उगलेगी। जबकि कांग्रेस के नेता तो आलू से सोना पैदा करने का झूठ बोलकर लोगों को बरगलाते हैं। कांग्रेस शेखावाटी क्षेत्र की दुश्मन है क्योंकि इनके नेताओं ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में यमुना जल समझौते को निरस्त करने का वादा किया था। क्या यमुना का पानी बीजेपी का कार्यकर्ता पी रहा था

शर्मा झुन्झुनूं तथा रामगढ़ में विधानसभा उपचुनाव के बीजेपी प्रत्याशी राजेन्द्र भांबू तथा सुखवन्त सिंह के समर्थन में आयोजित नामांकन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने देश को भ्रष्टाचार के दलदल में धकेला है। इनकी तुष्टिकरण और जातिवाद की राजनीति ने ही देश को सबसे ज्यादा बर्बाद किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 140 करोड़ जनता के कल्याण के लिए निरंतर

कार्य कर रहे हैं। हम किसान सम्मान निधि, वृद्धजन सम्मान, आवास, खाद्य सुरक्षा और किसानों को बिजली कनेक्शन देते हैं तब जाति-धर्म नहीं देखते हैं। हमने प्रदेश की 200 विधानसभा क्षेत्रों के विकास में किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं किया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र को पर्याप्त बजट दिया गया है। पूर्ववर्ती सरकार के समय में कांग्रेस विधायक को ही अपने क्षेत्र के विकास के लिए बजट दिया जाता था। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस को आमजन के हितों से कोई सरोकार नहीं है। कांग्रेस ने राजनीति कर पूर्वी राजस्थान के लिए अति महत्वपूर्ण ईआरसीपी प्रोजेक्ट को भी लटका कर रखा था तथा इसके लिए कोई योजना ही नहीं बनाई जबकि हमने आते ही क्षेत्र की जरूरत को समझते हुए एमओयू कर दिया। हम जल्द ही ईआरसीपी का शिलान्यास भी करेंगे। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी से रामगढ़ को भी जोड़ा गया है जिससे यहां के लोगों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी मिल सके। ईआरसीपी के तहत प्रदेश की विभिन्न नदियों को जोड़कर एक नेटवर्क तैयार किया जा रहा है जिससे अलवर सहित पूर्वी राजस्थान के सभी जिलों को पानी की कमी नहीं होगी।

राजभवन में विश्वविद्यालय की नैक रैंकिंग और नई शिक्षा नीति पर हुई कार्यशाला

एजेंसी

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राजभवन मे प्रदेश के वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में नेक रैंकिंग और नई शिक्षा नीति से जुड़े मुद्दों पर आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालयों का रोस्टर बनाने, कॉलेजों की भी नैक रैंकिग के लिए तैयारी करने, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम इस तरह से तैयार करने पर जोर दिया जिससे विद्यार्थी नौकरी करने के लिए नहीं बल्कि नौकरी देने वालों के रूप में तैयार हो सकें। उन्होंने राज्य के सभी वित्तपोषित विश्वविद्यालयों की आवश्यक रूप से नेक रैंकिंग करवाने और इसके लिए अब तक की गई तैयारी की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य के उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण संस्कृति विकसित करने के लिए नैक रैंकिंग जरूरी है। इसके लिए उन्होंने विश्वविद्यालयों को पाठ्यचर्या को बेहतर बनाने, शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन व्यवस्था सुदृढ़ करने, अनुसंधान और नवाचारों को अपनाते हुए संस्थागत रूप में श्रेष्ठ प्रथाए अपने यहां विकसित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नैक रैंकिंग से विश्वविद्यालयों की विश्वसनीयता बढ़ेगी, वे सक्रिय और जीवंत हो सकेंगे तथा इससे उन्हें विभिन्न एजेंसियों से समुचित आर्थिक सहायता समय पर मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान उच्च शिक्षा में अग्रणी बने, इसके लिए सभी विश्वविद्यालय नैक रैंकिंग की आवश्यक तैयारियां और समय पर इस संबंध में आवेदन प्रस्तुत करें।

घर में सबको स्वस्थ रख सकती है गृहणी

वैसे तो हमारे स्वास्थ्य की चाबी हमारे ही हाथ में होती है। फिर भी पूरे परिवार की तंदुरुस्ती का आधार घर की स्त्री पर ही निर्भर होता है। अगर वह घर के बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक में पौष्टिक आहार खाने की आदत डालती है तो शारीरिक स्वस्थता के साथ-साथ उम्र भी बढ़ती है।

सामान्य रूप से आज की लाइफ स्टाइल ऐसी हो गई है कि हम क्या खा रहे हैं इस पर ज्यादा ध्यान ही नहीं देते। हमें कोल्ड ड्रिंक्स, पीजा, सैंडविच, पकौड़े और तली हुई चीजें ज्यादा पसंद आती हैं। कहीं पार्टी का निमंत्रण हो तब भी हमें ऐसी ही चीजें ज्यादा पसंद आती हैं जबकि ऐसी जगहों पर सलाद, जूस, सूप, नींबू पानी, पुलाव, सब्जियां, रायता आदि भी होता है।

जैसे-जैसे लोगों के मन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता आती जा रही है वैसे-वैसे लोग डायटिंग की ओर भी आकर्षित हो रहे हैं। डायटिंग करने वाले कुछ लोग भोजन के नाम पर उबला हुआ खाना खाते हैं पर वास्तव में ऐसे भोजन का क्या फायदा जो न तो हमें स्वाद दे और न ही संतुष्टि। हमारे भोजन का संबंध हमारे शरीर के साथ-साथ मस्तिष्क से भी जुड़ा हुआ है। इसलिए अगर हमें भोजन से आनंद और संतुष्टि नही मिलेगी तो मानसिक तनाव पैदा होगा जिसका विपरीत असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ेगा।

महिलाओं को चाहिए कि वह अपने घर में सभी सदस्यों को दिन में एक बार फ्रेश फ्रूट खाने की आदत डालें। खाने में जिस तरह से क्या खाना चाहिए का महत्व है उसी तरह कब, कैसे और किस स्थिति में क्या खाना चाहिए, जैसी बातों का भी महत्व है। अगर समय पर भोजन नहीं किया जाए तो बदहजमी, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं क्योंकि आहार के साथ हमारी पाचन क्रिया का संबंध है।

महिलाओं को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि घर का कोई भी सदस्य खाने में जल्दबाजी नहीं करे। खाने में पूरा समय देना चाहिए तथा संपूर्ण ध्यान खाने पर ही केंर्दित होना चाहिए। अगर हम गुस्से में खाना खाते हैं तो खाया हुआ सारा खाना जल जाता है।

दिन की शुरुआत से लेकर दिन ढलने तक हमारी शारीरिक क्रियाएं बदलती रहती हैं। सूर्योदय से दोपहर तक हमारी पाचन शक्ति तीव्र रहती है। बाद में जैसे-जैसे दिन ढलता है, सूर्यास्त होता है वैसे-वैसे शरीर के अंग आराम चाहते हैं। पाचक रस भी मंद होने लगते हैं इसलिए तो पुराने समय में लोग सूर्यास्त तक रात्रि भोजन कर लिया करते थे। सोते समय खाने से रक्त को आक्सीजन कम मिलती है जिससे हृदय रोग का खतरा बढ़ जाता है।

स्वस्थ जीवन के लिए मात्र संतुलित भोजन ही जरूरी नहीं है इसके साथ ही हमारी आदतें भी अच्छी होनी चाहिए जिसकी तरफ लोग अकसर ध्यान नहीं देते। स्वस्थ रहने के लिए खाने का पूरा मजा लूटना भी जरूरी है। इसलिए घर की महिलाओं को चाहिए कि वह एक तो तेल या घी का ज्यादा इस्तेमाल नहीं करें साथ ही मिर्च-मसालों पर नियंत्रण रखते हुए कुछ घरेलू नुस्खों का इस्तेमाल कर स्वादिष्ट भोजन बनाएं। साथ ही घर के सभी सदस्यों को एक साथ ही खाने के लिए प्रेरित करें नहीं तो कम से कम खाने का समय तो निश्चित कर ही दें ताकि वक्त-बेवक्त खाना खाकर स्वास्थ्य खराब नहीं हो।

कहाँ जा रहे हैं हम ?

चमकदार आवरण में लपेटकर परोसे जा रहे भ्रम को हम बिना किसी प्रतिक्रिया के ग्रहण कर रहे हैं। हम सम्मोहित हैं, उस चकाचौंध से जो बाजार हमारे सामने उपजा रहा है। और यह चकाचौंध जन्म दे रही है बीमार समाज को।

बाजार ने नारी को प्रचार साधन बना डाला है और वह बेधड़क उसे प्रचारित कर लोगों की मानसिकता को बीमार बना रहा है। एक धार्मिक-सांस्कृतिक नगर का व्यस्त चौराहा। समय दिन के 11 बजे। किसी बाइक कंपनी का प्रचार वाहन आकर चौराहे पर आकर रुकता है। वाहन पर लगे स्पीकर से फिल्मी धुन बजने लगती है। धुन के साथ ही वाहन पर सवार युवतियाँ थिरकने लगती हैं।

इस नजारे को देखने के लिए लोगों का हुजूम जुटने लगता है। यह सब कुछ चल ही रहा होता है कि जमावड़े को चीरता हुआ एक अज्ञात युवक आता है। लपककर वाहन पर चढ़ता है और डांस कर रही एक युवती का चुंबन लेकर बिजली की गति से भाग निकलता है। जिस युवती का चुंबन लिया गया, वह इस अप्रत्याशित घटना से सकपका जाती है। मौजूदा जनसमुदाय स्तब्ध रह जाता है। खैर, घटना के बाद प्रचार वाहन चल देता है और लोगों का जमावड़ा बिखर जाता है। उपरोक्त वर्णित प्रसंग महज दुस्साहस की ही घटना नहीं है। यह घटना बहुत से प्रश्नचिन्ह खड़े करती है।

मसलन, उस युवक ने यह दुस्साहस कैसे किया? कंपनी को अपने उत्पाद प्रचार हेतु चौराहे-चौराहे फिल्मी धुनों पर युवतियों को नचवाना क्यों उचित लगा? होड़ की यह धुन हमेंकहाँ लेकर आ गई? जहाँ लेकर आई है, वहाँ सिर्फ और सिर्फ यही सवाल पैदा होता है-ये कहाँ आ गए हम? इसका जवाब यही है कि हम जहाँ आ गए हैं, वहाँ हमारा नैतिक पतन गंभीर मोड़ पर आ गया है। उस मोड़ पर, जिस पर लिखा है- आगे खतरा है। इस खतरे को हम भाँप नहीं पा रहे हैं। समझ भी रहे हैं तो नासमझ होने का स्वांग कर रहे हैं।

इसकी वजह यह है कि बाजारवाद केइस दौर में हमें सिर्फ लाभ, लाभ और केवल लाभ ही दिखाई दे रहा है। प्रतियोगिता के अर्जुन की निगाहें सिर्फ लाभ की चिड़िया की आँख पर टिकी हुई हैं। पूँजी और मुनाफे को लेकर मार्क्स ने लिखा है, पूँजी रत्तीभर मुनाफा भी हाथ से नहीं जाने देती। सौ प्रतिशत मुनाफे के लिए पूँजी सीनाजोरी पर उतरकर इंसानियत के हर नियम को रौंद देगी।

जाहिर है, बाजारवाद के वर्तमान दौर में इंसानियत और नैतिकता के सारे नियम पूँजी और मुनाफे के कदमों तले रौंदे जा रहे हैं। उत्पादकों ने उत्पादों की बिक्री के लिए विज्ञापनों का निर्बाध दुरुपयोग खुलेआम किया है। इसके लिए मानव मन की दमित भावनाओं को कुरेदा जा रहा है। यही वजह है कि विज्ञापनों के जरिए, पत्र-पत्रिकाओं के चिकने पन्नों पर, छोटे-बड़े रुपहले पर्दों पर दिखने वाले विज्ञापनों पर उत्तेजक अदाओं वाली औरतों की बाढ़ आई हुई। ऐसा कौन-सा उत्पादन है जिसे खरीदने की सलाह ये मॉडल नहीं देती हैं? इन विज्ञापनों और मॉडलों ने लोगों को बावला बना दिया। बावला बना देने में कुछ कसर बाकी रही तो मध्यम दर्जे के शहरों के चौराहों पर प्रचार वाहनों में फिल्मी धुनों पर लड़कियाँ नाचने लगीं। बात यहीं तक सीमित नहीं हैं, अब हालात इतने बेकाबू हो गए हैं कि धार्मिक और राष्ट्रीय त्योहारों के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में भी अश्लील और भद्दे डांस होना जरूरी हो गया है। पारंपरिक मेलों-ठेलों में भी अश्लील मुद्राओं वाले नृत्य अनिवार्य हो गए हैं। इन अवसरों पर मंच के सामने अगर सामान्यजन हो-हल्ला मचाते हैं, तो विशिष्टजन हाथों में शराब की बोतल थामे डांसरों के साथ कमर मटकाते हुए सारी मर्यादाओं को लाँघ जाते हैं।

गरज यह कि बात उत्पादों की बिक्री में अश्लील विज्ञापनों की हो या आयोजनों में भद्दे डांस की- मूल में जो भावना है, वह येन-केन-प्रकारेण अपने को, अपने प्रतिष्ठान को और अपने उत्पाद को प्रस्तुत करने की ही है। इस भावना के चलते एक प्रतियोगिता चल रही है, अंधीप्रतियोगिता। यह प्रतियोगिता उस साँड की तरह है, जो उन्मत्त होकर दौड़ रहा है। फलतः उसके सामने जो भी आ रहा है, उसे वह सींगों में उठाकर उछाल-उछालकर फेंक रहा है या पैरों तले रौंद रहा है। यह बहुत खराब हालात हैं। हमें सोचना है कि आखिर हम कहाँ आ गए हैं? इसके नतीजे आगे चलकर क्या होंगे? जिन नैतिक मूल्यों, जिन परंपराओं, जिन सांस्कृतिक गरिमाओं पर हम गर्व करते हैं, वे कितने दिन जिंदा रह पाएँगी?

ग्लिटर मेहँदी

वेडिंग अट्रैक्शन

मेहँदी है रचने वाली, हाथों में गहरी लाली
शादी या किसी भी पारंपरिक त्योहारों की बात हो या जाना हो किसी पार्टी में, मेहँदी के बिना मेकअप पूरा नहीं होता। सोलह श्रृंगार में प्रतिष्ठित मेहँदी की रंगत भी समय के साथ काफी बदली है। अब तो मेहँदी लगाने से लेकर उसे तैयार करने के तरीके में खासा बदलाव आ गया है।

बदलाव की इस दौड़ में ग्लिटर और टैटू भी मेहँदी की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। मेहँदी परंपरा से अधिक अब फैशन बन गई है और जरूरत, रचाने के लिए मेहँदी उपलब्ध समय, समारोह के प्रकार के हिसाब से अलग- अलग रूपों में लगाई जाने लगी है। मेहँदी के क्षेत्र में हुए सारे परिवर्तन आज की महिलाओं ने न सिर्फ अपना लिए हैं बल्कि अब ये सब फैशन के अंग हो गए हैं।

ग्लिटर मेहँदी का ग्लो फैशनेबल मेहँदी के रूप में ग्लिटर मशहूर है। यूँ ग्लिटर मेहँदी में मेहँदी का कोई उपयोग नहीं होता। यह शुद्धरूप से केमिकल से बनी होती है, पर तुरन्त लग जाने और ग्लो करने के साथ ही यह हर कलर में उपलब्ध होती है। इसलिए मैचिंग के दीवाने इसका खूब उपयोग करते हैं। जिस कलर की ड्रेस पहनी हो उसी कलर की मेहँदी भी लगानी हो तो ग्लिटर मेहँदी सबसे अधिक उपयुक्त होती है। अब इसके साथ स्टोन का भी चलन है। ग्लिटर के साथ ही मैचिंग स्टोन या कंट्रास्ट स्टोन लगाकर मेहँदी को आकर्षक बनाया जाता है।

टैटू मेहँदी, झटपट मेहँदी

यूँ टैटू मेहँदी से काफी अलग है पर इसने मेहँदी का स्थान ले लिया है। इसे झटपट मेहँदी भी कहते हैं। मेहँदी के रूप में प्रयुक्त टैटू मेहँदी वाली डिजाइन में मिलने लगे हैं।

बस पाँच मिनट में तैयार इस मेहँदी का प्रयोग हाथों से अधिक पेट, कमर, गले और बाजू में किया जाता है। टैटू पारंपरिक और अरेबियन दोनों प्रकार के डिजाइनों में उपलब्ध होते हैं। पेड़ से पत्ते तोड़कर सिल पर पीसने और हाथों में रचाने का सिलसिला तो पुराना हो ही चुका है अब तो पैक मेहँदी पाउडर की जगह तैयार कोन भी मिलने लगी है। बस कोन खरीदें और लगाना शुरू करें।

पारंपरिक का जलवा वैसे तो फैशन के हिसाब से मेहँदी की डिजाइनों में काफी बदलाव आया है। जब बात त्योहारों और शादियों की हो तो पारंपरिक डिजाइन ही पसंद किए जाते हैं। शादियों में दुल्हन अभी भी पारंपरिक मेहँदी ही प्रयोग में लाती हैं।

पारंपरिक मेहँदी भरावट वाली होती है और इससे हाथ या पैर पूरे भरे-भरे दिखते हैं। रचने के बाद भरावट वाला हिस्सा अधिक सुन्दर दिखता है। इस डिजाइन में आजकल सजावट के लिए ऊपर से ग्लिटर या स्टोन का भी उपयोग होता है, पर बेस-मेहँदी डिजाइन में पारंपरिक डिजाइनें होती हैं।

राजस्थानी का राज राजस्थानी शैली की मेहँदी एक प्रकार से पारंपरिक मेहँदी डिजाइनों का ही एक भाग है। इसके कुछ प्रतीक काफी लोकप्रिय हैं जो कि अन्य डिजाइनों के साथ भी मर्ज करके रचाए जाते हैं। इन प्रतीकों में मोर सबसे अधिक प्रचलित है। इसके अलावा नगाड़े, ढोल, दुल्हन, दूल्हा, तुरही, कलश आदि प्रतीकों के कारण राजस्थानी मेहँदी लोगों की पसंद में शामिल है।

अरेबियन का आकर्षण कॉलेज गोइंग गर्ल्स और टीनएजर्स के बीच लोकप्रिय इस डिजाइन ने फैशन को बदलने में सबसे बड़ी भूमिका निभाई है। एक ओर जहाँ पारंपरिक और राजस्थानी डिजाइनें शादी और पारंपरिक समारोहों के लिए आरक्षित सी हैं वहीं अरेबियन डिजाइन युवाओं की पहली पसंद में शामिल है।

इस डिजाइन की खासियत यह है कि इसे भरे-भरे रूप में और पूरे हाथ में एक सा नहीं लगाया जाता। बल्कि डिजाइन को आकर्षक मोड़ देकर एक पतली लकीर के रूप में डिजाइन बनाई जाती है।

न्यूजीलैंड की पहली पारी 257 रन पर सिमटी, वाशिंगटन सुंदर ने झटके 7 विकेट

एजेंसी

पुणे। न्यूजीलैंड ने यहां महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन अपनी पहली पारी में 259 रन बनाए, न्यूजीलैंड के लिए डेवोन कॉनवे (76) ओर रचिन रवींद्र (65) ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि भारत के लिए वाशिंगटन सुंदर ने सात विकेट लिए।इस मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। कप्तान टॉम लैथम और डेवोन कॉनवे ने न्यूजीलैंड को सधी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 32 रन जोड़े। रविचंद्रन अश्विन ने इसी स्कोर पर लैथम को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। लैथमने 15 रन बनाए। अश्विन ने 76 के कुल स्कोर पर विल यंग को आउट कर भारत को दूसरी सफलता दिलाई। यंग ने 18 रन बनाए। इसके बाद कॉनवे और रचिन रवींद्र ने तीसरे विकेट के लिए 62 रनों की साझेदारी की। इस दौरान कॉनवे ने अपना अर्धशतक पूरा किया। 138 के कुल स्कोर पर कॉनवे को अश्विन ने आउट कर भारत को तीसरी सफलता सफलता दिलाई। कॉनवे ने 141 गेंदों पर 11 चौकों की बदौलत 76 रन बनाए। यहां से वाशिंगटन सुंदर ने अपना जादू चलाया और कीवी बल्लेबाजों को अपनी फिरकी पर जमकर नचाया। उन्होंने 197 के स्कोर पर रचिन रवींद्र को आउट कर भारत को चौथी सफलता दिलाई। रवींद्र ने 65 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली।

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने लिया संन्यास

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने संन्यास की घोषणा की, जिससे उनका 16 साल का शानदार करियर समाप्त हो गया। टोक्यो ओलंपिक में भारत को ऐतिहासिक चौथे स्थान पर पहुंचाने वाली रानी आगामी महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में पंजाब और हरियाणा के सूरमा हॉकी क्लब की मेंटर और कोच होंगी, जिसका आगाज इस साल के अंत में होगा। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, यह एक शानदार यात्रा रही है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भारत के लिए इतने लंबे समय तक खेलूंगी। मैंने बचपन से बहुत गरीबी देखी है, लेकिन मेरा ध्यान हमेशा कुछ करने, देश का प्रतिनिधित्व करने पर था। टोक्यो ओलंपिक के बाद हैमस्ट्रिंग की चोट से मजबूत वापसी करने के बावजूद, रानी पूर्व कोच जेनेके शोपमैन के पक्ष में नहीं थीं और राष्ट्रीय टीम के लिए ज्यादा खेल नहीं पाईं। उन्हें हाल ही में सब-जूनियर महिला खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कोच के रूप में शामिल किया गया था। रानी रामपाल ने 254 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और कुल 205 गोल किए। भारतीय हॉकी में उनका योगदान बहुत बड़ा है, उन्होंने 2008 में सिर्फ़ 14 साल की उम्र में अपना पहला मैच खेला था।

मेजर लीग बेसबॉल के रियलिटी स्पोर्ट्स सीरीज़ का हिस्सा बने शिखर धवन

नई दिल्ली। मेजर लीग बेसबॉल (एमएलबी) ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन को भारत में खेल के विकास को दर्शाने वाली एक रियलिटी स्पोर्ट्स सीरीज़ का हिस्सा बनने के लिए चुना है। यह सीरीज़ 25 अक्टूबर, 2024 को लॉन्च होगी। चार-एपिसोड की इस सीरीज़ में धवन, 5 बार ऑल-स्टार स्लगर एडम जोन्स और खेल प्रस्तोता जतिन सप्रू शामिल हैं। यह सीरीज़ डिज्नी स्टार के सहयोग से बनाई गई है, जिसका शीर्षक 'हॉटशॉट्स' है। 'हॉटशॉट्स' देश के 10 सर्वश्रेष्ठ शौकिया बल्लेबाजों की हिटिंग क्षमता का परीक्षण करता है, जिसमें विजेता को 15 लाख रुपये का शीर्ष पुरस्कार दिया जाता है। शिखर और एडम इन प्रतियोगियों को कोचिंग देंगे।'हॉटशॉट्स'% पिछले साल के 'इंडियन बेसबॉल ड्रीम्स' का अनुसरण करता है, और 2023 में एमएलबी ड्राफ्ट के पहले दौर में चुने जाने वाले पहले-पीढ़ी के भारतीय अमेरिकी अर्जुन निम्माला की प्रेरक वास्तविक जीवन की कहानी बताता है। सीरीज़ की रिलीज़ 26 अक्टूबर को निर्धारित 120वीं वर्ल्ड सीरीज़ की शुरुआत के साथ होगी। 'हॉटशॉट्स' में भाग लेने पर शिखर धवन ने कहा, मैं बहुत उत्साहित हूँ! एक मेजर लीग बेसबॉल प्रतियोगिता हो रही है जिसमें क्रिकेटर और बेसबॉल खिलाड़ी दोनों भाग ले रहे हैं। यह भारत में अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता है।

अश्विन आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

नई दिल्ली। भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज नाथन लियोन को पीछे छोड़ते हुए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के इतिहास में अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। अश्विन ने यह उपलब्धि पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान हासिल की। ??पहली पारी में खेल के दौरान, अश्विन ने अब तक 19 ओवर में 2.50 की इकॉनमी रेट से 48 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। 2019 में लीग प्रारूप में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से अब तक 39 मैचों में, अश्विन ने 20.71 की औसत से 189 विकेट लिए हैं, जिसमें 7/71 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। उन्होंने प्रतियोगिता में नौ बार चार विकेट और 11 बार पांच विकेट लिए हैं। 2019-21 और 2021-23 चक्रों में, अश्विन 14 मैचों में 71 विकेट लेकर अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज और 13 मैचों में 61 विकेट लेकर चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बने लियोन 20 मैचों में 88 विकेट लेकर शीर्ष पर रहे। प्रतियोगिता के मौजूदा 2023-25 चक्र में, अश्विन 12 मैचों में 57 विकेट लेकर फिर से शीर्ष पर हैं।

भारतीय महिला टीम ने न्यूजीलैंड को 59 रन से हराया, सीरीज में बनाई 1-0 की बढ़त

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीन वनडे मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में न्यूजीलैंड को 59 रनों से हरा दिया है। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के सामने 228 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन कीवी टीम जवाब में 168 रन ही बना पाई।

भारतीय टीम की जीत में दीप्ति शर्मा और जेमिमा रोड्रीगेज समेत कई खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। भारत की ओर से मिले 228 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेहमान टीम न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने अपने शुरुआत तीन विकेट मात्र 46 रन पर ही गंवा दिए। अहमदाबाद की पिच पर दोनों टीम बल्लेबाजी में संघर्ष करती दिखीं और पूरे मैच में कोई भी

खिलाड़ी अर्धशतक तक नहीं लगा पाया। न्यूजीलैंड के लिए ब्रूक हैलीडे ने सबसे अधिक 39 रन बनाए। जबकि एमेलिया केर ने 25 रनों का योगदान किया। भारत की ओर से राधा यादव ने तीन विकेट चटकाए, जबकि साइमा ठाकोर को दो सफलता मिली। वहीं, दीप्ति शर्मा और अरुंधति रेड्डी ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। इससे पहले, हरमनप्रीत कौर की गैरमौजूदगी में स्मृति मंधाना की अगुवाई में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 227 रन बनाए। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही क्योंकि स्मृति मंधाना केवल 5 रन बनाकर आउट हो गई, वहीं शेफाली वर्मा ने तेजतर्रार अंदाज में 22 गेंद में 33 रन बनाए। विकेटकीपर बल्लेबाज यस्तिका भाटिया ने 37 रन और जेमिमा रोड्रीगेज ने भी 35 रनों का योगदान दिया। हालांकि भारतीय टीम पूरे 50 ओवर भी नहीं खेल पाई और 45वें ओवर में ही 227 रन बनाकर टीम ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड की तरफ से एमेलिया केर ने चार और जेस केर ने तीन विकेट अपने नाम किए। जबकि इडेन कार्सन को दो और सूजी बेट्स को एक सफलता मिली।

खो खो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया भारतीय टीम के लिए फिटनेस और प्रशिक्षण शिविर लगाएगी

एजेंसी

नई दिल्ली। 13 जनवरी से 19 जनवरी 2025 तक खेले जाने वाले पहले खो खो वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए खो खो फेडरेशन ऑफ़ इंडिया भारतीय टीम का आठ दिसम्बर से एक माह का फिटनेस और प्रशिक्षण शिविर लगाएगी । भारत के प्राचीनतम खेलों में से एक खो खो के इस विश्व कप का उद्घाटन नई दिल्ली में होगा। आयोजन में छह महाद्वीपों के 24 देश भाग लेंगे, जिनमें 16 पुरुष और 16 महिला टीमें शामिल होंगी।अन्तर्राष्ट्रीय खो-खो फेडरेशन के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने बताया की इंदिरा गाँधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित किये जाने बाले इस कैंप के माध्यम से खिलाडियों में टीम भावना भरने के साथ खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक क्षमता को बढ़ाने पर फोकस किया जायेगा ताकि बह अन्तराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकें । उन्होंने बताया की इस प्री सीजन फिटनेस और फील्डिंग ट्रेनिंग

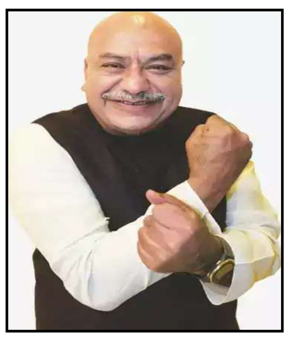

कैंप में खिलाडियों के फिटनेस स्तर, स्फूर्ति, नेतृत्व ,रणनीतिक सोच ,तथा खेल के मैदान में बेहतर प्रदर्शन के लिए व्यापक प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा ताकि वह विश्व कप में बेहतर प्रदर्शन कर सकें ।

10वें एशियन पेसिफिक डीफ गेम्स 2024 मलेशिया में मप्र की दो खिलाड़ी करेंगी देश का प्रतिनिधित्व

एजेंसी

भोपाल। मलेशिया के क्वालालम्पुर शहर में 01 से 08 दिसंबर 2024 तक 10वें एशियन पेसिफिक डीफ गेम्स का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में मप्र की दो खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करेंगी। प्रतियोगिता के लिए मप्र खेल अकादमी की खिलाड़ी गौरांशी शर्मा (बैडमिंटन) और कनिष्का शर्मा (ताईक्वान्डो) का भारतीय दल में चयन हुआ है। जनसमम्पर्क अधिकारी विकास खोब्रागड़े ने बताया कि 10वें एशियन पेसिफिक डीफ गेम्स मप्र की दो खिलाड़ी गौरांशी शर्मा (बैडमिंटन) और कनिष्का शर्मा (ताईक्वान्डो) ने भारतीय दल में जगह बनाई है। दोनों ही खिलाड़ी मप्र राज्य खेल अकादमी से हैं और अपनी असाधारण खेल प्रतिभा के बल पर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ा रही हैं। उन्होंने बताया कि गौरांशी शर्मा मप्र राज्य बैडमिंटन अकादमी ग्वालियर की अंतराष्ट्रीय डीफ खिलाड़ी हैं। हाल ही में उन्हें यूनिसेफ ने भारत का एम्बेसडर बनाया, जिसके तहत उन्हें सितंबर 2024 में न्यूयॉर्क, अमेरिका में आयोजित एक वैश्विक युवा सम्मेलन में आमंत्रित किया गया। इस

कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के सर्वोत्तम हितों को सुनिश्चित करने, उनके अनुभवों को साझा करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए नेटवर्क तैयार करना था।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरांशी की प्रमुख उपलब्धियां:

1. डेफ ओलंपिक 2022 (ब्राजील)ः गौरांशी ने बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रौशन किया।

2. छठवीं वर्ल्ड यूथ बैडमिंटन चैम्पियनशिप (ब्राजील, 2003)ः उन्होंने एक और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

3. दूसरी यूथ और 6वीं एशिया पेसिफिक डीफ बैडमिंटन चैम्पियनशिप (थाईलैंड, 2022)ः इस प्रतियोगिता में गौरांशी ने 01 कांस्य पदक अर्जित किया।

4. 3री वर्ल्ड यूथ डीफ बैडमिंटन चैम्पियनशिप (ब्राजील, 2003)ःगौरांशी ने कांस्य पदक जीतकर अपने प्रदर्शन को और मजबूती दी।

सिडनी थंडर की कप्तान नियुक्त हुईं फोबे लिचफील्ड

एजेंसी

सिडनी। महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के आगामी सीज़न के लिए सिडनी थंडर ने फोबे लिचफील्ड को अपना कप्तान नियुक्त किया है। 21 वर्षीय लिचफील्ड डब्ल्यूबीबीएल इतिहास में सबसे कम उम्र की पूर्णकालिक कप्तान होंगी। उन्हें इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट से आगे नियुक्त किया गया है, जिन्होंने पिछले सीज़न में टीम का नेतृत्व किया था। लिचफील्ड ने क्लब की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा, सिडनी थंडर का कप्तान बनना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मैं इस क्लब के लिए खेलते हुए बड़ी हुई हूं और कुछ बेहतरीन लीडर्स से सीखा है, इसलिए अब खिलाड़ियों के इतने प्रतिभाशाली समूह का नेतृत्व करने का अवसर मिलना वाकई रोमांचक है। हमारे पास अनुभव और युवा प्रतिभा का बेहतरीन मिश्रण है, और मैं इस सीजन में टीम की कप्तानी करने की चुनौती का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। लिचफील्ड ने 16 साल की उम्र में थंडर के लिए पदार्पण किया था और 67 मैचों में 24.24 की औसत से 1212 रन बनाए हैं। उन्होंने पिछले सीजन में 130.37 की

औसत से 309 रन बनाए थे।

थंडर के महाप्रबंधक ट्रेंट कोपलैंड ने कहा, फोबे का थंडर का कप्तान बनना सही लगता है। वह युवा है, लेकिन खेल में उसका अनुभव इसे एक स्वाभाविक प्रगति बनाता है। फोबे हमेशा अपनी उम्र से कहीं ज़्यादा परिपक्व रही है, और थंडर में शामिल होने के समय से ही उसके नेतृत्व के गुण स्पष्ट हो गए हैं। हमने देखा है कि फोबे दबाव में भी कामयाब होती है, चाहे वह विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के लिए हो या थंडर के लिए महत्वपूर्ण क्षणों में। वह चरित्र और उदाहरण दोनों ही दृष्टि से एक बेहतरीन लीडर हैं और हम उन्हें इस भूमिका में देखने के लिए उत्साहित हैं। नाइट के साथ-साथ लिचफील्ड को कोच लिसा केइटली के साथ-साथ चमारी अथापथु, हन्ना डार्लिंगटन (जिन्होंने 19 वर्ष की आयु में स्टैंड-इन कप्तान के रूप में थंडर का नेतृत्व किया), शबनीम इस्माइल और सैमी-जो जॉनसन के अनुभव का लाभ मिलेगा। थंडर, जो पिछले सीजन में एलिमिनेटर फाइनल तक पहुंचे थे, जहां उन्हें ब्रिसबेन हीट से हार का सामना करना पड़ा था, वे अपना टूर्नामेंट अभियान 28 अक्टूबर को होबार्ट हरिकेंस के खिलाफ शुरू करेंगे।

आईएसएल 2024-25 : सदर्न डर्बी में भिड़ेंगे केरला ब्लास्टर्स और बेंगलुरू एफसी

एजेंसी

कोच्चि। दक्षिण भारत के दो चिर-प्रतिद्वंद्वी बेंगलुरू एफसी और केरला ब्लास्टर्स एफसी यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 सीजन की सदर्न डर्बी में भिड़ेंगे। बेंगलुरू एफसी इस समय तालिका के शीर्ष स्थान पर है जबकि केरला ब्लास्टर्स एफसी ब्लूज को इस सीजन की पहली हार देने के लिए बेकरार होंगे। ब्लास्टर्स शुरुआती मैच पंजाब एफसी से 1-2 से हारे थे, उसके बाद उन्होंने अभी तक हार का मुंह नहीं देखा है। पिछले चार मुकाबलों में उन्होंने दो जीते हैं और दो ड्रा खेले हैं।

सीजन 2019-20 की शुरुआत से लेकर अब तक, बबल सीजनों को छोड़कर, खेले मैचों में घरेलू टीम हर बार जीती है। बेंगलुरू एफसी एकमात्र ऐसी टीम है जिसने इस सत्र में अभी तक कोई गोल नहीं खाया है। उन्होंने अपने पिछले पांच मैचों में

क्लीन-शीट रखी है। बेंगलुरू एफसी ने मौजूदा सीजन में प्रति मैच सबसे कम (11) प्रयास किए हैं। लेकिन, मैचवीक 5 के आंकड़ों के अनुसार, उनका शॉट कन्वर्जन रेट सबसे अच्छा (14.6फीसदी) रहा। स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टाहरे के ब्लास्टर्स तय-शुदा रूटीन का पालन कर रहे हैं जिसे वे प्रत्येक मैच में दोहराना चाहते हैं। लेकिन साथ ही, वे विपक्ष की ताकत के हिसाब से अपनी योजनाओं में बदलाव करते हैं। उन्होंने कहा, हम अधिक आत्मविश्वास के साथ तेज गति खेलना चाहते हैं। हम बहुत प्रतिस्पर्धी होना चाहते हैं। हर मैच के लिए हमारे पास अलग योजना होती हैं। हमारी रणनीति का लगभग 80त्न हिस्सा वो फिलोस्फी है जिसका हम पालन करते हैं और 20फीसदी बदलाव हालात के मुताबिक हम हर मैच में करते हैं।

बेंगलुरू एफसी के स्पेनिश हेड कोच जेरार्ड जारागोजा ने 25 वर्षीय नौरेम रोशन सिंह पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने चार इंटरसेप्शन और नौ टैकल के अलावा एक गोल किया है, जो उनकी रक्षात्मक और आक्रामक उपयोगिता को दर्शाता है। कोच ने कहा, रोशन रक्षात्मक रूप से सुधर रहे हैं और उन पर हमला करना बहुत मुश्किल है। हम उनके साथ ज्यादा आगे खेलने को लेकर काम कर रहे हैं क्योंकि वह विंगर के तौर पर हमारी मदद कर रहा है।

52वां नेहरू जूनियर हॉकी टूर्नामेंट : फाइनल में पहुंची मप्र राज्य अकादमी की हॉकी टीम

एजेंसी

भोपाल। दिल्ली में आयोजित 52वें नेहरू जूनियर हॉकी टूर्नामेंट-2024 में मध्य प्रदेश राज्य पुरुष हॉकी अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए फायनल में प्रवेश किया है। प्रतियोगिता में खेले गए सेमी-फायनल मुकाबले में मप्र अकादमी की टीम ने राउण्ड ग्लास हॉकी टीम को 3-2 के रोमांचक स्कोर से पराजित किया। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खिलाड़ियों को फाइनल में पहुंचने पर हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा है कि हमारे खिलाड़ी फाइनल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उनकी मेहनत और खेल समर्पण की भावना से हम सब गौरवान्वित हुए हैं। फाइनल मुकाबला मध्य प्रदेश राज्य खेल हॉकी अकादमी और नवल टाटा टीम के बीच दोपहर 2:30 बजे होगा। यह मैच दोनों टीम के लिये महत्वपूर्ण है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने वॉर्नर पर लगा कप्तानी प्रतिबंध हटाया

एजेंसी

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शुक्रवार को डेविड वॉर्नर पर लगे आजीवन कप्तानी प्रतिबंध को सीए के आचरण आयोग की समीक्षा के बाद हटा दिया है। इसका मतलब है कि अब वह आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) में सिडनी थंडर की कप्तानी करने के पात्र हैं, 2018 में केपटाउन में सैंडपेपर घटना के बाद उन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जिसके बाद से उन्हें ऑस्ट्रेलिया में किसी भी टीम की कप्तानी करने की अनुमति नहीं थी। सीए ने शुक्रवार को आचरण आयोग की समीक्षा के निष्कर्ष जारी किए, जिसमें तीन सदस्यीय पैनल ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वॉर्नर ने 2022 में आचार संहिता में बदलाव के बाद प्रतिबंध हटाने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा किया है। सीए के बयान में कहा गया, अपने निर्णय में पैनल ने उल्लेख किया कि उनके [वॉर्नर] जवाबों के सम्मानजनक और पश्चाताप भरे लहजे के साथ-साथ विषय-वस्तु ने समीक्षा पैनल को

प्रभावित किया और सर्वसम्मति से यह निष्कर्ष निकाला कि आचरण के लिए जिम्मेदारी स्वीकार करने में वह ईमानदार और सच्चे थे और उनके बयान में कहा गया था कि उन्हें अपने आचरण के लिए अत्यधिक पश्चाताप है। बयान में कहा गया, पैनल ने उन संदर्भों पर भी विचार किया जिनमें वॉर्नर ने ऑस्ट्रेलिया में युवा क्रिकेटरों के विकास में जो योगदान दिया है और भविष्य में भी दे सकते हैं, यदि उन्हें वॉर्नर के नेतृत्व में खेलने का अवसर दिया जाए, तथा विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया में दक्षिण एशियाई समुदाय के बीच क्रिकेट में रुचि बढ़ाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका जारी रहेगी का उल्लेख किया गया। वॉर्नर ने बॉल टैंपरिंग कांड में शामिल होने के कारण एक साल के लिए खेलने पर प्रतिबंध स्वीकार करने के बाद 2018 में नेतृत्व प्रतिबंध को संशोधित करने के लिए एक आवेदन दायर किया था। इससे पहले उन्होंने 2022 में अपने प्रतिबंध को खत्म करने के आवेदन को गुस्से में वापस ले लिया था।

वॉर्नर के लिए यह लंबे समय से निराशा का स्रोत रहा है कि उन्हें ऑस्ट्रेलिया में किसी भी टीम का नेतृत्व करने से प्रतिबंधित कर दिया गया था, जबकि स्टीवन स्मिथ, जिन्हें घोटाले में शामिल होने के कारण एक साल के लिए खेलने से प्रतिबंधित किया गया था, तब से ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट और वनडे टीम दोनों की कप्तानी कर रहे हैं और वर्तमान टेस्ट उप-कप्तान बने हुए हैं।अपने खेल प्रतिबंध के बाद से वॉर्नर को दुनिया भर की टीमों की कप्तानी करने की अनुमति दी गई थी, उन्होंने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स का नेतृत्व किया था।

जर्मनी को दूसरे मैच में 5-3 से हराने के बावजूद भारतीय टीम ने शूटआउट में द्विपक्षीय हॉकी सीरीज गंवाई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने यहां मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता जर्मनी को द्विपक्षीय हॉकी सीरीज 2024 के दूसरे मैच में 5-3 से हरा दिया। हालांकि जीत के बावजूद भारतीय टीम यह सीरीज अपने नाम नहीं कर सकी। दरअसल, दो मैचों की द्विपक्षीय हॉकी सीरीज के पहले मैच में बुधवार को जर्मनी ने भारतीय टीम को 2-0 से हराया था। दूसरे मैच में भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए जर्मनी को 5-3 से हरा दिया। इससे यह सीरीज बराबर हो गई। मैच के बाद सीरीज का फैसला शूटआउट के जरिए किया गया, जिसमें जर्मनी ने भारतीय टीम को 3-1 से हराकर द्विपक्षीय सीरीज अपने नाम की। भारत की ओर से दूसरे मैच में सुखजीत सिंह (34वें और 48वें मिनट), कप्तान हरमनप्रीत सिंह (42वें और 43वें मिनट), अभिषेक (45वें मिनट) ने गोल दागे।

जर्मनी की ओर से इलियन मज्कौर (7वें और 57वें मिनट) और हेनरिक मर्टगेंस (60वें मिनट) ने गोल किए। मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में सीरीज के दूसरे मैच में भारतीय टीम पूरे जोश के साथ मैदान पर उतरी। पहले क्वार्टर की शुरुआत से भारतीय टीम आक्रमण करते दिखी, लेकिन जर्मनी ने सभी आक्रमण को नाकाम कर दिया। इसके बाद 7वें मिनट में जर्मनी ने पहला गोल दागा। इलियन मज्कौर ने भारतीय रक्षा पंक्ति को भेदने के बाद भारतीय गोलकीपर को छकाते हुए गोल दाग दिया और अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। फिर 12वें मिनट में जर्मनी को पेनल्टी कॉर्नर (पीसी) के जरिए गोल करने का एक और मौका मिला, लेकिन वे इसे भुना नहीं पाए। भारतीय को भी 14वें मिनट में पीसी के जरिए गोल करने का मौका मिला, लेकिन गोल नहीं हो पाया। दोनों टीमों ने दूसरे क्वार्टर में भी पीसी अर्जित किए, लेकिन कोई भी गोल नहीं कर सका। दूसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं आया। हॉफ टाइम तक जर्मनी 1-0 आगे था। हॉफ टाइम के बाद तीसरे क्वार्टर में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। 34वें मिनट में सुखजीत सिंह ने शानदार फील्ड गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। इस पहले गोल ने भारतीय टीम को वह गति प्रदान की, जिसकी उन्हें तलाश थी। इसके बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने अपना जादू दिखाया।

जंक्शन ओवल में किया गया शेन वार्न स्टैंड का अनावरण

एजेंसी

मेलबर्न। क्रिकेट विक्टोरिया और सेंट किल्डा क्रिकेट क्लब ने शुक्रवार को मेलबर्न के जंक्शन ओवल में स्थित ग्रैंडस्टैंड में से एक का नाम बदलकर दिवंगत शेन वार्न के नाम पर रखा है। यह नाम विक्टोरिया और उनकी क्लब टीम सेंट किल्डा में उनके योगदान के सम्मान में रखा गया है।

1925 से खड़े इस स्टैंड का नाम बदलने की प्रक्रिया मार्च, 2022 में वार्न के निधन से काफी पहले शुरू हो गई थी। स्टैंड का नाम पहले ऑस्ट्रेलियाई फुटबॉल खिलाड़ी केविन मरे के नाम पर रखा गया था, जिन्होंने इस बदलाव का समर्थन किया था। मरे का नाम अब मेलबर्न के उत्तरी उपनगरों में फिट्ज़रॉय के ब्रंसविक स्ट्रीट ओवल में एक स्टैंड पर रखा गया है। एमसीजी ने 2022 में वार्न के राजकीय अंतिम संस्कार के समय उनके नाम पर अपने दक्षिणी स्टैंड का नाम रखा, लेकिन मेलबर्न के सीबीडी के ठीक दक्षिण में स्थित उपनगर सेंट किल्डा में जंक्शन ओवल के पश्चिमी हिस्से में स्थित हेरिटेज सूचीबद्ध स्टैंड का नाम बदलने की प्रक्रिया में बहुत अधिक समय लगा। वॉर्न के पिता कीथ और उनकी दो बेटियाँ समर और ब्रुक इस अनावरण में शामिल हुए, जो जंक्शन ओवल में विक्टोरिया और न्यू साउथ वेल्स के बीच वन-डे कप मैच से पहले हुआ था। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस, स्टीवन स्मिथ और ग्लेन मैक्सवेल सहित कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैच में खेलने से पहले समारोह में शामिल हुए। वॉर्न के कुछ पूर्व ऑस्ट्रेलिया, विक्टोरिया और सेंट किल्डा टीम के साथी भी अनावरण में मौजूद थे। क्रिकेट विक्टोरिया ने मैदान के उत्तरी छोर पर अपने प्रशासन और उच्च प्रदर्शन केंद्र के फ़ोयर में शेन वॉर्न की एक प्रदर्शनी का भी अनावरण किया है। इस प्रदर्शनी में वॉर्न के करियर की यादगार चीज़ें हैं, जिनमें से बहुत सी चीज़ें उनके पिता ने उपलब्ध कराई हैं, और इसे देखने के लिए निःशुल्क उपलब्ध है। कीथ वॉर्न ने अनावरण के समय कहा, आज वॉर्न परिवार के लिए एक बहुत ही खास और गौरवपूर्ण दिन है, जंक्शन ओवल में शेन वॉर्न स्टैंड नाम का एक स्टैंड होना शेन के लिए एक शानदार श्रद्धांजलि है, जिन्हें हम जानते हैं कि इस तरह के सम्मान के लिए चुने जाने पर उन्हें सम्मानित महसूस होगा। फरवरी 1991 में उन्होंने जंक्शन ओवल में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ़ विक्टोरिया के लिए खेलते हुए अपना प्रथम श्रेणी डेब्यू किया। शेन के कुछ सबसे मज़ेदार शुरुआती क्रिकेट वर्ष अपने प्रिय सेंट किल्डा के साथ खेलते हुए बीते, खासकर जब मैच जंक्शन ओवल में खेले जाते थे। कीथ वॉर्न ने भावुक होकर कहा, शेन को ऊपर से जंक्शन ओवल में एक स्टैंड पर अपना नाम देखकर गर्व होगा, लेकिन उन्हें यह जानकर भी खुशी होगी कि अब वे हमेशा के लिए सेंट किल्डा क्रिकेट क्लब और जंक्शन ओवल से जुड़ जाएंगे। उनके परिवार की ओर से, मैं क्रिकेट विक्टोरिया और सेंट किल्डा क्रिकेट क्लब को शेन को इस तरह के शानदार सम्मान के साथ सम्मानित करने में उनके सहयोग के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं, जिससे शेन की अविश्वसनीय विरासत और बढ़ेगी।

दिल्ली ने गढ़वाल को हराया और वायुसेना ने सुदेवा बराबरी पर रोका

नई दिल्ली। पिछली बार की चैंपियन गढ़वाल हीरोज को यहां अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गए तीसरी प्रीमियर लीग के एकतरफा मुकाबले में दिल्ली एफसी के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा। वही एक अन्य मुकाबले में वायुसेना ने सुदेवा एफसी को 2-2 की बराबरी पर रोका। मध्यांतर तक गोल शून्य बराबरी के बाद दिल्ली एफसी ने दूसरे हॉफ में खेल पर पूरी तरह नियंत्रण बनाते हुए 3-1 से मैच जीत लिया। पिछले चार सालों में गढ़वाल हीरोज एफसी की डीएफसी के हाथों यह पहली हार है। विजेता टीम ने खेल के हर क्षेत्र में गढ़वाल को न सिर्फ अदना साबित किया, बेहतरीन गोल भी जमाए। विजेता के लिए जी गयारी, सजल बाग और आकाश तिर्की ने गोल किए। पराजित गढ़वाल का इकलौता गोल मिलिंद नेगी ने अंतिम मिनट में पेनल्टी पर बनाया। वहीं दिन के पहले मुकाबले में भारतीय वायुसेना ने सुदेवा एफसी को पिछड़ने के बाद 2-2 से ड्रॉ पर रोका।

विवियन डीसेना को चैनल का लाडला कहे जाने पर भड़कीं काम्या, कहा- उन्हें होगा नुकसान

बिग बॉस 18 में विवियन डीसेना काफी सुर्खियों में हैं। विवियन शो शक्ति में काम कर चुके हैं जिसमें काम्या पंजाबी भी लीड रोल में थी। काम्या बिग बॉस के हर सीजन को देखती हैं और उसे लेकर अपनी राय जरूर देती हैं। अब काम्या ने अपने को-स्टार रहे विवियन को लेकर कमेंट किया है। उन्होंने विवियन को लाडला कहे जाने पर बिग बॉस और बाकी कंटेस्टेंट्स पर निशाना साधा है। काम्या का कहना है कि इससे विवियन को ही नुकसान होगा।

विवियन को लेकर क्या बोलीं काम्या

काम्या ने ट्वीट किया, ये क्या है कलर्स का लाडलाऔर क्यों ये उन्हें ही बैकफायर करेगा। यहां कोई किसीका लाडला नहीं है। सिर्फ गेम है सब कुछ।

लोगों के रिएक्शन

काम्या के इस पोस्ट पर लोग खूब रिएक्ट कर रहे हैं। किसी ने कमेंट किया कि उन्हें पहले ही काफी इसका नुकसान झेलना पड़ रहा है। कई उनके खिलाफ जा रहे हैं। किसी ने लिखा कि लाडला बोलकर विवियन का गेम खराब किया जा रहा है।बता दें कि शक्ति शो में विवियन और काम्या के अलावा रुबीना दिलैक भी लीड रोल में थीं। रुबीना भी जब बिग बॉस में आई थीं तब काम्या ने उन्हें भी खूब सपोर्ट किया था। वहीं विवियन और रुबीना के बीच भी काफी अच्छा बॉन्ड है।

विवियन की चाहत से लड़ाई

फिलहाल शो की बात करें तो शो का एक प्रोमो सामने आया है जिसमें विवियन की कंबल को लेकर चाहत पांडे से लड़ाई हो जाती है। दरअसल, चाहत से गलती से विवियन के कंबल पर हल्दी लग जाती है। विवियन इससे गुस्सा हो जाते हैं और कहते हैं कि मेरी चीजों को मत छुआ करो। चाहत फिर उनसे बहस करती हैं तो विवियन कहते हैं कि इसका बस चले तो कोर्ट में जज से भी बहस करने लगे और उन्हें गलत साबित कर दे। वहीं चाहत कहती हैं कि मेरे साथ नेतागिरी नहीं चलेगी।

अनन्या पांडे की डेटिंग लाइफ पर मां भावना ने कही अपनी दिल की बात, कहा- मुझे लगता है वह....

अनन्या पांडे अपनी फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी काफी चर्चा में रहती हैं। कुछ समय पहले तक उनका नाम आदित्य रॉय कपूर के साथ जुड़ा था। दोनों की साथ में वेकेशन की फोटोज भी वायरल हुई थीं। लेकिन फिर खबर आई कि दोनों ने ब्रेकअप कर लिया है। इसके बाद अनन्या का नाम वॉकर ब्लैंको के साथ जुड़ा। अब इस बीच अनन्या की मां भावना पांडे ने एक्ट्रेस की शादी को लेकर कमेंट किया है।

भावना से पूछा बेटी को लेकर सवाल

दरअसल, हाल ही में फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स सीजन 3 में दिखाया गया कि भावना अपने कॉलेज में जाती हैं और इस दौरान बच्चे उनसे सवाल करते हैं। इसी दौरान एक बच्चे ने पूछा कि अनन्या का नाम कई लड़कों के साथ जुड़ता है तो वह मां होने के नाते इस सिचुएशन को कैसे हैंडल करती हैं।

अनन्या को लेकर क्या बोलीं

भावना कहती हैं, जब मैं यंग थी मेरा भी नाम कई लोगों के साथ जुड़ा बस हेडलाइन्स नहीं बनती थी। यही एक डिफ्रेंस है तो मुझे लगता है कि उन्हें अपनी लाइफ नॉर्मल जीनी चाहिए। जिस दिन वह डिसाइड करेंगी शादी का वह मुझे बता सकती हैं। उस दिन शायद मैं इमोशनल हो जाऊंगी। लेकिन तब तक मैं चाहती हूं वह अपनी लाइफ में अच्छा टाइम स्पेंड करें।

प्रोफेशनल लाइफ

अनन्या की प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो हाल ही में वह कंट्रोल में नजर आई हैं जो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। इस सीरीज में उनके साथ विहान सामट अहम किरदार में हैं। अब अनन्या, करण जौहर की फिल्म में नजर आएंगी जिसका नाम अभी फाइनल नहीं हुआ है। हालांकि यह पता चला है कि इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और आर माधवन होंगे।

मुझपर डोरे मत डालो....चाहत पांडे के लिए ये क्या बोल गए अविनाश मिश्रा

बिग बॉस 18 से पहले भी चाहत पांडे और अविनाश मिश्रा एक दूसरे के साथ बतौर लीड काम कर चुके हैं. चाहत की मानें तो अविनाश को उनके रवैये की वजह से उनके सभी शो से बाहर कर दिया गया था. जिस तरह से बिग बॉस के घर के बाहर अविनाश और चाहत की नहीं बन रही थी, ठीक उसी तरह बिग बॉस के घर के अंदर भी दोनों एक दूसरे के खिलाफ बात करते हुए नजर आ रहे हैं. बिग बॉस के लेटेस्ट एपिसोड में जेल में लेटे हुए अविनाश पर चाहत पानी फेंकते हुए नजर आईं. उनका कहना था कि रात को अविनाश ने उन्हें भूखा रखा और इसलिए उन्होंने उनसे इस बात का बदला लिया.

चाहत की ये हरकत देख अविनाश ने उनसे कहा कि वो 'गंवार' हैं. 'गंवार' शब्द सुनते ही चाहत उनपर भड़क गईं. उन्होंने कहा कि वो गांव से हैं इसलिए अविनाश उन्हें गंवार कह रहे हैं. चाहत ने इस शब्द का इस्तेमाल करने के लिए अविनाश की खूब क्लास लगाई. वो बोलीं,मैं गांव से हूं और इस बात का मुझे अभिमान है. आप मुझे गंवार कहते हुए नीचा दिखाने की कोशिश नहीं कर सकते. जब अविनाश ने चाहत की बातें सुनीं तब उन्होंने कहा कि चाहत एक विक्टिम कार्ड खेल रही हैं और वो चाहती हैं कि अविनाश उनसे झगड़ा करें ताकि वो भी लाइमलाइट में आए. अविनाश की इन बातों से बिग बॉस के घर में मौजूद उनकी दो सखियां ईशा सिंह और ऐलिस कौशिक सहमत नजर आईं.

बहक गए अविनाश मिश्रा

चाहत पांडे के रवैये से गुस्सा हुए अविनाश ने सभी घरवालों को उनके पास बुलाया. उन्होंने इन तमाम घरवालों के सामने कहा कि मैंने चाहत के साथ कई सालों से काम किया है. लेकिन कभी भी मैंने इन्हें कॉफी के लिए नहीं पूछा. चाहत पांडे को मेरा अटेंशन चाहिए, उन्होंने मुझपर पानी फेंका, क्योंकि उन्हें मुझे बिना कपड़े पहने हुए देखना है. लेकिन चाहत जी, मुझपर डोरे डालना बंद करो. आप किसी और के पास जाओ. आपको करणवीर भैया के बाइसेप्स पसंद हैं, तो उनके पीछे जाओ. लेकिन मुझे माफ करो. जिस तरह से सभी घरवालों के सामने अविनाश ने चाहत के साथ बदतमीजी की, वो देखकर करणवीर के साथ कई घरवाले उनपर भड़क गए.

रामायण में सीता बनने वाली मिस इंडिया निकिता पोरवाल ने रणवीर सिंह और संजय लीला भंसाली पर कही ये बात

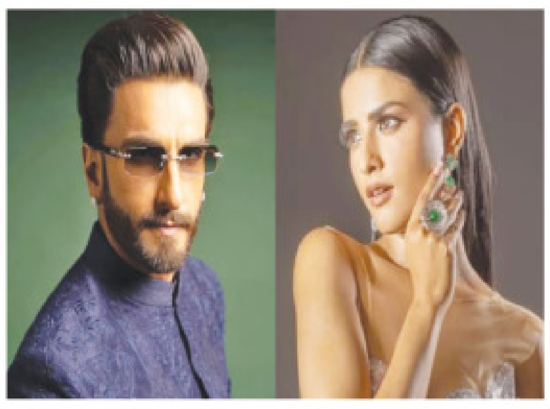

मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल पिछले कई सालों से मुंबई में रह रही हैं. साल 2024 में हुई 60वीं फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में लगभग 2000 लडकियां शामिल हुईं थीं, इन 2000 लड़कियों में से 200 को शॉर्टलिस्ट किया गया. फिर 200 में से 24 आखिरी राउंड में शामिल हुईं. इन 24 कंटेस्टेंट में से सभी को पीछे छोड़कर 'मिस इंडिया वर्ल्ड 2024' का खिताब जीतना निकिता के लिए आसान नहीं था, लेकिन उन्होंने अपनी मेहनत के बलबूते पर ये मुमकिन कर दिखाया. हाल ही में टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ की बातचीत में निकिता ने अपने फ्यूचर प्लान्स को लेकर बात की.रिजल्ट के पहले बहुत हड़बड़ी थी, मन में डर था, उत्साह था. कुछ भी हो सकता था. अगले पल मेरी जिंदगी किस दिशा में मोड़ लेने वाली थी ये मुझे नहीं पता था, लेकिन हमेशा से मैं मध्य प्रदेश का नाम सुनना चाहती थी, क्योंकि फेमिना इंडिया के 60 साल के इतिहास में मध्य प्रदेश को कभी भी ये टाइटल नहीं मिला था. आखिरकार जब मैंने सुना कि निकिता पोरवाल मध्य प्रदेश से, तब मुझे बहुत खुशी हुई. फिर मैंने अपने मम्मी-पापा की तरफ देखा, पापा की आंखों में आंसू थे और मम्मी की आंखें बंद थीं.

आज निकिता मिस इंडिया वर्ल्ड बन गई हैं, लेकिन ये ताज जीतने से पहली वाली निकिता कैसी थीं ?

मैं हमेशा से एक ऐसी लड़की रही हूं, जो अपने सपनों के पीछे भागने से पहले जरा भी नहीं सोचती. अगर मैंने ठान लिया कि मुझे कोई चीज करनी है तो वो मैं करके ही रहती हूं. लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि मैं मेरी फैमिली से अलग रहती हूं. मुझे उनके साथ समय बिताना बहुत पसंद है. मैं अच्छा खाना बनाती हूं और मुझे परिवार के लिए खाना बनाना बेहद पसंद है. मैं पराठे बहुत अच्छे बनाती हूं. जब भी मैं घर जाती हूं मेरे घरवालों की डिमांड होती है कि मैं उनके लिए पराठे बनाऊं और मैं भी बड़ी ही खुशी से उनकी डिमांड पूरी करती हूं.मुझे कुत्ते बहुत पसंद हैं, मेरे घर में एक 12 साल का कुत्ता है, जिसे मैंने गोद लिया है और साथ ही, मैं मेरे घर के आस-पास के डॉग्स का भी मैं खयाल रखती हूं.

अब मिस वर्ल्ड के लिए आपको लगभग 2 साल इंतजार करना होगा, इस बीच अगर आपको कोई फिल्म ऑफर होती है तो आप क्या करेंगी ?

मुझे रंगमंच की सेवा करना पसंद है. थिएटर में मेरी जान बसती है. मैं पिछले 5 सालों से रामलीला में मां सीता का किरदार निभा रही हूं, वो मेरी जिंदगी का बहुत बड़ा हिस्सा है. लेकिन मेरे लिए अपने देश को वर्ल्ड में रिप्रेजेंट करना उससे भी ज्यादा जरूरी है. अगर कोई फिल्म मुझे ऑफर होती है तो मैं देखूंगी कि क्या मैं अपना शेड्यूल संभालते हुए उसे कर सकती हूं या नहीं, लेकिन मैं किसी भी तरह से मेरी मिस वर्ल्ड की तैयारी पर इसका असर नहीं होने दूंगी. मेरे लिए अपने देश का मिस वर्ल्ड जैसे प्लेटफॉर्म पर प्रतिनिधित्व करना सबसे जरूरी है फिलहाल, ये फिल्म या मेरे एक्टिंग करियर से ज्यादा जरूरी है .